Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 23 November 2023 ● Year : 01 ● Issue : 302 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

मातृभाषा का उपयोग करने वाले देश दूसरे देशों से बहुत आगे निकल जाते हैं।

बॉलीवुड में काम नहीं मिलने पर छलका...

SHARE

सेंसेक्स	:	66,023.24
निफ्टी	:	19,811.85

SARAFA

सोना	:	5,845
चांदी	:	79.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

इंफाल से ब्रह्मोस फायरिंग का पहला परीक्षण सफल

NEW DELHI : भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी निर्देशित मिसाइल विध्वंसक इंफाल ने बुधवार को समुद्र में अपनी पहली ब्रह्मोस फायरिंग में 'बुल्स आई' स्कोर किया। यह पहला मौका है जब नौसेना ने किसी जहाज के चालू होने से पहले उससे विस्तारित रेंज वाली ब्रह्मोस मिसाइल का परीक्षण किया है। परीक्षण के दौरान जहाज की लड़ाकू तत्परता के साथ भारत की बढ़ती जहाज निर्माण क्षमता, स्वदेशी हथियारों और प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता परखने पर फोकस किया गया।

पीएम के खिलाफ पनौती वाली टिप्पणी पर बवाल

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित रूप से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पनौती संबंधी टिप्पणी पर राजनीति शुरू हो चुकी है। इस मामले को लेकर बीजेपी ने चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की है। बीजेपी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के खिलाफ निर्वाचन आयोग से इस झूठे दावे के लिए कार्रवाई का अनुरोध किया कि प्रधानमंत्री मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय उनकी जाति को ओबीसी सूची में शामिल किया गया था।

जेबकतरा अकेला नहीं आता तीन लोग आते हैं : राहुल

RAJASTHAN : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को राजस्थान में धौलपुर के राजाखेड़ा, भरतपुर के नदबई और गंगापुर सिटी में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। राहुल ने पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिजनेसमैन गौतम अडाणी पर निशाना साधा। राहुल ने कहा- जेबकतरा अकेला नहीं आता। तीन लोग आते हैं। सबसे पहले एक बंदा सामने से आता है आपके ध्यान को इधर-उधर करता है। उल्टी-सीधी बात बोल देगा। दूसरा पीछे से आता है, ब्लेड से जेब काट लेता है। और, तीसरा बंदा देखता है कि जिसकी जेब कटी, अगर उसने कोई आवाज की तो उस पर आक्रमण कर दे, उसको डरा दे। भीड़ को पता लग गया तो उसको धमकाने का काम करता है। नरेंद्र मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। वो टीवी पर आते हैं, कहते हैं- थाली बजाओ, मोबाइल की लाइट ऑन करो, हिंदू-मुस्लिम, नोटबंदी, मुझे फांसी लगा दो।

मणिपुर की समस्या का राजनीतिक हल जरूरी

IMPHAL : मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर हिंसा शुरू हुई है। अब तक इसमें 187 लोगों की मौत हो चुकी है। भारतीय सेना के ईस्टर्न कमांड चीफ राणा प्रताप कलीता ने कहा है कि मणिपुर की समस्या राजनीतिक है, इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक होना चाहिए। कलीता ने ये बात 21 नवंबर को गुवाहाटी के प्रेस क्लब में पत्रकारों से बात करते हुए कही।

हेमंत कैबिनेट ने 32 प्रस्तावों को दी स्वीकृति

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के कैबिनेट की बुधवार को हुई बैठक में कई अहम प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई है। बैठक में कुल 32 प्रस्तावों को स्वीकृति मिली है। इसमें सबसे अहम प्रस्ताव की स्वीकृति एससी-एसटी अधिनियम के तहत दर्ज मामले को लेकर दिया गया है। इसके तहत अब वैसे मामले जो अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम 1989 के तहत थानों में दर्ज हैं, उसका अनुसंधान दारोगा और इंस्पेक्टर भी कर सकेंगे। ऐसा निर्णय थानों में बढ़ते मामले और इसके अनुसंधान में लगने वाले डीएसपी की संख्या कम होने की वजह से लिया गया है। एक अन्य प्रस्ताव उच्च शिक्षा को लेकर लिया गया है। जिसमें कहा गया है कि अब राज्य के विश्वविद्यालयों में असिस्टेंट प्रोफेसर बनने के लिए पीएचडी होना अनिवार्य नहीं होगा। नेट पास किए उम्मीदवार इसके लिए योग्य मानें जाएंगे। वहीं साल 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद बोकारो में हुए सिख दंगों के पीड़ितों को के बीच 1.20 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। इसका लाभ दंगा पीड़ित 24 परिवारों के परिजनों को मिलने वाला है।

अब दारोगा-इंस्पेक्टर भी कर सकेंगे एससी-एसटी मामलों का अनुसंधान

असिस्टेंट प्रोफेसर के लिए पीएचडी अनिवार्य नहीं, सिख दंगों के पीड़ितों को 1.20 करोड़ रुपये का होगा भुगतान

- अनुसंधान में लगने वाले डीएसपी की संख्या कम होने की वजह से लिया गया
- दंगा पीड़ित 24 परिवारों के परिजनों बीच किया जाएगा राशि का भुगतान

अब हर महीने परगनैत को मिलेंगे 3000 रुपये

कैबिनेट की बैठक में सरकार ने निर्णय लिया है कि राज्य के परगनैत को तीन हजार रुपए प्रतिमाह दिए जाएंगे। पहले सरकार ने एक हजार रुपए देने का निर्णय लिया था। इसके साथ ही सरकार ने हॉकी चैंपियनशिप के दौरान पुलिस के लिए खरीदे गए स्कॉरपियो के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 2.26 करोड़ रुपए की घटनोतर स्वीकृति दी है। वहीं झारखंड के विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत कॉलेजों में डिजिटल लैंग्वेज लैब को क्रियाशील करने के लिए सुयोग्य प्रशिक्षक (डिजिटल लैंग्वेज लैब) के कुल 26 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई। झारखंड अवर शिक्षा सेवा नियमावली 2023 के गठन की स्वीकृति दी गई। झारखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के गठन और श्रमिकों के हित में योजनाएं बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

इन प्रस्तावों पर भी कैबिनेट ने लगाई मुहर

- झारखंड वीमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और विभिन्न त्योहारों में विधि व्यवस्था के लिए खरीदे गये 12 वाहनों के लिए झारखंड आकस्मिकता निधि से 2.26 करोड़ की घटनोतर स्वीकृति।
- पलामू के हरिहरगंज पीएचसी की चिकित्सक डॉ लवलीन पांडेय को बर्खास्त करने की मंजूरी।
- झारखण्ड भूगर्भ जल सेवा नियमावली, 2023 के गठन के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई।
- झारखण्ड राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला सेवा नियमावली, 2019 (संशोधन सहित) में आवश्यक संशोधन की स्वीकृति दी गई।
- पथ प्रमंडल खूंटी अंतर्गत हटिया लोदमा कर्रा पर चौड़ीकरण, मजबूतीकरण और नवनीकरण के लिए 109.37 करोड़ की स्वीकृति।
- गुमला जिला के चैनपुर जारी पथ 10.1 किलोमीटर के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के लिए 29.60 करोड़ की स्वीकृति।
- स्वर्गीय रवि शंकर उपाध्याय, तत्कालीन पीठासीन पदाधिकारी, राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, रांची की चिकित्सा हेतु एयर एम्बुलेंस से रांची से हैदराबाद ले जाने में हुए व्यय के प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई।
- झारखंड अवर शिक्षा सेवा नियमावली, 2023 के गठन की स्वीकृति दी गई।

रजौरी में मुठभेड़ चार जवान शहीद

फायरिंग कर रहे आतंकी भी घायल, ऑपरेशन जारी

AGENCY JAMMU : जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बुधवार को आतंकवादियों एवं सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ में सेना के कैप्टन स्तर के दो अधिकारी और दो जवान शहीद हो गए। जबकि तीन अन्य जवान घायल हो गये। अधिकारियों ने बताया कि घायल जवानों को उपचार के लिये अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षाबलों ने मौके पर दो आतंकियों को घेर लिया है और भीषण मुठभेड़ जारी है। उन्होंने कहा कि आर्तकियों को मार गिराने के लिए और अधिक जवानों को भेजा गया है। मुठभेड़ के दौरान कैप्टन स्तर के दो अधिकारी और दो हवलदार शहीद हो गए। अधिकारियों ने कहा कि एक मेजर और दो जवान घायल हुए हैं। खबर लिखे जाने तक आतंकियों के साथ सुरक्षाबलों की मुठभेड़ जारी थी।

मुठभेड़ मे शहीद हुए जवान को ले जाते सुरक्षाबल।

सर्च ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी

पुलिस ने बताया कि धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की संयुक्त घेराबंदी एवं तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इलाके में सक्रिय आतंकवादियों का पता लगाने के लिए रविवार से ही घेराबंदी एवं तलाशी अभियान जारी है। एक ग्रामीण ने बताया, अभियान के कारण हमें घर पर ही रहने और बाहर न निकलने के लिए कहा गया था। हमारे बच्चे घर पर ही रहे और स्कूल नहीं गए। उन्होंने बताया कि गांव के नजदीक वन क्षेत्र में मुठभेड़ जारी है। श्रीनगर के बेमिना इलाके से सुरक्षा बलों ने आतंकवादी संगठनों से जुड़े दो संदिग्ध लोगों को पकड़ा है और उनके पास से हथियार एवं विस्फोटक बरामद किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया , दोनों संदिग्ध कुपवाड़ा जिले के रहने वाले हैं। उन्हें मंगलवार रात को श्रीनगर के बटमालू में बेमिना में जांच के दौरान पकड़ा गया। उनके पास से हथियार एवं विस्फोटक भी बरामद हुए। उन्होंने बताया कि बरामद किए गए हथियारों में दो पिस्तौल और 10 ग्रेनेड शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संदिग्धों से सुरक्षा बल पूछताछ कर रहे हैं।

हेमंत सोरेन ने केंद्र व उत्तराखंड सरकार को कटघरे में किया खड़ा

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उत्तराखंड टनल हादसे को लेकर उत्तराखंड सरकार के साथ-साथ केंद्र सरकार को भी कटघरे में खड़ा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टनल में फंसे मजदूरों के प्रति सरकार की जो संवेदनाएं होनी चाहिए, वह नहीं दिख रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के अधिकारी तो उत्तराखंड में बैठे हुए हैं और इंतजार कर रहे हैं कि मजदूर कब निकलें और वे उन्हें लेकर झारखंड आएं। कहा कि चिंता इस बात की है कि इस तरह की परियोजनाओं में सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम होना चाहिए, जो उत्तराखंड में नहीं किया गया था।

टनल में 50 मीटर हुई ड्रिलिंग, आज सुबह तक बाहर आ सकते 41 मजदूर

AGENCY UTTERKASHI : उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिल्क्यारा टनल में 11 दिन से फंसे 41 मजदूरों के जल्द बाहर निकलने की उम्मीद नजर आ रही है। टनल के एंट्री पॉइंट से अमेरिकी ऑगर मशीन करीब 50 मीटर तक 800 एमएम (करीब 32 इंच) का पाइप ड्रिल कर चुकी है। अब करीब 10 मीटर की ड्रिलिंग बाकी है, जिसके गुरुवार सुबह तक पूरा होने की उम्मीद है। मजदूरों को बाहर निकालने के बाद 41 एंबुलेंस में चिल्यानीसौड़ जिला अस्पताल ले जाया जाएगा। यहां 41 बेड का हॉस्पिटल रेडी है। जरूरत पड़ी तो मजदूरों को एयरलिफ्ट कर ऋषिकेश एम्स ले जाया जाएगा। ड्रिलिंग कंप्लीट होने के मद्देनदर एनडीआरएफ की 15 सदस्यीय टीम ने हेलमेट, ऑक्सिजन सिलेंडर, गैस कटर के साथ मोर्चा संभाल लिया है।

- 10 मीटर की ड्रिलिंग बाकी, 41 बेड का हॉस्पिटल रेडी, एयरलिफ्ट करने की भी तैयारी

विस सर्वोच्च पंचायत, इसे बचाना होगा : हेमंत

यहां झारखंड के जल, जंगल, जमीन और जीव जंतुओं के लिए भी बनती हैं नीतियां

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि विधानसभा राज्य का सर्वोच्च पंचायत है। ये महापंचायत मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे से भी ऊपर है। यहां पर न सिर्फ राज्य के आम लोग, बल्कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और जीव जंतुओं के लिए भी नीतियां बनती हैं। हजारों-लाखों लोग काफी उम्मीद के साथ अपना एक प्रतिनिधि यहां भेजते हैं, जो प्रतिनिधि विधानसभा में पहुंचते हैं, वे उन लोगों की आवाज बनते हैं, जिनके साथ में कभी रहे नहीं और जिससे कभी मिले नहीं। हमें हर हाल में इस महापंचायत को टूटने, ढहने और नुकसान पहुंचने से बचना होगा।

मुख्यमंत्री विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस पर बुधवार को समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यहां से नीतियां बनती हैं। विधेयक पारित किए जाते हैं। यहां आम जनता के अलावा राज्य के जीव जंतुओं के लिए भी विचार विमर्श होता है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि विधानसभा, लोकसभा और राज्य सभाओं का महत्व क्या है। उन्होंने कहा कि जो भी यहां पहुंचते हैं, उन्हें हजारों-लाखों लोग मिलकर अपना एक

दीप जलाकर विस स्थापना दिवस कार्यक्रम का उद्घाटन करते सीएम-राज्यपाल

घुसपैठियों का पता लगाना संभव या नहीं : HC

संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से किया सवाल

SPECIAL REPORTER RANCHI : संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर डेनियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को झारखंड हाइकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने केंद्र सरकार के अधिवक्ता प्रशांत पल्लव से पूछा है कि वह सरकार से इंस्ट्रक्शन लेकर बताएं कि केंद्र व राज्य सरकार के अधिकारियों की टीम बनाकर साहिबगंज, पाकुड़, दुमका, गोड्डा व जामताड़ा आदि क्षेत्र में अवैध प्रवासी (बांग्लादेशी घुसपैठियों) का पता लगाना संभव है या नहीं। कोर्ट ने मामले में केंद्र सरकार को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 13 दिसंबर निर्धारित की है। हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने मामले की सुनवाई की। दरअसल, पूर्व में कोर्ट ने गृह मंत्रालय से पूछा था कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए प्रवेश कर रहे हैं बताएं, इसे रोकने के लिए क्या किया जा रहा है। केंद्र सरकार की ओर से अधिवक्ता प्रशांत पल्लव ने पैरवी की।

क्या है याचिका में

प्रार्थी ने याचिका में कहा है कि जामताड़ा, पाकुड़, गोड्डा, साहिबगंज आदि झारखंड के बॉर्डर इलाके से बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं। इससे इन जिलों में जनसंख्या में कुप्रभाव पड़ रहा है। इन जिलों में बड़ी संख्या में मदरसा स्थापित किया जा रहा है। साथ ही स्थानीय ट्राइबल के साथ वैवाहिक संबंध बनाया जा रहा है। प्रार्थी ने मांग की है कि इस मामले में भारत सरकार का गृह मंत्रालय रिपोर्ट दाखिल करे और बताए कि झारखंड के बॉर्डर इलाके से कैसे बांग्लादेशी घुसपैठिए झारखंड आ रहे हैं और उनके द्वारा झारखंड में कैसे लोगों को गुमराह कर वैवाहिक संबंध स्थापित किया जा रहा है।

कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा सेवाएं भारत ने किया बहाल

NEW DELHI : भारत ने बुधवार से कनाडाई नागरिकों के लिए ई-वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। सरकारी सूत्रों ने पुष्टि की है। कनाडा के अपनी धरती पर खालिस्तानी आतंकवादियों को पनाह देने और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के कारण भारत ने वीजा सेवाएं निलंबित कर दी थीं। इससे पहले भारत ने पिछले महीने कनाडा में भारतीय दूतावास और महावाणिज्य दूतावास से कुछ श्रेणियों में वीजा सेवायें बहाल की थीं। उस समय कनाडा में भारतीय उच्चायोग की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि हाल में कनाडा की ओर से किए गए उपायों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के बाद 26 अक्टूबर से प्रवेश, बिजनेस, मेडिकल और सम्मेलन के लिए वीजा सेवाओं को फिर से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। उल्लेखनीय है कि कनाडा के नागरिकों के लिए भारत ने प्रवेश संबंधी वीजा सेवाओं पर 21 सितंबर को अस्थाई रोक लगाने का कदम उठाया था। भारत ने कनाडा से दो टूक शब्दों में कहा था कि वह आतंकवादियों को सुरक्षित पनाह न दे तथा कनाडा में भारतीय राजनयिक मिशनों और राजनयिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। इसका कारण स्पष्ट करते हुए विदेश मंत्रालय ने कहा था कि कनाडा में भारतीय उच्चायोग और वाणिज्य दूतावासों को सुरक्षा संबंधी चिंता का सामना करना पड़ रहा है। इससे उनका सामान्य कामकाज प्रभावित हुआ है। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो ने भारत की विदेश खुफिया एजेंसी रॉ पर कनाडा में रह रहे खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप मढ़ने की कोशिश की थी।

ईडी कार्यालय नहीं पहुंचे साहिबगंज एसपी, पुलिस मुख्यालय से मांगा सुझाव

CRIME REPORTER RANCHI : साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम बुधवार को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय नहीं जाएंगे। सूत्रों ने बताया कि नौशाद आलम की ओर से ईडी को पत्र भेज कर दूसरी तारीख मांगी गई है। यह लिखा गया है कि उन्होंने पुलिस मुख्यालय से मामले को लेकर सुझाव मांगा है। ऐसे में उन्हें कुछ दिनों का समय दिया जाए और पूछताछ के लिए दूसरी तिथि निर्धारित की जाए। इससे पूर्व एसपी नौशाद आलम को ईडी ने 10 नवम्बर को समन भेजकर 22 नवम्बर को रांची के हिनू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ के लिए हाजिर होने का निर्देश दिया था। उन पर अवैध खनन मामले में ईडी के गवाह रहे विजय हांसदा को दिल्ली जाने के लिए टिकट की व्यवस्था करने और उनको भड़काने का आरोप है। ईडी ने जांच में पाया था कि विजय हांसदा को सुप्रीम कोर्ट में चल रहे मामले में अपना पक्ष रखने के लिए दिल्ली जाना था। एसपी नौशाद आलम के कहने पर एक पुलिस अधिकारी ने ट्रेवल एजेंट के माध्यम से विजय हांसदा के लिए टिकट की व्यवस्था की थी। विजय हांसदा ने नींबू पहाड़ पर अवैध खनन के आरोप में पंकज मिश्रा सहित अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी थी।

ईडी ने भेजा दूसरा समन, 28 को बुलाया

साहिबगंज के एसपी नौशाद आलम को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को दूसरा समन भेज दिया है। उन्हें अब 28 नवंबर को बुलाया गया है। जानकारी के मुताबिक, नौशाद आलम ने ईडी के गवाह रहे विजय हांसदा मामले में अपनी कोई भी गलत भूमिका होने से इनकार किया है। पुलिस मुख्यालय को नौशाद आलम के द्वारा यह बताया गया है कि साहिबगंज पुलिस ने विजय हांसदा को कोर्ट के निर्देश के बाद बॉडीगार्ड उपलब्ध करवाया था। जब नौशाद आलम ने साहिबगंज एसपी का पदभार ग्रहण किया, उसके बाद विजय हांसदा ने सुप्रीम कोर्ट में एक केस के सिलसिले में बॉडीगार्ड के साथ दिल्ली जाने को लेकर आवेदन दिया था। दिल्ली जाने के दिन दिन रविवार था और ऐसे में रेल वारंट नहीं मिल पाया।

गाजा में बंधक बनाए गए 50 बंधकों की रिहाई पर आयोजित जी20 वर्चुअल समिट में बोले पीएम मोदी

डीपफेक समाज के लिए खतरा, आतंकवाद अस्वीकार्य

AGENCY NEW DELHI : गाजा में बंधक बनाए गए 50 बंधकों की रिहाई पर आयोजित जी20 वर्चुअल समिट के दौरान पीएम मोदी ने कहा, आज हमारा एक साथ आना इस बात का प्रतिक है कि हम सभी मुद्दों के प्रति संवेदनशील हैं और इसके समाधान के लिए एक साथ खड़े हैं। आतंकवाद हम सभी को अश्विकार्य है। नागरिकों की मौत कहीं भी हो निंदनीय है। पीएम मोदी ने कहा, हम बंधकों की रिहाई की खबर का स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि सभी बंधकों को जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा।

जी20 वर्चुअल समिट के दौरान संबोधित करते पीएम मोदी।

संबोधन की खास बातें

- पश्चिम एशिया में असुरक्षा और अस्थिरता हम सभी के लिए चिंता का विषय
- आतंकवाद हम सभी के लिए अस्वीकार्य है; आम नागरिकों की मृत्यु, चाहे कहीं भी हो, निंदनीय है
- हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि इजराइल हमास संघर्ष क्षेत्रीय संघर्ष में न बदले।
- कृत्रिम मेधा (एआई) लोगों तक पहुंचनी चाहिए और समाज के लिए सुरक्षित होनी चाहिए। दुनियाभर में एआई के नकारात्मक उपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं।
- भारत की सोच स्पष्ट है, हमें एआई के वैश्विक नियमन पर मिलकर काम करना होगा।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि केस के पक्षकार ने पीएम को खून से लिखी चिट्ठी

MATHURA : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गुरुवार को मथुरा दौरे के मद्देनजर श्रीकृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के अध्यक्ष फलाहारी दिनेश शर्मा ने खून से प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने मांग की है कि अपने दौरे में प्रधानमंत्री प्राचीन कृष्ण मंदिर जाकर असली गर्भगृह में पूजा करें। इसके साथ ही मुगल शासकों ने अतिक्रमण करके जहां पर निर्माण किया था उस स्थान को सील करवाएं। दिनेश शर्मा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले में पक्षकार भी हैं। दिनेश शर्मा ने पत्र में अंदेशा जताया कि कृष्ण जन्मभूमि मंदिर के प्राचीन साक्ष्यों को ईदगाह कमेटी के लोग नष्ट करने में लगे हुए हैं। इसके मद्देनजर भी सीलिंग की कार्रवाई करना बहुत जरूरी है। दिनेश शर्मा लगभग 3 वर्ष से जूता-चप्पल नहीं पहनते हैं और अभी उन्होंने कुछ दिन पहले अन्न त्यागने का भी फैसला लिया था। उनका संकल्प है कि जब तक श्रीकृष्ण जन्मस्थान से मस्जिद नहीं हट जाएगी तब तक वह अन्न ग्रहण नहीं करेंगे।

BRIEF NEWS

दो बाइक की सीधी टक्कर, पांच युवक घायल

LATEHAR : मनिका थाना क्षेत्र के सिंजो ग्राम में भाजपा नेता पंकज यादव के घर के समीप बुधवार सुबह दस बजे दो बाइक की सीधी टक्कर हो गयी। इस हादसे में बाइक में सवार पांच युवक घायल हो गये। इनमें चार की गंभीर चोट लगी है। घटना की सूचना मिलने पर मनिका थाना के एसआई नीरज कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने एंबुलेंस से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनिका पहुंचाया, जहां डॉ उमेश कुमार ने घायलों का प्राथमिक उपचार किया। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए सभी को लातेहार सदर अस्पताल रेफर कर दिया।

शिक्षा से होगा समाज का विकास : रहमानी

RANCHI : रहमानी एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट के सात साल पूरे होने पर एक मुख्य बैठक की गई। इस अवसर पर रहमानी ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मो. मीकाईल रहमानी ने ये कहा कि रहमानी ट्रस्ट 7 साल के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में कई कामों को अंजाम दे रहा है। वैसे बच्चे जो शिक्षा से दुर थे, उन्हें शिक्षा से जोड़ने का काम किया गया। चूंकि शिक्षा से ही समाज का विकास संभव है। रहमानी ट्रस्ट का भी यही उद्देश्य है। इसके एलावा रहमानी ट्रस्ट का शिक्षा के लिए जहां कहीं भी जरूरत पड़ी वहां रहमानी ट्रस्ट उसके साथ हमेशा खड़ी रहेगी। इस अवसर पर मिन्नतुल्ला साहब ने कहा के रहमानी ट्रस्ट की एक मुख्य बात यह है कि हर बच्चे शिक्षा पा रहे हैं और सभी धर्म के लोगें को ट्रस्ट अपने साथ मिलकर काम कर रहा जो प्रशंसनीय है। इस अवसर पर उपस्थित हाफिज मो. इजराईल हुसैनी, छोटू, मौलाना जिबरईल रहमानी, बासित अली, मो. मोकब्बिर, चंदन कुमार, शंकर यादव, गौरव कुमार सहित कई उपस्थित रहे।

उत्तराखंड के टनल में फंसे मजदूरों के स्वजनों से मिले विधायक कोचे मुंडा

KHUNTI : उत्तराखंड के उत्तर काशी में सुरंग (टनल) ढहने से फंसे 41 मजदूरो में तोरपा विधानसभा क्षेत्र के भी दो मजदूर शामिल हैं। तोरपा के विधायक कोचे मुंडा ने बुधवार को गुमडू गांव जाकर टनल में फंसे मजदूर विजय होरो(22) के पिता अर्जुन मुंडा और उनके स्वजनोंसे मुलाकात की। बाद में विधायक डुमारी गांव पहुंचे और उत्तर काशी के टनल में फंसे मजूदर चमरा उरांव(35) के पिता भक्तु उरांव से मुलाकात कर उनका हालचाल लिया और मजदूर के परिवार वालों को आश्वस्त किया कि टनल में एक्सपर्ट की टीम रेस्क्यू के लिए लगातार काम कर रही है। सभी मजदूर सकुशल वापस आएंगे। विधायक ने मजदूरों के परिजनों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।

आदर्श कॉलेज के प्राचार्य प्रो विमल कुमार को मिला छठा पेटेंट

GIRIDIH : आदर्श कॉलेज धनवार के प्राचार्य प्रो. डॉ. विमल कुमार मिश्र को दक्षिण की अफ्रीका सरकार से छठा पेटेंट मिला है। प्रो. मिश्र ने कोरोना जैसी महामारी का फैलाव रोकने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता के लिए एक एल्गोरिथम डेवलप किया था, जिसे साउथ की सरकान ने पेटेंट किया। यह प्रो. मिश्र का छठा पेटेंट हैं। इससे उन्हें ऑस्ट्रेलिया सरकार से 5 पैटेंट मिल चुके हैं। प्रो मिश्र का शोध क्षेत्र साइबर अटैक है। इनके 135 से अधिक शोधपत्र का प्रकाशन अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में हुआ है। 25 शोधार्थियों ने इनके सुपरविजन में पीएचडी का अध्ययन कार्य पूरा किया है। दो बार इनका नाम विश्व के सर्वश्रेष्ठ 2 प्रतिशत गणित वैज्ञानिकों में शामिल किया गया है। प्रो मिश्र लंदन के फेलो ऑफ रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी और फेलो ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स एंड एप्लीकेशन भी है। वह बिट्स पिलानी व बीआईटी मेसरा में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनकी इस सफलता पर आदर्श कॉलेज राजधनवार शिक्षकों ने उन्हें बधाई दी है।

पांच साइबर अपराधी गिरफ्तार

16 मोबाइल, 21 सिम, एक लैपटॉप, 25 हजार नकद और एक बाइक जब्त

PHOTON NEWS JAMTARA : जामताड़ा एसपी अनिमेष नैथानी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापामारी कर 5 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार कर लियाँ। साइबर डीएसपी मंजरूल होदा के नेतृत्व में मंगलवार की देर रात हुई छापेमारी में करमाटांड़ थाना क्षेत्र के लोहरबंधा, बरमुंडी, दुधानी व नारायणपुर थाना क्षेत्र के लोकनियां गांव से आरोपियों को पकड़ा गया। जबकि एक आरोपी भागने में सफल रहा। यह जनकारी एसपी अनिमेष नैथानी ने बुधवार को प्रेसवार्ता में दी। उन्होंने बताया कि लोहरबंधा गांव से सहादत अंसारी, बरमुंडी गांव से रिजवान अंसारी व राकेश कुमार मंडल, दुधानी गांव से विकास कुमार मंडल व नारायणपुर थाना क्षेत्र के लोकनिया गांव से अशोक कुमार दास को गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के पास से 16 मोबाइल फोन, 21 सिम कार्ड, एक लैपटॉप, 25 हजार रुपए नकद और एक बुलेट मोटरसाइकिल जब्त की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ जामताड़ा साइबर थाना में एफआईआर दर्ज की है।

मीडिया को जानकारी देते जामताड़ा एसपी। ● फोटोन न्यूज

यू-ट्यूब चैनल पर लोन दिलाने की वीडियो डालकर करते थे ठगी

एसपी ने बताया कि साइबर अपराधी यू-ट्यूब चैनल के ओनर्स को ई-मेल भेजकर सब्सक्राइबर बढ़ने पर भुगतान का झांसा देकर ओनर्स का मोबाइल नंबर व अन्य जानकारियां प्राप्त कर लेते थे। उसके बाद यू-ट्यूब चैनल का मोबाइल नंबर व ई-मेल आईडी बदलकर साइबर अपराधी खुद हैंडल करने लगते थे। वे यू-ट्यूब पर एयरटेल पेमेंट बैंक समेत अन्य बैंकों के कस्टमर केयर नंबर का शॉर्ट वीडियो बनाकर अपलोड कर देते थे।इसके बाद आये कॉल से फोन करने वाले की बैंक डिटेल प्राप्त कर ठगी करते थे।

आरोपियों का है पुराना आपराधिक इतिहास

एसपी ने कहा कि गिरफ्तार राकेश कुमार मंडल साइबर अपराध थाना कांड संख्या-21/18 के तहत 414/ 419/ 420/ 467/ 468/ 471/ 120(बी) एवं आईटी एक्ट की धारा 66 (बी)(सी)(डी) में चार्जशीटेड है। वहीं, विकास कुमार मंडल के विरुद्ध करमाटांड़ थाना में कांड संख्या-300/17 के तहत भादवि की धारा 414/ 419/ 420/ 467/ 468/ 471/ 120(बी) एवं आईटी एक्ट की धारा 66 (बी)(सी)(डी) के तहत चार्जशीट दाखिल किया गया है।

चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना

सात लाख के जेवरात समेत नगदी की चोरी

- परिवार के सभी लोग छठ मनाने गये थे सिमडेगा इसी दौरान चोरों ने किया हाथ साफ

PHOTON NEWS HAZARIBAGH : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत ओरियां गांव के जगृति चौक के पास स्थित एक बंद घर को चोरों ने अपना निशाना बनाया। चोरों ने मोहन कुमार के घर से सात लाख के जेवरात समेत नगद की चोरी कर ली। परिवार के सभी लोग छठ मनाने सिमडेगा गये थे। इसी दौरान चोरों ने अपना हाथ साफ कर लिया। हालांकि इसका खुलासा तब हुआ जब घर के सभी लोग मंगलवार की शाम छठ मनाकर घर लौटे। मोहन कुमार ने पाया कि घर के दरवाजा का लॉक टूटा हुआ है। समान भी बिखरा पडा है। जब घर के अंदर गये तो देखा कि अलमारी से सात लाख के जेवरात, उसके बिल समेत नगद गायब हैं। भुक्तभोगी मोहन कुमार ने मुफ्फसिल थाना में लिखित आवेदन के साथ प्राथमिकी दर्ज की है। उन्होंने पुलिस प्रशासन से चोरों को जल्द से जल्द पकड़ने और न्याय दिलाने का आग्रह किया है।

देवघर एयरपोर्ट पर तैनात पुलिस के जवान सहित छह पर एफआईआर

गाली-गलौज, मारपीट व रंगदारी का लगाया आरोप

PHOTON NEWS DUMKA : जिले के सरैयाहाट थाना में पदस्थापित एएसआई प्रदीप बाखला ने देवघर एयरपोर्ट पर पदस्थापित झारखंड पुलिस के जवान मृत्युंजय उर्फ राजू झा के ऊपर मारपीट, गाली-गलौच, एक लाख की रंगदारी सहित कई आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है।

आवेदन में एएसआई प्रदीप बाखला ने कहा है कि वे मंगलवार की शाम दुमका न्यायालय से बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान उनके आगे से जा रही सफारी वाहन के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसकी वजह से उनकी बाइक उक्त वाहन से सट गई। इसके बाद उक्त वाहन से तीन महिला व तीन पुरुष बाहर आये और उनके साथ गाली-गलौच करते हुए मारपीट करने लगे। सभी उनसे एक लाख रुपये की मांग करने लगे। मामले को लेकर सरैयाहाट पुलिस कांड संख्या 82/2023 आईपीसी की धारा 341, 323, 353, 504, 506 व 34 के तहत मामला दर्ज करते हुए अनुसन्धान में जुट गई है।

धीरेंद्र शास्त्री 10 को आयेंगे पलामू

PHOTON NEWS PALAMU : अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री तीन दिवसीय दौरे पर 10 दिसंबर को पलामू पहुंचेंगे। वे सदर प्रखंड अंतर्गत जोड़ खनवा उर्फ धंगरडीहा में आयोजित धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होंगे। कार्यक्रम को लेकर बुधवार की शाम खनवा में हनुमत पूजा का आयोजन किया गया। वहीं, पूज्य पंडित धीरेन्द्र शास्त्री के आयोजित कार्यक्रम को लेकर सदर एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने अनुमण्डल कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में एसडीओ ने सुरक्षा व्यवस्था सहित कार्यक्रम को लेकर पदाधिकारी को कई दिशा निर्देश दिए। बैठक में एसडीपीओ सुरजीत कुमार, सदर सीओ अमदीप सिंह बल्होत्रा, पाटन सीओ दीपक कुमार मिश्रा, शहर थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा, सदर थाना प्रभारी गौतम कुमार, अग्निशमन पदाधिकारी, आयोजनकर्ता श्री हनुमंत कथा समिति के नितेश सिंह, समिति अध्यक्ष शरद शरण, दीनानाथ राय, अतुल कुमार अखौरी आदि उपस्थित थे।

बैठक में शामिल सदर एसडीओ व अन्य। ● फोटोन न्यूज

डैम में कूद महिला ने की जान देने की कोशिश, नाविकों ने बचाया

महिला को बचाने के लिए डैम में जाते नाविक। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD : मैथन डैम के 1 नंबर बैरियर के पास मत्स्यगंधा नौका विहार के समीप बुधवार की सुबह एक महिला ने डैम में डूबकर आत्महत्या की कोशिश की। स्थानीय नाविकों व मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों के सहयोग से उसे बचा लिया गया। उसे डैम से निकालकर तत्काल डीवीसी के बीपी नियोगी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। अब वह खतरे से बाहर है।

महिला की पहचान मैथन एरिया छह निवासी गणेश सेन की पत्नी माया सेन (50) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि पारिवारिक कलह से तंग आकर महिला ने जान देने के लिए डैम के गहरे पानी में कूद गई थी। महिला पूरी तरह मौन है। वह इससे अधिक कुछ भी बता नहीं रही है।

इरबा में अजीमुशान जलसा का किया गया आयोजन

नेक काम करो, खुद को बदलो, समाज बदल जाएगा : मौलाना कारी अहमद

PHOTON NEWS RANCHI : अजीमुशान जलसा का आयोजन मंगलवार रात को अब्दुल कयूम अंसारी उर्दू मिडिल स्कूल ईरबा रांची में अनवार अहमद अंसारी उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की रहनुमाई में सफल आयोजन किया गया। जलसे की शुरूआत मौलाना गुलजार नदवी द्वारा पवित्र कुरान की तिलावत से हुई, कारी जान मुहम्मद कफलेतवी द्वारा नात की तिलावत की गई और जलसे का संचालन मुफ्ती वसीउर रहमान नदवी रहमानी कर रहे थे।

विशेष वक्ता दुनिया के जाने माने मशहूर वो मारूफ हजरत मौलाना कारी अहमद अली फलाही दमात बरकातहुम ने अपने रूहानी बयान में कहा कि जन्नत हम सभी के लिए बनाई गई है। अल्लाह एक ही है उसी से डरो जैसा उससे डरने का हुक्म है और वही खिलाता है वही जिंदगी देता है वही मारता तो हमें उसी की इबादत करनी चाहिए बिना इबादत के हम कामयाब नही होंगे अल्लाह को राजी करने हेतु नमाज कायम करो और बुराई से बचो। उन्होंने नौजवानों को समाज में व्यापक बुराई नशाखोरी, ड्रग, जिन्ना, शराबबंदी और मोबाईल से होने वाली बुराइयों को विस्तार से एक एक बिंदु पर उपस्थित जनसमूह को बुरे आदतों से छोड़ने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि मोबाईल में बुरे सॉफ्टवेयर को हटा दो आज बच्चे औरत मर्द मोबाइल के बुरे गिरफत में आ चुके है खुद को, घर को, समाज को बदलना है तो अपने आप को बदल डालो नेक काम करो खुद को बदलो समाज बदल जाएगा।

कार्यक्रम में शामिल मौलाना कारी अहमद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

ओल्ड पेंशन स्कीम की मांग को लेकर हुआ गुप्त मतदान

PHOTON NEWS LATEHAR : पुरानी पेंशन स्कीम की मांग को लेकर लातेहार रेलवे कर्मचारियों के बीच गुप्त मतदान कराया गया। लातेहार समेत अन्य रेलवे स्टेशनों में चलंत मतपेटी के माध्यम से गुप्त मतदान किया गया। रेलवे कर्मचारियों ने पुरानी पेंशन स्कीम का समर्थन किया और अपनी इच्छा की अभिव्यक्ति के लिए गुप्त मतदान किया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों में खासा उत्साह देखा गया। इसीआरकेयू, बरकाकाना के कार्यकारी अध्यक्ष रंधीर कुमार ने बताया कि रेलकर्मी समेत सभी सरकारी औद्योगिक संस्थानों के कर्मचारियों द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल के लिए 21 व 22 नवंबर को गुप्त मतदान कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली को लेकर संयुक्त मंच ने की बीते दस अगस्त को दिल्ली में बैठक आयोजित की थी। इस बैठक में उक्त गुप्त मतदान कराने का निर्णय लिया गया था। मतदान के आधार पर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर अनिश्चित हड़ताल की तिथि तय की जायेगी।

निर्णय नहीं हुआ तो रेलवे कर्मचारी करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल : रंधीर कुमार ने कहा कि पुराना पेंशन सरकारी कर्मचारियों का हक व अधिकार है और इसे हर हाल में लिया जायेगा। सरकारी कर्मचारियों में अपनी सामाजिक सुरक्षा के लिए पुरानी पेंशन बहाल कराने की मांग को लेकर आक्रोश है और वे हर कुबार्नी देने के लिए तैयार हैं। यह मजदूरों के हक व अधिकार की लड़ाई है। सरकार को इसपर कोई निर्णय लेना होगा, नहीं तो रेलवे कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल करेंगे। उन्होंने बताया कि मतदान के बाद मतगणना किया जायेगा और परिणाम जोनल कमिटी को भेजा जायेगा। मतदान के दौरान रेलवे कर्मचारियों ने न्यू पेंशन स्कीम गो बैक के नारे लगाये और पुरानी पेंशन स्कीम लागू कराने की मांग की।

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक मामलों का निष्पादन करायें : प्रधान जिला जज

PHOTON NEWS KHUNTI : व्यवहार न्यायालय परिसर में आगामी नौ दिसंबर को आयोजित होनेवाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर बुधवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष सत्य प्रकाश की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के अधिकारी शामिल हुए। प्रधान जिला जज ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय लोग अदालत में अधिक से अधिक वादों का निष्पादन करने में सहयोग करें।

उन्होंने कहा कि वैसे लोग जिनका मामला न्यायालय में लंबित है और वाद सुलहनीय है, वे भी अपने वादों का निष्पादन करा सकेंगे। प्रधान जिला जज ने लोगों से अपील की कि वे मामले के निष्पादन के लिए व्यवहार न्यायालय अवश्य पहुंचे और न्यायालय में चल रहे लंबित मामलों का जल्द से जल्द निष्पादन करायें। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य दिवस में व्यवहार न्यायालय आकर ऐसे मामलों का निष्पादन कराया जा सकता है।

बैठक में शामिल प्रधान जिला जज व अन्य अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में महिला का पैर फिसला, आरपीएफ के जवानों ने बचाई जान

PHOTON NEWS PALAMU : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) जवानों की तत्परता से एक अधेड़ महिला की जान बच गयी। महिला चलती ट्रेन से डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर उतरने की कोशिश कर रही थी। लेकिन फंसकर रह गयी। जवानों ने दौड़ लगाकर महिला को प्लेटफार्म पर खींचा। यह पूरा घटनाक्रम स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया है। महिला की पहचान गढ़वा जिले के सेमौरा गांव की रहने वाली मीरा देवी के रूप में हुई है।

बताया जाता है कि बुधवार को बरकाकाना-वाराणसी पैसेंजर ट्रेन 03359 सुबह 10.3 बजे डालटनगंज रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। 10.7 बजे ट्रेन खुल गयी थी। चलती ट्रेन से महिला उतरने की कोशिश कर रही थी और उतर नहीं पाने के कारण उसके शरीर का अधिकांश हिस्सा प्लेटफार्म पर घिसटाने लगा था। जवानों ने जब महिला को इस हालत में देखा तो उसने तेज दौड़ लगायी और अन्य यात्रियों एवं एक अन्य जवान की मदद से महिला की जान बचाई। महिला को किसी तरह की गंभीर चोट नहीं लगी है।

महिला की जान बचाने वाले जवान अर्जुन प्रसाद और श्रीनाथ राम हैं। आरपीएफ इंस्पेक्टर बनारसी यादव ने बताया कि दोनों जवानों ने सुझ बूझ दिखाते हुए और बहादुरी से महिला यात्री की जाना बचाई।

महिला से पूछताछ करता आरपीएफ का जवान। ● फोटोन न्यूज

प्रिया के दोबारा तरहसी प्रमुख बनने पर निकला विजय जुलूस, पांकी विधायक हुए शामिल

पैसे के बल पर पद से हटाने का मंसूबा विफल : विधायक

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के तरसही प्रखंड प्रमुख के पद पर दोबारा प्रिया कुमारी के विराजमान होने पर बुधवार को विजय जुलूस निकाला गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि पांकी के विधायक डा. शशिभूषण मेहता शामिल हुए। बैंड बाजे के साथ विजय जुलूस तरहसी के अंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर बेदानी शहीद मंगल पांडे चौक होते हुए सुभाष चौक से आगे तक निकाला गया। सभी जगह फुलमाला पहनाकर प्रमुख, पांकी विधायक, प्रमुख पति एवं अन्य का स्वागत किया गया। इस क्रम में बम पटाखे भी फोड़े गए।

पांकी विधायक डा. शशिभूषण मेहता ने कहा कि रजक परिवार से आने वाली गरीब की बेटी जैसे ही प्रमुख पद पर बैठी उसे हटाने की साजिश रची जाने लगी। पैसे के बल पर हटाने का प्रयास किया गया। इसके पीछे पैसे वाले कांग्रेसी शामिल थे। लेकिन साजिश रचने वालों का मुंह काला हुआ है। पंसस के तत्कालीन पीठासीन पदाधिकारी सह सदर अनुमंडल पदाधिकारी राजेश साह को प्रभावित कर सारा खेल हुआ, लेकिन निर्वाचन आयोग ने पूरा न्याय दिया।

तरहसी प्रमुख प्रिया कुमारी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित प्रक्रिया चार महीने तक चली। इस दौरान जनहित के कार्य नहीं हो पाए। इसकी शुरूआत तीन जुलाई 2023 से हुई। 14 नवम्बर तक यह कार्रवाई चली। शुरूआत में उदयपुर वन की पंचायत समिति सदस्य शकुंतला देवी ने अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आवेदन दिया था। इसके आलोक में 18 जुलाई को पहला प्रपत्र ख गठित कर परिचर्चा सह मतदान की तिथि निर्धारित की गई थी। पीठासीन पदाधिकारी ने इसे स्वीकृत करते हुए 25 जुलाई को परिचर्चा सह मतदान की तिथि निर्धारित की गई थी।

इस बीच प्रमुख प्रिया कुमारी द्वारा त्यागपत्र देने की बात कहने पर पुनः 11 जुलाई को आवेदन देकर 25 जुलाई तक अविश्वास प्रस्ताव पर रोक लगाने के लिए आवेदन दिया गया। जब प्रमुख द्वारा त्यागपत्र नहीं दिया गया तो पुनः 26 जुलाई को अविश्वास प्रस्ताव कानून लागू करने के लिए आवेदन दिया गया। पीठासीन पदाधिकारी ने बताया था कि 25 अगस्त को इस सिलसिले में निर्वाचन आयोग से मार्गदर्शन मांगा गया है। इसके बाद एक सितंबर को प्रपत्र क भाग एक के माध्यम से पीठासीन पदाधिकारी ने चार सितंबर को दूसरी तिथि निर्धारित कर परिचर्चा सह मतदान की तिथि 14 सितंबर को निर्धारित की थी।

विजय जुलूस में शामिल प्रिया कुमारी, पांकी विधायक व अन्य। ● फोटोन न्यूज

असत्य पर सत्य की हुई जीत : प्रिया

मौके पर प्रमुख प्रिया कुमारी ने कहा कि एक साजिश के तहत योजनाओं में मनमानी बरतने का आरोप लगाकर उसे पद से अपदस्त करने की साजिश रची गयी थी, लेकिन सभी के सहयोग से साजिश को बेनकाब किया गया। असत्य पर सत्य की जीत हुई। उनके खिलाफ लगाए गए तमाम आरोप बेबुनियाद थे और सारा खेल पैसे के कारण हुआ। बचा हुआ कार्यकाल बेहतर करने के लिए प्रयास रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि पांच वर्ष में कोई भी बच्चा सारा कुछ सीख नहीं जाता है। सीखने और समझने के लिए समय लगता है।

कांके प्रखंड-अंचल कर्मियों के खिलाफ आंदोलन के मूड में जनप्रतिनिधि

PHOTON NEWS RANCHI : कांके प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा और उप प्रमुख अंजय बैठा ने बुधवार को कांके प्रखंड के सभागार में प्रखंड के सभी पंचायत समिति सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान मौके पर मौजूद जनप्रतिनिधियों ने प्रखण्ड प्रमुख और उप प्रमुख के समक्ष विकास योजनाओं से संबंधित समस्याओं को रखा।

मौके पर मौजूद कुछ जनप्रतिनिधियों ने प्रखण्ड और अंचल के कर्मियों और अधिकारियों के कार्यशैली से नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि, कार्यालय में जनप्रतिनिधियों का कोई सम्मान नही है। जनप्रतिनिधि जनता की समस्या को ले कर प्रखंड और अंचल के कार्यालय आते है लेकिन यहां के कर्मी जनप्रतिनिधियों से भी टरकाते रहते है। यहां तक कि उन्हें बैठने तक का नही पूछा जाता है। प्रखंड प्रमुख सोमनाथ मुंडा और उप प्रमुख अंजय बैठा ने भी इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि कोई भी जनप्रतिनिधि गांव की सरकार होती है। जनता की समस्या का निष्पादन करना उनकी जिम्मेदारी होती है। ऐसे में अगर जनप्रतिनिधियों की बात अधिकारी नही सुनेंगे तो सरकार की योजनाओं का लाभ कैसे धरातल पर उतरेगी। अधिकारी और कर्मी अपनी कार्यशैली को सुधार करें, जनप्रतिनिधियों को सम्मान दें अन्यथा प्रखंड के सभी जनप्रतिनिधि प्रखंड सह अंचल कार्यालय में धरना दे कर अधिकारियों और कर्मियों का विरोध करेंगे।

बैठक में शामिल जनप्रतिनिधि। ● फोटोन न्यूज

BRIEF NEWS

रिम्स परिसर में चला अतिक्रमण मुक्त अभियान

RANCHI : रांची नगर निगम की टीम ने रिम्स परिसर में स्थित आश्रयगृह के आसपास के स्थानों को अतिक्रमण मुक्त कराया। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने बताया कि एक दिन पहले माइकिंग कर अतिक्रमण किए गए स्थानों को खाली करने का निर्देश दिया गया था। जिसके बाद बुधवार की सुबह 26 से ज्यादा दुकानों को हटाया गया। जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि रिम्स में 50 बेड का आश्रयगृह बना हुआ है। लेकिन उसके गेट के आसपास के खाली जगह में स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण कर लिया है। लोग अपने हिसाब से वहां छोटी-छोटी दुकान खोलकर बैठे हैं। जिससे इलाज के लिए रिम्स आने वाले लोगों को आश्रयगृह खोजने में दिक्कत आ रही थी। लोगों ने इसकी शिकायत की तो निगम की टीम ने वहां पहले जांच की। फिर आश्रयगृह के आसपास किए गए अतिक्रमण को टीम ने खाली कराया।

हत्या के आरोपी की तलाश में हुई छापेमारी

RANCHI : नगड़ी इलाके में छह हजार रुपये के लिए होटल संचालक शमशुल की हत्या कराने वाला मुख्य आरोपी आर्यन पुलिस की पकड़ से दूर है। नगड़ी थाना की पुलिस ने बुधवार को कई इलाकों में छापेमारी किया लेकिन आर्यन के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। पुलिस आर्यन के घरवालों पर दबाव बना रही है लेकिन आर्यन के बारे में पुलिस को जानकारी नहीं मिल पा रही है। पुलिस इस हत्याकांड में अभी तक पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस ने आरोपी शशि गोप और बाबी को गिरफ्तार कर आर्यन के बारे में जानकारी लिया था। लेकिन दोनों आरोपियों ने आर्यन का ठिकाना पुलिस को बताया था लेकिन आर्यन वहां भी नहीं मिला। हालांकि पुलिस दावा कर रही है कि जल्द ही आर्यन को पकड़ लिया जाएगा। पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों ने बयान दिया है कि होटल संचालक को मात्र छह हजार रुपये के लिए मार दिया गया। आर्यन संचालक से बार बार पैसा मांग रहा था लेकिन वह पैसा नहीं लौटा रहा था।

नक्सलियों की 22 दिसंबर को भारत बंद की घोषणा

RANCHI : अपने खिलाफ चल रही पुलिस कार्रवाई के विरोध में नक्सलियों ने भारत बंद का ऐलान किया है। भाकपा माओवादियों के केंद्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने पत्र जारी कर भारत बंद की घोषणा की है। जिसके मुताबिक नक्सली संगठन की तरफ से 16 से 21 दिसंबर तक देशव्यापी प्रचार अभियान चलाया जाएगा और 22 दिसंबर को भारत बंद किया जाएगा। भाकपा माओवादियों द्वारा जारी पत्र में आरोप लगाया गया है कि नक्सल मुक्त झारखंड के नाम पर केंद्रीय बलों के साथ मिलकर झारखंड पुलिस आदिवासी बहुल इलाकों में अत्याचार कर रही है। अगस्त 2022 से लेकर अब तक लगातार लाल दस्ते पर हमले किए जा रहे हैं। इन हमलों में उसके साथियों को पकड़ कर मारा जा रहा है। प्रचार अभियान के बाद संगठन ने तय किया है कि 22 दिसंबर को भारत बंद किया जाएगा। हालांकि दूध, एम्बुलेंस जैसी सभी आवश्यक सेवाएं बंद से मुक्त रखी गई हैं। पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार बंद से निपटने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी।

30 से नेशनल साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन

RANCHI : रांची के खेल गांव स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 30 नवंबर से 4 दिसंबर तक 75वां सीनियर, 52वां जूनियर और 28वां सब जूनियर नेशनल साइकिलिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया जाएगा। साइकिलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन सह एशियाई साइकिलिंग कॉन्फेडरेशन के सेक्रेटरी सरदार ओंकार सिंह ने बुधवार को रांची के प्रेस क्लब में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसकी जानकारी दी। सरदार ओंकार सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर से 26 टीमों के 500 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। वहीं झारखंड के 30 खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में अपनी दावेदारी पेश करेंगे।

atomy
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

झारखंड विस स्थापना दिवस : राज्यपाल ने उत्कृष्ट विधायक मिथलेश और कर्मियों को किया सम्मानित

दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करना होगा : राज्यपाल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस समारोह में बुधवार को इस साल के सर्वश्रेष्ठ विधायक रामचंद्र सिंह को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही विधानसभा के उत्कृष्ट कर्मियों संयुक्त सचिव मिथलेश कुमार मिश्र, अवर सचिव विष्णु पासवान, प्रशाखा पदाधिकारी निलेश कुमार सिंह व नियाज अहमद, वरीय सचिवालय सहायक तापस कुमार यादव और अनुसेवक माइकल लकड़ा को भी सम्मानित किया गया।

सर्वश्रेष्ठ विधायक रामचंद्र सिंह को बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक के सम्मान से सम्मानित करते राज्यपाल।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सभी को प्रशस्ति पत्र, शॉल तथा मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उत्कृष्ट विधायक को 51 हजार रुपये और प्रत्येक चयनित पदाधिकारी एवं कर्मी को 21 हजार रुपये की सम्मान राशि दी गयी। इस मौके पर स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने अपील की कि हम सब पक्ष और विपक्ष के लोग अपने अंतर्विरोधों को भूलकर देश और राज्य को विकसित करने का संकल्प लें।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सबसे पहले झारखंड के गठन के लिए पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह खुशी की बात है कि झारखंड के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष दोनों युवा शक्ति के प्रतीक हैं। दोनों काफी ऊर्जावान हैं और दोनों बेहतर कार्य करेंगे। राज्यपाल ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं है। हमें लोगों की भलाई के लिए सोचना है। झारखंड विधानसभा को देश के अन्य विधानसभाओं से श्रेष्ठ बनने के लिए हमें दलगत भावना से ऊपर उठकर काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि मैंने भी उस वक्त लोकसभा के सदस्य के रूप में मतदान किया था और मुझे इस बात का गर्व है। झारखंड विधानसभा का गौरवशाली इतिहास रहा है झारखंड विधानसभा के द्वारा हर वर्ष अपने स्थापना दिवस के तौर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता रहा है। पहले यह सभा एचईसी भवन से संचालित होता था। अब झारखंड का अपना विधानसभा भवन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ से इस मंदिर का उद्घाटन हुआ है। मैं इसके लिए उनका आभार व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि सदन में हम सभी को अपनी-अपनी ड्यूटी निभानी चाहिए। एक सोच के साथ सिर्फ विकास पर हमें फोकस रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव को हम नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह लोकतंत्र का एक हिस्सा है। यह बहुत खुशी की बात है कि हमारे झारखंड के मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष दोनों युवा शक्ति के प्रतीक है। दोनों बहुत ही ऊर्जावान हैं। दोनों अपने-अपने युवा शक्ति के साथ बेहतर काम करेंगे ऐसी ही हमारी कामना है। उन्होंने कहा कि हमारा राज्य प्राकृतिक संपदाओं से परिपूर्ण है और इससे विकास की अभूतपूर्व संभावना पैदा होती है। हमें राज्य की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए सभी को संवेदनशील और सक्रिय होना होगा, ताकि विकास का लाभ सभी तक पहुंचे।

जवानों के परिजनों सहित अन्य भी सम्मानित

उत्कृष्ट विधायक व कर्मियों के अलावा पुलिस और सेना के शहीद जवानों के परिजनों को भी सम्मानित किया गया। मैट्रिक और इंटर के टॉपरों, खिलाड़ियों और समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया।

इन्हें किया गया सम्मानित

- शहीद अमर कुमार
- शहीद कुमार गौरव
- सलीमा टेटे, खिलाड़ी
- निक्की प्रधान, खिलाड़ी
- अंकिता भगत, खिलाड़ी
- शशि शेखर, पर्वतारोही
- पंकज कुमार, पर्वतारोही
- चामी मुर्मु, महिला सशक्तिकरण के लिए
- छुटनी महतो, सामाजिक कार्यकर्ता
- आलोक चौधरी, विज्ञान संचार के लिए
- आलोक दुबे, शिक्षा में जागरूकता के लिए

दसवीं, इंटर और नीट के टॉपर्स को भी सम्मान

- कशिश परवीन
- दिव्या कुमारी
- श्रृष्टि कुमारी
- श्रेया सोनगिल
- राखी कुमारी
- शुभांगिनी
- आस्था अग्रवाल
- हिमांशु रंजन तिवार
- खुशबू कुमारी
- सुमित बेरा
- असद अली जाफरी

पिछले चार सालों में लिए गए कई अहम निर्णय : स्पीकर

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के 23वें स्थापना दिवस के मौके पर बुधवार को आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए स्पीकर रविंद्रनाथ महतो ने कहा कि पिछले चार वर्षों में झारखंड विधानसभा में तीन ऐतिहासिक विधायी कार्य हुए हैं, जिसके लिए पांचवीं झारखंड विधानसभा को झारखंड के राजनैतिक इतिहास में लंबे समय तक याद किया जायेगा। झारखंड वासियों की अस्मिता के प्रश्न को ध्यान में रखते हुए सदन के विशेष सत्र में सरना धर्म कोड को पास किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम था, जिसपर इस सदन ने पक्ष-विपक्ष के अंतर को भूलकर सर्वसम्मति से उसे पास किया था। स्पीकर ने कहा कि झारखंड पदों एवं सेवाओं की रिक्तियों में आरक्षण संशोधन विधेयक (2022), झारखंड स्थानीय व्यक्तियों की परिभाषा व परिणामी सांस्कृतिक और अन्य लाभों को ऐसे स्थानीय व्यक्तियों तक विस्तारित करने के लिए विधेयक 2022 राज्य गठन के उन मौलिक उद्देश्यों के पूर्ति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम थे, जिनके लिए हमारे राज्य निमार्ताओं ने राज्य गठन के आंदोलन में अपना रक्त बहाया था। इन दोनों विधेयकों पर भी सदन में पक्ष और विपक्ष का अंतर मिट गया था और सभी सदस्यों की सहमति से ये विधेयक सदन में पारित हुए थे।

संघवाद व संसदीय लोकतंत्र का ध्यान रखा जाना जरूरी

स्पीकर ने कहा कि विधायी हस्तक्षेप से जनकल्याण का सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण झारखंड के निजी क्षेत्र में स्थानीय उम्मीदवारों का नियोजन कानून 2021 है। इसके माध्यम से झारखंड में कार्यरत निजी संयंत्रों में 75 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गयी है और यह आरक्षण की व्यवस्था न केवल नीचे के पदों के लिए है, बल्कि 40 हजार रुपये के मानदेय तक के लिए है। अब तक करीब 50 हजार युवाओं को इस कानून के तहत नौकरियां दी गयी हैं और निश्चित रूप से यह विधेयक झारखंड की तस्वीर बदलने में कारगर साबित होगा। स्पीकर ने कहा कि बहुत गर्व की बात है कि पीएम ने विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत बिरसा मुंडा के गांव उलिहातु से की। विकसित भारत के लिए संघवाद और संसदीय लोकतंत्र का ध्यान रखा जाना जरूरी है। क्योंकि, ये भारतीय संविधान के दो मूलभूत संरचना है। ऐसे में जरूरी है कि सरकार भी जनता की आवाज के प्रति जवाबदेह बनें। बहुमत के आधार पर जीतकर सरकार जनता के सवाल से मुंह नहीं मोड़ सकती है।

पुलिस के अभद्र व्यवहार के खिलाफ कांके थाना का जेबीकेएसएस ने किया घेराव, सौंपा ज्ञापन

कांके थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपते जेबीकेएसएस के केन्द्रीय सदस्य देवेंद्र।

CRIME REPORTER RANCHI : झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) ने बुधवार को कांके थाना का घेराव किया और थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपा। जेबीकेएसएस केन्द्रीय सदस्य देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि मंगलवार को देर रात कांके थाना परिसर में ड्यूटी में तैनात पुलिस प्रशासन के अभद्र व्यवहार के खिलाफ बुधवार को जेबीकेएसएस रांची टीम ने कांके थाना का घेराव किया। घेराव कर रहे जेबीकेएसएस के आक्रोशित लोगों ने कहा कि स्थानीय जन समस्या को लेकर जेबीकेएसएस रांची टीम केंद्रीय सक्रिय सदस्य देवेन्द्र नाथ महतो के साथ स्थानीय लोगों के आग्रह पर मंगलवार को देर रात थाना परिसर पहुंचे थे। थाना परिसर घुसते ही देवेंद्र नाथ महतो सहित सभी जेबीकेएसएस सदस्यों को ड्यूटी में तैनात पुलिस प्रशासन ऊंची आवाज में गाली-गलौच करते हुए धक्का मुक्की कर थाना परिसर से बाहर कर अपमानित करने का प्रयास किया गया। थाना परिसर में पुलिस प्रशासन की ओर से किया गया अभद्र व्यवहार गैर संवैधानिक है। साथ ही आंदोलनरत लोगों ने मांग किया कि सीसीटीवी फुटेज निकालकर दोषी पुलिसकर्मियों को 48 घंटे के अंदर कानूनी कार्रवाई करते हुए निलंबित किया जाय।

झारखंड के छह जेलर, 16 जेल अधीक्षकों का तबादला, रांची के जेलर का पलामू ट्रांसफर

CRIME REPORTER RANCHI : बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार रांची के जेलर मोहम्मद नसीम समेत झारखंड के छह जेलरों और 16 जेल अधीक्षकों का तबादला कर दिया गया है। मोहम्मद नसीम का तबादला केंद्रीय कारा मेदिनीनगर कर दिया गया है। कारा महानिरीक्षक कार्यालय ने जेलरों के तबादले की, जबकि गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के उप सचिव ने बुधवार (22 नवंबर) को इसकी अधिसूचना जारी की। इसके मुताबिक, रांची, जमशेदपुर, खूंटी, दुमका, पलामू और गिरिडीह के जेलर का तबादला

कर दिया गया है। अधिसूचना के मुताबिक, मोहम्मद नसीम अब पलामू के मेदिनीनगर केंद्रीय कारा के जेलर होंगे। वहीं, जमशेदपुर के घाघीडीह केंद्रीय कारा के अंजय कुमार श्रीवास्तव का तबादला गढ़वा कर दिया गया है। वह गढ़वा मंडल कारा के जेलर बनाए गए हैं। खूंटी उपकारा के रमाशंकर प्रसाद को केंद्रीय कारा दुमका के जेलर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। सुबोध कुमार पांडेय, जो वर्तमान में दुमका केंद्रीय कारा के जेलर हैं, उनका तबादला करते हुए गिरिडीह केंद्रीय कारा का जेलर बना दिया गया है। धर्मशीला देवी, जो पलामू के मेदिनीनगर केंद्रीय कारा की जेलर थीं, को जमशेदपुर के घाघीडीह सेंट्रल जेल के जेलर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गिरिडीह केंद्रीय कारा के जेलर प्रमोद कुमार अब रांची स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा होटवार के जेलर होंगे। वहीं हजारीबाग के लोकनायक जयप्रकाश नारायण केंद्रीय कारा के अधीक्षक कुमार चंद्रशेखर को दुमका केंद्रीय कारा का काराधीक्षक बनाया गया है। चाईबासा मंडल कारा के अजय कुमार प्रजापति का ट्रांसफर जमशेदपुर के घाघीडीह सेंट्रल जेल कर दिया गया है। हजारीबाग कारा प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य भगीरथ कार्जी का ट्रांसफर करते हुए पलामू के मेदिनीनगर केंद्रीय कारा का कारा अधीक्षक बनाया गया है। पलामू के मेदिनीनगर सेंट्रल जेल के सुपरिटेंडेंट जितेंद्र कुमार का ट्रांसफर करते हुए उन्हें हजारीबाग के लोकनायक जयप्रकाश नारायण सेंट्रल जेल भेज दिया गया है।

सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित अवमानना याचिका पर हुई सुनवाई

संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूरी हो : हाईकोर्ट

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित राजकुमार की अवमानना याचिका समेत राज्य के 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों के पद रिक्त रहने को लेकर एडवोकेट एसोसिएशन की जनहित याचिका की भी सुनवाई बुधवार को हुई।

मामले में राज्य सरकार की ओर से बताया गया की सूचना आयुक्त, लोकायुक्त एवं अन्य संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया हाई लेवल स्टेज में है। विधानसभा अध्यक्ष ने नेता प्रतिपक्ष की घोषणा कर दी है। ऐसे में अब जल्द नियुक्ति प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य सरकार के जवाब को देखते हुए कोर्ट ने सूचना आयुक्त, लोकायुक्त, संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति प्रक्रिया जल्द पूर्ण कर अगली सुनवाई में सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की अगली सुनवाई 15 दिसंबर निर्धारित की है।

राजकुमार की अवमानना याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता अभय मिश्रा की ओर

से कोर्ट को बताया गया था कि राज्य सूचना आयोग में रिक्त पदों को भरने के लिए विपक्ष के नेता के पद के रिक्त रहने से कोई समस्या नहीं है। कानून में ऐसा प्रावधान है कि यदि विपक्ष के नेता नहीं है तो विपक्ष में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को कमेटी में रखकर राज्य सूचना आयोग में सूचना आयुक्त एवं अन्य पदों नियुक्ति प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि वर्ष 2020 में हाई कोर्ट ने सूचना आयुक्तों कि नियुक्ति से संबंधित एक याचिका को राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद निष्पादित कर दिया था। उस समय सरकार की ओर से कोर्ट में अंडरटेकिंग देते हुए कहा गया था कि सूचना आयुक्तों की नियुक्ति जल्द कर ली जाएगी। सूचना आयुक्तों की नियुक्ति नहीं होने पर वर्ष 2021 में याचिकाकर्ता राजकुमार ने अवमानना याचिका दाखिल की है।

राजकुमार की ओर से कहा गया है कि राज्य सरकार ने वर्ष 2020 में सूचना आयुक्तों की नियुक्ति कर लेने का अंडरटेकिंग दिया था लेकिन अब तक सूचना आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी है। राज्य सूचना आयोग में रिक्त पदों की नियुक्ति एवं झारखंड में बाल आयोग, सूचना आयोग, मानवाधिकार आयोग, पुलिस कंप्लेंट अथॉरिटी, लोकायुक्त सहित करीब 12 संवैधानिक संस्थाओं में अध्यक्ष एवं सदस्यों का पद खाली रहने को लेकर एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से भी जनहित याचिका दाखिल की गई है।

इसमें पूर्व की सुनवाई में अधिवक्ता नवीन कुमार की ओर

मंजूनाथ के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक बरकरार

RANCHI : अगस्त 2022 में सांसद निशिकांत दुबे को प्लेन से दिल्ली जाने के क्रम में देवघर में रोकने के खिलाफ दिल्ली में जीरो एफआईआर दर्ज को निरस्त करने को लेकर देवघर के तत्कालीन उपायुक्त मंजूनाथ (वर्तमान में उपायुक्त जमशेदपुर) की याचिका की आंशिक सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार एवं प्रतिवादी निशिकांत दुबे को जवाब दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। पिछले सुनवाई में ही कोर्ट ने इन दोनों को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था, लेकिन इनका जवाब दाखिल नहीं हो सका है। हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट ने मामले की सुनवाई की। कोर्ट ने प्रार्थी मंजूनाथ के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक अगली सुनवाई 20 दिसंबर तक जारी रखी है। प्रतिवादी निशिकांत दुबे की ओर से पार्थ जालान और अमित सिन्हा ने पैरवी की। पिछली सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से बताया गया था कि दिल्ली में दर्ज कराया गया जीरो एफआईआर झारखंड पुलिस को सौंप दिया गया है।

मंदिर में तोड़फोड़ के मुख्य आरोपी की मौत दो गिरफ्तार

RANCHI : जिले के मांडर थाना क्षेत्र के मुड़मा गांव में धार्मिक स्थल पर तोड़फोड़ के आरोपी सुखदेव उरांव की मौत हो गई। जबकि इस मामले में पुलिस ने सुखदेव उरांव के दोनों भाई सोमा उरांव और एतवा उरांव को गिरफ्तार कर लिया। इसकी जानकारी रांची पुलिस ने बुधवार को पीसी कर दी। पुलिस ने बताया कि बीते 16-17 नवंबर की रात्रि को मांडर के मुड़मा बस्ती में अज्ञात असामाजिक व्यक्तियों ने कई धार्मिक स्थलों पर तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया था। इस संबंध में मनोहर साहु अध्यक्ष महाबीर मण्डली की लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। इस घटना का सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए रांची ग्रामीण एसपी के निर्देश पर खलारी डीएसपी अंकिता राय के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम को ग्रामीणों के द्वारा गुप्त सूचना मिली कि अप्राथमिकी अभियुक्त सुखदेव उरांव उर्फ जटू कि मौत हो गई है। प्राप्त सूचना के आधार पर मृतक के भाई सोमा उरांव और 2 एतवा उरांव को पुछताछ के लिए थाना पर लाया गया। पूछताछ के क्रम में इनदोनों के द्वारा बताया गया कि मुड़मा मेला के समय कुछ लोगों से दुकान लगाने की जगह को लेकर विवाद हुआ था।

गांजा के साथ बिहार का एक तस्कर गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन से नौ किलो गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्कर का नाम बृजेश कुमार बताया गया है। वह बिहार के कैमूर जिले के अधौरा का रहने वाला है। आरपीएफ की ओर से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल की ओर से लगातार चलाए जा रहे अभियान में ऑपरेशन नारकोश के तहत आरपीएफ ने रांची स्टेशन पर जांच की। इसी दौरान ट्रेन संख्या 18309 संभलपुर जम्मूतवी एक्सप्रेस का रांची स्टेशन आगमन हुआ। ट्रेन से निकलकर एक व्यक्ति को संदेहास्पद अवस्था में एक काले रंग के बैग के साथ स्टेशन

पुलिस की गिरफ्त में तस्कर।

निकासी गेट की तरफ तेजी से जाता देखा गया। संदेह होने पर उसे रोककर उसके बैग की जांच करने पर नौ किलो गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजा की कीमत एक लाख नौ हजार रुपये आंकी गयी है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए राजकीय रेल पुलिस रांची को सौंप दिया गया।

आफताब हत्याकांड का चौथा आरोपी गिरफ्तार

CRIME REPORTER RANCHI : लोअर बाजार थाना की पुलिस ने बुधवार को आफताब हत्याकांड में शामिल चौथे आरोपी सचिन प्रसाद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इस मामले में पुलिस पहले ही तीन आरोपित सद्दाम, बंटी और युसुफ को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। पुलिस का कहना है कि आफताब को युसुफ लेकर कोकर पहुंचा था। वहां पहले से मौजूद अन्य ओरोपियों ने आफताब के साथ मारपीट कर उसे जख्मी किया था इसके बाद सभी ओरोपियों ने गला दबाकर आफताब की हत्या कर शव को पतरातु घाटी में ले जाकर जला दिया था। शव को बैग में रखने और जलाने की जिम्मेदारी सचिन प्रसाद को दी गई थी।

BRIEF NEWS

घाघीडीह सेंट्रल जेल में छापेमारी, सुबह नौ बजे से शुरू हुई कार्रवाई

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के घाघीडीह सेंट्रल जेल में छापेमारी हुई है। बुधवार की सुबह करीब 9:00 बजे प्रशासन के अधिकारियों और पुलिस फोर्स से भरी दो बस औचक छापेमारी के लिए जेल पहुंची। बताया जा रहा है कि इस कार्रवाई से परसुडीह थाना पुलिस को दूर रखा गया है। दरअसल, पुलिस प्रशासन को लगातार इस बात की सूचना मिल रही थी कि सेंट्रल जेल में बंद कुछ अपराधी लगातार अंदर रहकर अपनी गतिविधियां संचालित कर रहे हैं। इस सूचना की जांच के लिए यह छापेमारी की जा रही है। जिला प्रशासन को मुख्यालय से नियमित रूप से जेल का औचक निरीक्षण करने का आदेश भी प्राप्त है। जिससे संगठित अपराध पर लगाम लगाई जा सके। लिहाजा इस कड़ी में यह कार्रवाई की जा रही है।

भ्रष्टाचार की जांच की मांग लेकर भाजपा का प्रदर्शन

ROURKELA : राउरकेला समेत पूरे राज्य में भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग को लेकर भाजपा द्वारा राउरकेला महानगर निगम कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया गया। राउरकेला सहित राज्य की विभिन्न परियोजनाओं में भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा ने राउरकेला नगर निगम कार्यालय के सामने सीबीआई जांच की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम भाजपा अध्यक्ष लतिका पटनायक, बीजेपी नेता निहार राय, धीरेन सेनापति, जगबंधु बेहरा, प्रमिला दास, कल्पना लेंका, भगवान राउत समेत कई लोग शामिल हुए।

राजधानी में 26, 27 व 28 को 72 घंटे का महाधरना

ROURKELA : भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। केन्द्र सरकार पर जनविरोधी होने का आरोप लगाया है। केंद्रीय संगठन मंच ने बुधवार को राउरकेला सेक्टर 16 सीटू कार्यालय में कर्मचारी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यकताओं से भाजपा सरकार को हटाकर देश बचाने का आह्वान किया गया। सीटू के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष बिष्णु मोहंती की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में एक बेहद अहम फैसला लिया गया। 21 मांगों को लेकर 26, 27 और 28 नवंबर को भुवनेश्वर के महात्मा गांधी मार्ग पर 72 घंटे के महा धरना का आह्वान किया गया है।

गुरु नानक देव जी का 554वां प्रकाशोत्सव 27 को, बदला गया निशान साहिब का चोला

बिष्टुपुर गुरुद्वारा से निकलेगा नगर कीर्तन

सिखपंथ की नींव रखने वाले सिख धर्मावलंबियों के प्रथम गुरु साहिब श्री गुरुनानक देवजी का 554वां प्रकाश दिहाड़ा (प्रकाशोत्सव) 27 नवंबर को श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान प्रकाश दिहाड़े पर बिष्टुपुर जी टाउन गुरुद्वारा से विशाल नगर कीर्तन निकलेगा। इसमें हजारों लोग शामिल होंगे। इस दौरान किए जाने वाले खतरनाक स्टंटों पर पाबंदी लगा दी गयी है। गतका टीमों को निर्देश दिया गया है कि वे खतरनाक स्टंट न करें। वहीं जत्थों का क्रम आवंटित कर दिया गया है।

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : सिखों के पहली पातशाही श्री गुरु नानक देव महाराज जी का 554वां प्रकाशोत्सव 27 नवंबर को है। इस अवसर पर पूरे देश में इसकी तैयारी चल रही है। प्रकाशोत्सव को लेकर गुरूद्वारों को सजाया जा रहा है। वहीं रोजाना प्रभात फैरी निकाली जा रही है। इसकी तैयारी जमशेदपुर में भी पिछले कई दिनों से चल रही है। प्रकाशोत्सव को समर्पित प्रभात फेरी का आयोजन बुधवार को साकची गुरुद्वारा में किया गया। उपरांत गुरुद्वारा साहिब में निशान साहिब का चोला भी बदला गया। पहले दिन प्रभात फेरी ने प्रातः साढ़े तीन बजे गुरु नानक नगर, साकची का भ्रमण किया। सर्वप्रथम गुरु चरणों में अरदास कर प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी में शामिल संगत गुर नानक देव जी पर रचित शब्द गायन करते हुए साकची गुरु नानक नगर के क्षेत्र का भ्रमण किया। सरदार रणजीत सिंह जोहरा, सरदार गुरनाम सिंह तथा शमशेर सिंह सोनी के यहां संगत के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी।

दूसरी तरफ प्रभात फेरी के गंतव्य स्थान पर पहुंचने के बाद साकची गुरुद्वारा में निशान साहिब का चोला बदला गया। चोला बदलने से पूर्व ग्रंथी बाबा अमृतपाल सिंह ने गुरु चरणों में अरदास की। हरमीत सिंह भामरा, सतनाम सिंह सत्ते, त्रिलोचन सिंह, गुरमीत सिंह मंगू, जगदीप सिंह, मलकीत सिंह ने निशान साहिब बदलने की सेवा श्रद्धापूर्वक निभायी।

जारी किया गया फोन नंबर: प्रधान निशान सिंह और महासचिव परमजीत सिंह काले ने बताया की इच्छुक श्रद्धालु संगत प्रभात फेरी को घर पर दर्शन हेतु आमंत्रित करने के लिए 8210248895 नंबर पर फोन कर संपर्क कर सकते हैं। प्रभात फेरी में मुख्य रूप से सरदार निशान सिंह, परमजीत सिंह काले, जसवीर सिंह गांधी, सतनाम सिंह घुम्मन, दलजीत सिंह, सुरजीत सिंह छीत्ते, अवतार सिंह, अमरपाल सिंह, सिख नौजवान सभा के मनमीत सिंह, प्रीतपाल सिंह, जगजीत सिंह, सतपाल सिंह के अलावा सुखमणि साहिब कीर्तनी जत्था की बीबी राज कौर, बीबी जोगिंदर कौर, बीबी बलविंदर कौर, बीबी रणजीत कौर, बीबी कमलजीत कौर, बीबी राजबीर कौर, बीबी अमरजीत कौर आदि शामिल थे।

राष्ट्रीय सब जूनियर कराटे चैंपियनशिप

राउरकेला के आर्या और सूर्य प्रकाश ने जीते पदक

PHOTON NEWS ROURKELA : कराटे इंडिया ऑर्गनाइजेशन (केआईओ) द्वारा राष्ट्रीय सब-जूनियर कराटे चैम्पियनशिप नई दिल्ली के तालकटोरा इंडोर स्टेडियम में (केआईओ) के मेंटर हांसी भरत शर्मा की प्रत्यक्ष देखरेख में आयोजित की गई है। चैम्पियनशिप में देश के 28 राज्यों के 6 से 13 वर्ष आयु वर्ग के 2000 लड़के और लड़कियों ने भाग लिया। ओडिशा राज्य कराटे एसोसिएशन (ओसका) की ओर से, 70 कराटेकारों ने विभिन्न श्रेणियों में भाग लिया और 8 स्वर्ण सहित 29 पदक जीते।

राउरकेला के चार कराटेकारों ने राज्य टीम में भाग लिया और अपनी-अपनी श्रेणियों में एक-एक कांस्य पदक जीता। चिन्मय स्कूल के छात्र आर्या,और केंद्रीय विद्यालय के सूर्य प्रकाश ने पद जीता है। ओडिशा राज्य कराटे एसोसिएशन के हरीप्रसाद पटनायक और अध्यक्ष गौरी मोहंती ,अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता और एशियाई कोच राजीव सिंह और राउरकेला कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष व श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक सहित बसंती सांस्कृतिक परिषद और नगर सेवा समिति के कार्यकताओं ने कराटे खिलाड़ियों को बधाई दी।

कोच के साथ आर्या एवं सूर्य प्रकाश।

श्रम मंत्री शारदा प्रसाद ने 3.75 करोड़ के विकास कार्यों का किया शिलान्यास

PHOTON NEWS ROURKELA : शहर के मोहननगर निगम में नए वार्ड, 4, 5, 6, 11, 12, 13, 14 और 15 में नई नालियां, सड़कें, क्लब महिला समिति और छेंद कॉलोनी पुलिस स्टेशन में आदर्श वरिष्ठ नागरिक सहायता केंद्र के नए कार्यालय भवन का निर्माण का शिलान्यास हुआ।

यह निर्माण छेंद कॉलोनी, पानपोशा बस्ती, प्रधान पल्ली, जगन्नाथ कॉलोनी, खारिया बहाल, एफसीआई बस्ती, जेल रोड, बापूजी नगर, शांति नगर, छोटी मस्जिद, व्यास नगर में होगा। 3 .75 करोड़ की लागत से निर्माण कार्य का शिलान्यास श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक ने की। वरिष्ठ नागरिक सहायता केंद्र गृह निर्माण का शुभारंभ में राउरकेला नगर निगम के आयुक्त और अतिरिक्त जिलापाल डॉक्टर शुभक महापात्र उपस्थित थे। श्रम मंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को बधाई दी और हमारे राउरकेला के पर्यावरण को सुंदर बनाए रखने के लिए सामूहिक सहयोग की बात कही। इस दौरान जयंत कुमार मिश्रा, डॉ. गोकुलानंद साहू, डॉ. महेश प्रसाद बेहरा, गिरिजा गोस्वामी, शशि पटनायक, हृषिकेश नायक, सचिता नंदा भद्र, श्रीकांत दास, नगर अध्यक्ष गगन पांडा, रश्मीबाला मिश्रा, जोशना नायक ने भाग लिया। सुशांत राऊत, अंजलि मिश्रा, सावित्री बेहरा, संगीता मिश्रा, काबुली प्रतिहारी, अक्षय जेना, संजू सामल, जॉर्ज आनंद सामिल थे।

विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास करते मंत्री शारदा प्रसाद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मुंबई में सूटकेस से महिला का शव बरामद, प्रेमी ने की थी हत्या

कुर्ला स्टेशन से आरोपी गिरफ्तार, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS SUNDARGARH : सुंदरगढ़ की लड़की की मुंबई में हत्या कर दी गई। हत्या करने के बाद प्रेमी ने युवती के शव को सूटकेस में भरकर सड़क पर फेंक दिया। कुर्ला स्टेशन की सड़क पर एक सूटकेस में एक युवती का शव मिलने के बाद पुलिस हत्या के मामले की जांच कर रही थी। हत्या के बाद आरोपी मनोज बारला फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद कुर्ला पुलिस ने मनोज को ठाणे रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी के ले जाती पुलिस। ● फोटोन न्यूज

मनोज को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस उससे आगे की पूछताछ कर रही है। आरोपी मनोज सुंदरगढ़ तलसरा थाना के साहबडेरा गांव का बताया जा रहा है। परिजन युवती का शव लाने के लिए मुंबई गए हैं। युवती की पहचान लिफ्रिपाड़ा थाना क्षेत्र के प्रतिमा केरकेटा के रूप में की गयी है। प्रतिमा और मनोज दोनों मुंबई के धारावी इलाके में किराए के मकान में लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे थे। जांच से पता चला है कि आरोपियों ने युवती के किसी दूसरे युवक से संबंध होने के शक के बाद गला दबा कर हत्या कर दी। इस संबंध में आगे की जांच जारी है।

वेदव्यास में जिला परिषद अध्यक्ष ने कृषि यंत्र मेला का किया उद्घाटन

आधुनिक मशीनरी का उपयोग कर कोई भी बन सकता है सफल किसान : कुंती प्रधान

PHOTON NEWS ROURKELA : स्थानीय वेदव्यास मेला मैदान में उप-जिला स्तरीय कृषि मशीनरी मेला आज से शुरू हो गया है। सुंदरगढ़ जिला परिषद अध्यक्ष कुंती प्रधान ने मुख्य अतिथि के रूप में इस मेले का उद्घाटन किया और विभिन्न स्टालों का दौरा किया। इस मौके पर आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी की बदौलत हमारे किसान भाई-बहन आधुनिक मशीनरी के बारे में जान सकते हैं। आधुनिक मशीनरी प्रौद्योगिकी का उपयोग करके कोई भी एक सफल किसान बन सकता है और अधिक कमाई कर सकता है। बाजरा की खेती में सुंदरगढ़ जिला अन्य जिलों से अग्रणी है।

मेले का निरीक्षण करते अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

उन्होंने इसे बाजरा की खेती और बाजरा उत्पादों की बिक्री में पूरे देश में अग्रणी जिला बनाने का आह्वान किया। मुख्य जिला कृषि अधिकारी, सुंदरगढ़ हरिहर नायक ने कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में भाग लिया। उन्हें अपनी खेती की गुणवत्ता में सुधार करने और लागत कम करने के लिए अधिक मशीनरी का उपयोग करने के लिए ओडिशा सरकार के कृषि और किसान अधिकारिता विभाग द्वारा दी गई रियायतों के बारे में जानकारी दी।

सम्मानित अतिथि लाठीकाटा जिला परिषद सदस्य भुबन कुजूर और संजुक्ता बिंदु लकड़ा, कुआरमुंडा पंचायत समिति के अध्यक्ष ज्योति केरकेटा और उपाध्यक्ष सुनीता अहीर, कार्यकारी अभियंता (कृषि), सुंदरगढ़, परमानंद प्रधान, वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रधान कृषि विज्ञान केंद्र जयंत पति, सहायक कृषि निदेशक दुष्मंत बेहरा, राजगागपुर कृषि जिला अधिकारी जगन्नाथ दास, सुंदरगढ़ कृषि जिला अधिकारी जगदीश बेहरा और अन्य विभागीय अधिकारी और किसान उपस्थित थे। अंत में पानपोसा कृषि जिला अधिकारी रिलीजियोस बेक ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

37वें पुस्तक मेले का उद्घाटन कल जाने-माने प्रकाशकों के लगेंगे स्टॉल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के साकची स्थित टैगोर सोसाइटी के तत्वावधान में रबीन्द्र भवन परिसर में 37वां जमशेदपुर पुस्तक मेला 24 नवंबर से आरंभ हो रहा है। यह मेला आगामी 3 दिसंबर तक चलेगा। छात्र-छात्राओं, साहित्यप्रेमियों, लेखक, कवियों और पाठकों को वर्ष भर जिसका इंतजार रहता है। आयोजित इस संबंध में टैगोर सोसाइटी परिसर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान सोसाइटी के महासचिव आशीष चौधुरी ने बताया कि यह आयोजन टैगौर सोसाईटी का जमशेदपुर वासियों को एक वार्षिक उपहार के रूप में है, जो हर जाति धर्म भाषा सभी से उपर उठकर एक ऐसा आयोजन है। इसमें सभी की सहभागिता झलकती है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति देश-दुनिया के जाने माने प्रकाशकों के साथ ही अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के वितरक भी पुस्तक मेला में शामिल होकर एक से एक बेहतरीन पुस्तकों के साथ अपने स्टॉल लगायेंगे, जिससे शहरवासी रु-ब-रू हो सकेंगे। 37वें पुस्तक मेला का उद्घाटन 24 नवम्बर की शाम 6।30 बजे जिला के उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री एवं टैगोर सोसाइटी के पदाधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि हर वर्ष की तरह दिल्ली, कोलकाता, पटना, मुम्बई आदि शहरों के साथ स्थानीय प्रकाशकों द्वारा हिन्दी, बांग्ला, इंग्लिश, उर्दू, सहित यहां के स्थानीय भाषाओं में संथाली, हो, कुरमाली के साहित्य भी उपलब्ध रहेंगे। इस वर्ष पुस्तक मेले में 67 स्टाल विभिन्न प्रकार के पुस्तकों को पुस्तकप्रेमियों के सामने प्रस्तुत करेंगे। पुस्तकों के विषय में यह सर्वविदित है कि ज्ञान का इससे अच्छा स्थायी साधन नहीं है। आज जब सोशल और इलेक्ट्रानिक मीडिया का इतना जोर और दौर है, बावजूद किसी भी विषय में स्थायी और सम्पुष्ट जानकारी के लिए पुस्तकें ही खंगाली जाती हैं और उन पर पूर्णतः विश्वास किया जाता है। पुस्तकों का इतिहास उतना ही पुराना है, जब भोजपत्र में रचनाओं की अभिव्यक्ति की जाती थी और आज पुस्तकें मैपलिथो और बान्ड पेपर में प्रकाशित हो रही हैं।

मेले की जानकारी देते आयोजक। ● फोटोन न्यूज

XLRI और चेन्नई के SRIHER के बीच हुआ एमओयू, हेल्थकेयर प्रोफेशनल को उपलब्ध करवाया जायेगा वर्ल्ड क्लास पाठ्यक्रम

स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में प्रशिक्षित पेशेवरों की होगी आवश्यकता

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : देश की प्रसिद्ध मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट एक्सएलआरआइ और श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च (एसआरआइएचईआर) के बीच 21 नवंबर 2023 को एक एमओयू हुआ है। हेल्थकेयर के क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स के लिए उक्त दोनों संस्थाएं संयुक्त रूप से कार्य करेंगी। साथ ही हेल्थकेयर क्षेत्र से जुड़े लोगों को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए खास तौर पर एक कोर्स डिजाइन किया जायेगा, जो हेल्थकेयर क्षेत्र के लिए प्रबंधन कार्यक्रम व सहयोगात्मक अनुसंधान के लिए मददगार होगा। हेल्थ केयर क्षेत्र में रिस्पांसिबल प्रोफेशनल को खास तौर पर तैयार करने के लिए दोनों ही संस्थान प्रबंधन संयुक्त रूप से प्रयास करेगी। एसआरआइएचईआर कैंपस में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान उक्त एमओयू पर संयुक्त रूप से दोनों ही संस्थानों के पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किया। जिसमें एक्सएलआरआइ दिल्ली कैंपस के डायरेक्टर केएस. काश्मीर, एसआरआइएचईआर के वीसी डॉ उमा शेकर, प्रोवीसी डॉ महेश वाकामुडी, रजिस्ट्रार डॉ रूपा नागराजन, फाइनांस के डायरेक्टर जे. रवि शंकर, लीगल सर्विस के जीएम डॉ टीए श्रीनिवासन, एकेडमिक ऑफिसर डॉ आर शिव कुमार, एसआरएफएमएस के प्रिंसिपल डॉ शेलवम जेशाह, एक्सएलआरआइ के फैकल्टी डॉ परमज्योत सिंह और डॉ संतोष संगेम उपस्थित थे।

मौके पर मौजूद फादर काश्मीर ने कहा कि भारत की सतत और समावेशी विकास की यात्रा में सस्ती, सुलभ, उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हमें भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से संबंधित अत्याधुनिक प्रबंधन प्रथाओं में प्रशिक्षित बड़ी संख्या में पेशेवरों की आवश्यकता होगी। हम देश के भविष्य की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करने के अपने प्रयास में एसआरआइएचईआर के साथ साझेदारी करके बेहद उत्साहित हैं। साथ ही इसे 2030 तक सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रावधान सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का हिस्सा करार दिया। वहीं, एक्सएलआरआइ जमशेदपुर के डायरेक्टर फादर जॉर्जसेबेस्टियन ने कहा, ह्महमारे प्लैटिनम जुबली वर्ष में, एसआरआइएचईआर के साथ यह साझेदारी राष्ट्र की बेहतरी के लिए काम करने वाले दोनों अग्रणी संस्थानों के लिए नए रास्ते खोलने में मदद करेगी। कहा कि देश के लिए अत्यधिक कुशल, जिम्मेदार, नैतिक स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को प्रदान करने की दिशा में यह एमओयू मील का पत्थर साबित होगा। वहीं, डॉ. उमा सेकर ने कहा कि यह एमओयू स्वास्थ्य देखभाल शिक्षा और प्रशिक्षण में एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे निस्संदेह देश भर के स्वास्थ्य पेशेवरों को लाभ होगा। डॉ. महेश वकामुदी ने एक्सएलआरआई के साथ एसआरआईएचईआर के इस एमओयू को हेल्थ केयर एजुकेशन के परिदृश्य में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक शानदार छलांग बताया है।

एमओयू पर हस्ताक्षर करते दोनों संस्थानों के पदाधिकारी। ● फोटोन न्यूज

अगले साल से कोर्स में शुरू होगा दाखिला

उक्त कोर्स को अप्रैल 2024 में लांच किया जायेगा। विदित हो कि एक्सएलआरआइ जमशेदपुर की स्थापना वर्ष 1949 में हुई थी जबकि एसआरआइएचईआर मेडिकल कॉलेज की स्थापना 1985 में हुई थी। जबकि 1994 में इसे डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा प्राप्त हुआ। एक्सएलआरआइ जमशेदपुर द्वारा देश में पहली बार इंडस्ट्रियल वेलफेयर परफुल टाइम मैनेजमेंट कोर्स की शुरूआत की गयी थी। उक्त दोनों प्रीमियर संस्थान के बीच एमओयू होने से दोनों ही संस्थान प्रबंधन में उत्साह है।

टाटा-राउरकेला मेमू ट्रेन शुरू मनोहरपुर में ट्रेन का स्वागत

PHOTON NEWS CHAIBASA : टाटानगर और राउरकेला मेमू पैसेंजर ट्रेन का बुधवार को शुभारंभ हुआ। इससे आम रेल यात्री समेत लोगों में खुशी की लहर है। इस मौके पर राउरकेला और टाटानगर के बीच सभी स्टेशनों पर उक्त ट्रेन का लोगों ने पूरे जोश के साथ स्वागत किया। वहीं मनोहरपुर स्टेशन पर सुबह जनहित संघर्ष मोर्चा समिति के सदस्यों ने ढोल-नगाड़े के साथ नयी मेमू ट्रेन का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, जिला परिषद उपाध्यक्ष रंजीत यादव, भाजपा नेता इंद्रकुमार डागा, मनोहरपुर पूर्वी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य उषा देवी खुशबू, मनोहरपुर पश्चिम पंचायत के पंचायत समिति सदस्य पिंकी कुमारी खुशबू एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि समेत स्थानीय लोगों ने मेमू पैसेंजर ट्रेन के मुख्य व सहायक चालक समेत गार्ड का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

साथ ही उपस्थित लोगों के बीच मोर्चा के सदस्यों ने लड्डू का वितरण किया। मनोहरपुर में उक्त ट्रेन का स्वागत के बाद अपने गंतव्य के लिए रवाना किया गया। विदित हो कि चक्रधरपुर रेल मंडल अंतर्गत टाटा और राउरकेला के बीच सभी छोटे स्टेशनों में कोरोना संक्रमण काल से यात्री पैसेंजर ट्रेनों का परिचालन बंद कर दिया गया था, जिससे आम लोगों समेत स्कूली व कॉलेज के छात्रों को जमशेदपुर, चाईबासा व राउरकेला आने-जाने में परेशानी हो रही थी। इन सभी स्टेशनों में यात्री ट्रेनों के ठहराव के लिए विभिन्न राजनीतिक व गैर राजनीतिक संगठनों ने यात्री ट्रेनों के ठहराव के लिए आंदोलन चलाया था। फलस्वरूप आज मांग पूरी हुई।

पूरी दुनिया की निगाह 22 जनवरी को अयोध्या पर रहेगी: लल्लू सिंह

अयोध्या, । पांच सौ वर्षो के संघर्षो के उपरान्त राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक समय नजदीक आ गया है। 22 जनवरी को पूरी दुनिया की निगाह अयोध्या पर रहेगी। यहां के प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी बढ़ गयी है। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान वैश्विक स्तर पर संदेश अयोध्या से जाना चाहिए। उक्त बातें अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह ने अमानीगंज ब्लाक के बिरौली झाम रामजानकी मंदिर में शनिवार को कही। वह जनचौपाल के दौरान जनता से संवाद स्थापित कर रहे थे। जनता की शिकायतों को सुनकर उन्होंने इसके निवारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक घर में कम से कम पांच दीपक अवश्य चलने चाहिए। अपने पास के मंदिर में कार्यक्रम के लाइव प्रसारण की व्यवस्था करें। जिसमें मोहल्ले अथवा गांव के प्रत्येक व्यक्ति की

उपस्थिति का प्रयास हो। 22 जनवरी के बाद किसी तिथि पर रामलला का दर्शन करने जायें। उन्होंने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का मिल रहा है। गरीबों को आवास, शौचालय, गैस व विद्युत कनेक्शन दिया गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख के इलाज की व्यवस्था की गई है। जन चौपाल के दौरान राशन कार्ड, पेंशन, किसान सम्मान निधि, छुट्टा जानवर के प्रकरण सामने आये। सांसद लल्लू सिंह ने जन चौपाल में कार्यकताओं से सम्पर्क व संवाद की प्रक्रिया और तेज करने के लिए कहा। इस अवसर पर रामउजागिर तिवारी पूर्व प्रधान, रतिपाल, रामअवतार, राममिलन कन्नौजिया, रामबालक, बाबूलाल, रामअचल पाठक, जय गुप्ता व गया प्रसाद गुप्ता आदि मौजूद रहे।

आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं: एस राजलिंगम

संवाददाता

वाराणसी,। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने रविवार को कमिश्नरी सभागार में राजस्व एवं विकास कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में विभागवार वाराणसी जनपद के रैंकिंग सुधार सम्बन्धी आवश्यक दिशा-निर्देश उन्होंने सभी विभागों को दिये। आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को लेकर जिलाधिकारी ने कहा कि डिफाल्टर श्रेणी में कोई भी शिकायत नहीं आनी चाहिए। अन्यथा सम्बन्धित अधिकारी के खिलाफ अवश्य कड़ी कार्रवाई की जायेगी। समस्त तहसीलदारों को निर्देशित करते हुए जिलाधिकारी ने 10 बड़े बकायेदारों की सूची बनाकर राजस्व की वसूली कराये जाने तथा इसके अलावा स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन से सम्बन्धित लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूलने का भी निर्देश दिया।

पीआरडी परेड में हिस्सा लेने के लिए स्वयंसेवक हुए रवाना

झांसी, । राष्ट्रीय सेवा योजना बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के चार स्वयंसेवकों का दल रविवार को देव संस्कृति विश्वविद्यालय हरिद्वार में आयोजित होने वाले दस दिवसीय पीआरडी कैंप के लिए झांसी से रवाना हुआ। यह स्वयंसेवक 20 से 30 नवम्बर तक शिविर में हिस्सा लेंगे। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मुकेश पाण्डेय ने स्वयंसेवकों को बधाई देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुनिया भर की निगाह भारत की ओर होती है। ऐसे में गणतंत्र दिवस समारोह में परेड में हिस्सा लेना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि स्वयंसेवक पूर्ण मनोयोग से अनुशासित ढंग से प्रशिक्षण में हिस्सा लें और गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें। कुलपति प्रोफेसर पाण्डेय ने कहा कि गणतंत्र दिवस परेड में अधिकतर सैन्य बल ही हिस्सा लेते हैं लेकिन यह एनएसएस का सौभाग्य है कि वह देश के नागरिकों को कर्तव्य पथ पर प्रतिनिधित्व करता है। वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी राष्ट्रीय सेवा योजना डॉ. श्वेता पाण्डेय ने बताया कि गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए उत्तर प्रदेश से कुल 12 स्वयंसेवकों का चयन होता है। इस वर्ष केवल महिला स्वयंसेवकों का ही चयन किया गया है। चयनित स्वयंसेवक दिल्ली में एक महीने तक गणतंत्र दिवस परेड शिविर में हिस्सा लेंगे। डॉ. पाण्डेय ने बताया कि इस वर्ष पीआरडी के लिए नगमा, सोनल कनौजिया, सीता परिहार, आदिपिका शर्मा का चयन हुआ है। यह स्वयंसेवक आज झांसी से हरिद्वार के लिए रवाना हुए।

भाजपा शिक्षक हितों की अनदेखी का परिणाम भुगतेगी : डॉ. मान सिंह यादव

संवाददाता

प्रयागराज, । समाजवादी शिक्षक सभा की जिला इकाई गंगापार की घोषणा आज जिलाध्यक्ष सुरेश यादव ने किया। सभी पदाधिकारियों का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मान सिंह यादव एवं शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एस.पी सिंह पटेल ने स्वागत किया। मुख्य अतिथि विधान परिषद् सदस्य डॉ. मान सिंह यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने सबसे अधिक शिक्षक एवं कर्मचारियों के हितों की अनदेखी की है। पुरानी पेंशन हो या शिक्षा के क्षेत्र में समयानुपातिक सुधार, भाजपा ने पूरी तरह से अनदेखी की है। आगामी चुनाव में भाजपा को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. एसपी सिंह पटेल ने कहा शिक्षक ने हमेशा समाज का मार्गदर्शन किया है। राजनीति के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का समय फिर से आ गया है। उन्होंने संगठन की मजबूती पर जोर देने की अपील की। सपा प्रवक्ता दान बहादुर ने बताया कि शिक्षक सभा की नई कार्यकारिणी में महासचिव तेज बहादुर भारतीय एवं कोषाध्यक्ष अरविन्द यादव को मनोनीत किया गया। उपाध्यक्ष पद पर ज्वाला सिंह, राजेंद्र प्रसाद मौर्य, ओम प्रकाश बिन्द, गुरुचरण दास, अमरेंद्र सिंह एवं डी.आर. सिंह पटेल को मनोनीत किया गया है। इसी प्रकार जिला सचिव एवं सदस्यों को नियुक्त किया गया है। गंगापार की सभी पांचों विधानसभाओं में अध्यक्ष पद पर सोरांव प्रशांत कुमार, फाफामऊ हरीन्द्र सिंह, प्रतापपुर राम बहादुर भारतीय, हंडिया जे.पी यादव एवं फूलपुर में राम सूरत पटेल को जिम्मेदारी दी गई है। इस मौके पर उदय राज यादव, अभयेंन्द्र भारतीय, नाटे चौधरी, संदीप कटका, चंद्रजीत यादव, श्रीपति यादव सहित कई शिक्षक एवं पार्टी के नेतागण मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी ने इतिहास ही नहीं भूगोल बदल था

प्रयागराज, । अल्पसंख्यक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरशद अली के नेतृत्व में आज पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी इन्दिरा गांधी की जन्यति पर सर्किट हाउस चौराहा पर उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण करते हुए अल्पसंख्यक कांग्रेस के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अर्पित की इसके साथ ही करेली स्थित कार्यालय में आयोजित गोष्ठी में पीसीसी सदस्य फुजेल हाशमी द्वारा उन महिलाओं को सामाजिक उत्थान के प्रयास एवं योगदान के लिए सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया।इस मौके पर अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष अरशद अली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी इन्दिरा गांधी ने बैंको के राष्ट्रीयकरण, प्रिवीपर्स व परमाणु परीक्षण जैसे अपने कड़े फैसलों और दृढ़ प्रतिज्ञ इरादों के साथ भारत को विश्वशक्ति बनाने वाली विपक्षियों की भी माँ

दुर्गा - अवतार ने तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति निक्सन व हेनरी किसिंजर जैसे विदेश मंत्री को भी पाक सहित कई मसलों पर अपनी कूटनीति से अर्चभित कर देने वाली व विचारों एवं कर्मों से शक्ति का एहसास कराने वाली, लगभग 93,000 युद्ध बंदियों के साथ वास्तव में पाकिस्तान को जीतकर नया इतिहास रचने व वैश्विक भूगोल बदलने का अदम्य साहस और असीम क्षमता रखने वाली बेहद विनम्र एवं दूरदर्शी थी।इस मौके पर शहर अध्यक्ष अरशद अली, पीसीसी सदस्य फुजैल हाशमी, शहर उपाध्यक्ष परवेज सिद्दीकी, नाज खान, शाहीन बेगम,तालिब अहमद, महफूज अहमद, जाहिद नेता, मुख्तार अहमद, गुलाम वारिस, आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ लोकतंत्र के लिए अधिक संख्या में लोगों की मतदान में भागीदारी है आवश्यक: नन्दी

संवाददाता

प्रयागराज, । वोटर चेतना महाअभियान एवं बूथ सशक्तिकरण अभियान के तहत आज उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अपने प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के नैनी एरिया में बूथ अध्यक्षों के घर जाकर उनसे मुलाकात किया।

वहीं वोटर चेतना महाअभियान के अन्तर्गत फॉर्म भरवाकर वोट बढ़वाए जाने एवं बीएलओ, बूथ अध्यक्ष एवं कार्यकताओं के साथ बैठक करके अधिक से अधिक नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोडऩे की अपील की।मंत्री नन्दी ने

कहा कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि अधिक संख्या में लोग मतदान में भागीदारी करें। इसी को लेकर चुनाव आयोग द्वारा लगातार मतदाता बनाने का कार्य किया जाता है। भारतीय जनता पार्टी का विश्वास स्वस्थ लोकतंत्र में ही रहा है, इसीलिए भारतीय जनता पार्टी लगातार मतदाता पुनरीक्षण अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने वाला दल रहा है। इस बार भी भारतीय जनता पार्टी अपने देशव्यापी वोटर चेतना महाभियान के माध्यम से नए मतदाताओं और छूटे हुए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराने के अभियान में लगी हुई है।मंत्री नन्दी ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस अभियान का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष दिलीप केसरवानी, शक्ति केंद्र संयोजक अरविन्द पटेल, पंकज शर्मा, सुभाष पाण्डेय, बबलू तिवारी, अभिषेक पाण्डेय, सुमित वैश्य, अंकुर अग्रवाल, रंजना रस्तोगी, गीता श्रीवास्तव, उर्मिला यादव, अभिषेक तिवारी, भोला पटेल, नितिन केसरवानी आदि उपस्थित रहे।

डीएम के चौपाल को देखते हुए सफाईकर्मियों ने चलाया झाड़ू, किया साफ सफाई

संवाददाता

मीरजापुर, । विकास खंड के न्याय पंचायत उमरिया के पिपरा बाजार में रविवार को सुबह दस बजे से जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन के चौपाल को देखते हुए साफ सफाई व्यवस्था सुदृढ़ रखने के लिए एडीओ पंचायत रुपेश श्रीवास्तव ने न्याय पंचायत वार सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई थी। जिससे साफ सफाई व्यवस्था चका चक रहे। हलिया बाजार में दर्जनों कि संख्या में खुटहां न्याय पंचायत के सफाई कर्मी झाड़ू लेकर सड़क पर झाड़ू लगाकर साफ सफाई किया। गंदगी कूड़ा कचरा को उठाया जिससे बाजार में साफ सफाई व्यवस्था बनी रहे। अचानक सड़क पर सफाईकर्मियों को झाड़ू लगाते हुए देखकर ग्रामीणों में इस बात की चर्चा रही कि किसी अधिकारी का कार्यक्रम है इसलिए सफाईकर्मी हाथों में झाड़ू लेकर साफ सफाई कर रहे हैं, अन्यथा यही सफाईकर्मी

कभी सफाई कार्य करने के लिए दिखाई नहीं देते हैं। आपस में चर्चा कर रहे थे कि काश इस तरह से अधिकारियों का कार्यक्रम लगता रहे जिससे सड़कों पर साफ सफाई व्यवस्था बनी रहे। इसी प्रकार चौपाल वाले गांव में भी दो न्याय पंचायत के सफाईकर्मियों की ड्यूटी साफ सफाई व्यवस्था बनाने के लिए लगाई गई थी जो समय से पहुंचकर साफ सफाई करते हुए दिखाई दिए। इस संबंध में एडीओ पंचायत ने बताया कि साफ सफाई व्यवस्था के लिए हलिया बाजार में खुटहां न्याय पंचायत तथा पिपरा बाजार में दो न्याय पंचायत के सफाईकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

आबकारी विभाग व पुलिस की छापेमारी में तीन शराब तस्कर गिरफ्तार, सात लाख की अंग्रेजी शराब बरामद

गाजियाबाद,। आबकारी विभाग व कौशाम्बी पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री एवं परिवहन पर पूर्णतः अंकुश लगाये जाने के लिए चलाये जा रहे प्रवर्तन अभियान में सोमवार को कौशाम्बी में ईडीएम मॉल के पास छापा मारा।

इस कार्रवाई में टीम ने सात लाख रुपये की तस्करी की शराब के साथ तीन शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि आबकारी टीम एवं थाना कौशाम्बी की संयुक्त टीम ने थाना-कौशाम्बी अन्तर्गत मोहल्ला भोवापुर में ईडीएम मॉल के पास एक गुमटी तथा किराए के एक

मकान से सौरभ निवासी डीबीए फ्लैट, गाजीपुर दिल्ली, अमित प्रताप सिंह निवासी खेड़ा देवत मन्दिर, भोवापुर व सुमित सिंह निवासी सेक्टर 03, वैशाली को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से रॉयल ग्रीन व्हिस्की की 180 एम.एल. धारिता के 90 पौव्वे, व्हाइट एंड ब्लू व्हिस्की की 180 एम.एल. धारिता के 64 पौव्वे, किंग्स गोल्ड विहस्की की 180 एम.एल. धारिता के 64 पौव्वे, रॉकफोर्ड क्लासिक व्हिस्की की 180 एम.एल. धारिता के 37 पौव्वे, हन्ड्रेड पाइपर स्काच व्हिस्की की 180 एम.एल. धारिता के 47 पौव्वे, मेडुसा प्रीमियम स्ट्रांग बीयर की 500 एम.एल. धारिता के 120 कैन, जिन्सबर्ग क्लैसिक स्ट्रांग बीयर की 500 एम.एल. धारिता के 19 कैन एंव मिस इन्डिया ब्रांड की देशी शराब की 200 एम.एल. धारिता के 216 पौव्वे (विदेशी मदिरा के कुल 302 पौव्वे, बीयर के 139 कैन एवं देशी शराब के 216 पौव्वे कुल 167.06 ब.ली.) एवं एक टी.वी.एस. ज्यूपिटर स्कूटी वाहन संख्या यू.पी.14 एफ.एन. 8517 बरामद हुई है। इस शराब का मूल्य सात लाख रुपये है। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में जानकारी दी है कि झंडापुर, गाजियाबाद निवासी राकेश के कहने पर उनके द्वारा यह कार्य किया जाता है जिसके लिए उन्हें राकेश से प्रतिदिन 1000 रुपये मिलते हैं।

संक्षिप्त डायरी

देवरिया में सड़क हादसे में दंपति की मौत

संवाददाता

देवरिया, । बरहज थाना क्षेत्र में महेन के पास सड़क हादसे में दंपति की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान कर पोस्टमार्टम के लिए रविवार को भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मदनपुर थाना क्षेत्र के रमईपुर के रहने वाले मुर्तजा अंसारी (45) और पत्नी सकीना (35) बड़ी लड़की सबीना की शादी का कार्ड लेकर अपने रिश्तेदार के घर जा रहे थे। उनकी महेन के पास किसी वाहन की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई।

स्तन कैंसर का इलाज भविष्य में आयुर्वेदिक औषधि रुद्र रस से होगा

संवाददाता

वाराणसी, । स्तन कैंसर के मरीजों का इलाज अब आयुर्वेदिक औषधियों से संभव हो सकेगा। मॉडर्न मेडिसिन (एलोपैथ) में इसका बहुत संक्षिप्त इलाज है। इन दवाओं के साइड इफेक्ट भी बहुत है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) आयुर्वेद संकाय के रसशास्त्र विभाग में विगत कई वर्षों से कैंसर के उपचार के लिए आयुर्वेदिक औषधि निर्माण पर शोध विभागाध्यक्ष प्रो. देवनाथ सिंह गौतम और आयुर्वेदिक फामेर्सी अधीक्षक के देखरेख में हो रहा है। शोध एवं एम.डी. (आयुर्वेद) के छात्रों को कैंसर के रोक थाम के लिए आयुर्वेदिक औषधि के आविष्कार के लिए शोध प्रबंध भी दिया जा रहा है। प्रो. देवनाथ सिंह गौतम की देखरेख में शोध कर रहे छात्र डॉ. मनोज दास ने कैंसर के उपचार के लिए रुद्र रस पर शोध किया। रुद्र रस में पारद, गंधक से निर्मित रस सिंदूर, हीरक भस्म में पुनर्नवा स्वरस,चोलयी स्वरस, ताम्बुल स्वरस, निर्गुन्डी स्वरस, पिप्पली स्वरस एवं गौमूत्र की भावना देकर निर्मित किया गया। फिर कैंसर सेल लाइन पर तथा चूहों पर इसका क्लिनिकल ट्रायल किया गया। इसमें मिला परिणाम बहुत लाभदायक रहा। भविष्य में इसका क्लिनिकल ट्रायल स्तन कैंसर के मरीजों पर किया जायेगा। यदि इस औषधि का प्रभाव स्तन कैंसर को ठीक करने में पूर्ववत रहेगा तो यह औषधि भविष्य में महिलाओं में स्तन कैंसर का एक सस्ती, प्रभावी एव उपद्रव रहित चिकित्सा व्यवस्था हो सकती है।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के किए दर्शन

संवाददाता

मथुरा, । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अपराह्न 1.30 बजे श्रीकृष्ण जन्मस्थान के दर्शन वैदिक मंत्रोच्चारण एवं श्रीहरिः नाम संकीर्तन के साथ किया। इस अवसर पर श्रीकृष्ण-जन्मस्थान सेवा-संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुवेर्दी ने योगी आदित्यनाथ का स्वागत प्रसादी-पटुका ओढ़ाकर एवं पूजाचार्यों ने मंगलार्चन-स्वास्तिवाचन के साथ किया। वैदिक मंत्रोच्चारण एवं मृदंग-मजीरे की मंगल ध्वनि के मध्य अश्टभुजा मां योगमायाजी का पूजन-अर्चन किया। तदोपरान्त भगवान श्रीकृष्ण की पुण्य प्राकट्य भूमि 'श्रीगर्भ-गृहजी' में भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का पंचोपचार पूजन कर पूजाचार्यों ने मुख्यमंत्री को प्रसादी के रूप में पटका, प्रसाद एवं पगड़ी प्रदान की। इस बीच श्रीकृष्ण-जन्मभूमि परिसर में उपस्थित हजारों श्रद्धालु योगी को श्रीकृष्ण - जन्मस्थान पर देखकर अभिभूत हो उठे, वह सहज भाव से 'जय श्रीराम' के जयघोश कर उठे। मुख्यमंत्री ने भी श्रद्धालुओं का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान प्रदेश के गृह सचिव संजय प्रसाद मौजूद रहे।

THE PHOTON NEWS

06 www.thephotonnews.com
Thursday, 23 November 2023

पराली पर सख्ती

राजधानी दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण की समस्या को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता न सिर्फ सराहनीय है, बल्कि कुछ राज्य सरकारों की उदासीनता को देखते हुए यह अनिवार्य भी बन गई है। खासकर पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं और उसके दुष्प्रभावों पर लंबे विमर्श व हिदायतों का खास असर न होता देख सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पंजाब सरकार से कुछ सख्त सवाल किए। शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि जो लोग पराली जलाने से बाज नहीं आ रहे, उन पर अतिरिक्त जुमार्ना क्यों नहीं लगाया जा रहा और अन्य आर्थिक लाभों से वंचित करने का विकल्प उनके विरुद्ध क्यों नहीं आजमाया जा रहा? अदालत ने छोटे व गरीब किसानों से सहानुभूति जताते हुए राज्य सरकार से साफ-साफ कहा कि उन्हें वित्तीय मदद पहुंचाना राज्य का काम है। जाहिर है, पंजाब सरकार अब तक इस मामले में किसानों को भरोसे में नहीं ले पाई है, जिसका खामियाजा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को भुगतना पड़ता है। दरअसल, हमारे देश में राजनीतिक प्रदूषण इतना गहरा हो गया है कि इसमें जल और वायु प्रदूषण जैसी जानलेवा स्थितियां भी एक-दूसरे पर तोहमत मढ़ने का विषय बनने लगी हैं। जिस मानवीय समस्या का सर्वमान्य निदान संबंधित सरकारों को आपस में मिल-बैठकर निकालना चाहिए, उसे वे दलीय चश्मे से देखे जा रही हैं और आम शहरी का सांस लेना दूभर हो चला है। पहले दिल्ली सरकार पंजाब और हरियाणा पर आरोप लगाती थी कि वहां पराली जलाने से राजधानी में वायु गुणवत्ता बिगड़ी है, मगर जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, उसका नजरिया बदल गया है। अदालत ने इस पहलू पर भी टिप्पणी की है। इसमें कोई दोराय नहीं कि पंजाब और हरियाणा ने हरित क्रांति में अहम भूमिका निभाई; देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाने में यहां के किसानों का बड़ा योगदान है। मगर इसका आर्थिक लाभ उन्हें भी मिला है। इसलिए, चंद किसानों को लोगों की सेहत से खिलवाड़ की छूट नहीं दी जा सकती। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का निहितार्थ यही है। पंजाब के किसानों के हित में यही है कि वे अपनी फसल प्राथमिकताओं पर नए सिरे से गौर करें। राज्य में धान उत्पादन पर अधिक जोर देने का साफ-साफ असर भूजल-स्तर पर दिखने लगा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की यह चिंता भी वाजिब है कि यदि वहां की जमीन में नमी की मात्रा कमजोर पड़ती गई, तो इसका नतीजा भयानक हो सकता है। न्यायमूर्ति एस के कौल ने तो पंजाब सरकार के साथ-साथ अन्य राज्य सरकारों को भी यह सलाह दी है कि वे अपने-अपने सूबे के किसानों को पर्यावरण एवं जल की स्थानीय उपलब्धता के अनुरूप फसलें चुनने को प्रेरित करें। केंद्र-राज्य सरकारों और राजनीतिक दलों को अब एक ऐसी संस्कृति विकसित करनी ही होगी, जिसमें नागरिकों के स्वास्थ्य की कीमत पर राजनीति की कोई गुंजाइश न हो। मुनासिब यही होगा कि सुप्रीम कोर्ट की चिंताओं और हिदायतों के आलोक में पंजाब सरकार पराली जलाने वालों के खिलाफ त्वरित कदम उठाए। जिन छोटे किसानों को वित्तीय मदद की दरकार है।

अधूरी रह गयीं हसरतें

दो दशक बाद, विश्व कप के फाइनल में भारत फिर से ऑस्ट्रेलिया के सामने था और नतीजा वही ढाक के तीन पात रहा। वर्ष 2003 के विश्व कप में जोहान्सबर्ग में हुए आखिरी मैच में, भारत के खिलाफ रिकी पोंटिंग की टीम विजेता बनी थी। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में हुआ ताजा शिखर मुकाबला भी कुछ अलग साबित नहीं हुआ। पैट कमिन्स और उनके साथी वैसे ही अपराजेय बने रहे। दोनों चैंपियनशिप में, अंतिम बाधा से पहले तक सारी ताकत भारत के साथ दिख रही थी। लेकिन बतौर कप्तान तब सौरभ गांगुली को और अभी रोहित शर्मा को गहरी पीड़ा सहनी पड़ी है। नीली जर्सी वाले खिलाड़ी पूरे विश्व कप के दौरान जबरदस्त फॉर्म में थे। बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने अजेय होने का आभामंडल बना लिया था। उन्होंने 10 मैचों में लगातार जीत दर्ज की और अभियान के शुरूआती चरण में ऑस्ट्रेलिया के भी छक्का छुड़ाये। राउंड-रॉबिन लीग चरण में सभी प्रतिद्वंद्वियों को परास्त करके भारत ने अपनी निरंतरता प्रदर्शित की, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने एक बार फिर यह दिखाया कि विविध-टीमों वाले आईसीसी टूनामेंटों के फाइनल बिल्कुल अलग तरह की चुनौती पेश करते हैं। इस महाद्वीपीय देश के खिलाड़ी अब छह विश्व कप जीत चुके हैं और वर्तमान कप्तान कमिन्स ने अपना कद बढ़ा लिया है। रविवार का फाइनल सूखे धब्बों वाली सुस्त पिच पर हुआ जिसने अपनी रवानी में चल रहे भारतीय बल्लेबाजों के प्रदर्शन को प्रभावित किया। भले ही रोहित, विराट कोहली और के.एल राहुल ने रन बटोरे, लेकिन बाकी बल्लेबाजों की टाइमिंग गड़बड़ाती रही। बाद में रात के वक्त, खासकर जब ओस पड़ रही थी, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को आजमाने के लिए 240 रन का कुल स्कोर काफी नहीं था। मात्र 47 रन पर तीन विकेट गिराकर, भारत ने अवसर की एक खिड़की खोली थी, लेकिन ट्रेविस हेड ने विश्व कप फाइनल के इतिहास के सर्वोत्तम शतकों में से एक जड़कर उस दरवाजे को बंद कर दिया। इस खब्बू बल्लेबाज के 137 रनों की चर्चा लंबे समय तक होती रहेगी। लेकिन मैच का टर्निंग प्वाइंट शायद वह लम्हा था जब उन्होंने रोहित शर्मा द्वारा की जा रही जोरदार धुनाई का अंत डाइविंग कैच लेकर किया। भारत वहीं ठिठक गया। ऑस्ट्रेलिया की इस शानदार जीत में उसकी हैरतअंगेज फील्डिंग का बड़ा योगदान रहा।

इजरायल-हमास टकराव में युद्ध का मैदान बनता अस्पताल

ANALYSIS

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है। वहां से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है। दूसरी ओर निर्दोष नागरिक जान गंवा रहे हैं। इजरायल के सामने दोहरा संकट है। एक और तो निर्दोष नागरिकों को बचाना है तो दूसरी ओर आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना भी है। दुनिया के देश दो खेमों में बट चुके हैं। एक तरफ हॉस्पिटल क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई के लिए इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी तरफ हमास की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा है। दरअसल 7 अक्टूबर को हमास ने जिस तरह से इजरायल पर मात्र 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दाग कर इजरायल सहित सारी दुनिया को सकते में ला दिया था। जिस तरह से हमास का हमला हुआ उससे इजरायल ही नहीं अपितु सारी दुनिया सकते में आ गई। इसका कारण भी है।

मानव इतिहास में शायद यह पहला उदाहरण होगा जब हॉस्पिटल युद्ध का मैदान बना हो। इजरायल-हमास युद्ध में यही हो रहा है। आज गाजा पट्टी का अल-शिफा हॉस्पिटल रणक्षेत्र बन गया है। इसके लिए अकेले इजरायल को दोष देना किसी भी दृष्टि से सही नहीं है, वहीं हॉस्पिटल को युद्ध का मैदान बनाना भी किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता। जो परिस्थितियां सामने आ रही हैं उसने हालात ही ऐसे बना दिए हैं। इजरायल दावा कर रहा है कि अस्पताल परिसर में आतंकवादी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे के संकेत मिले हैं। इजरायल का दावा है कि अस्पताल के नीचे हमास का मुख्यालय और कमांड सेंटर है और यहां से आतंकवादी गतिविधियों का संचालन हो रहा है। वहां से भारी मात्रा में हथियारों का जखीरा भी मिला है। दूसरी ओर निर्दोष नागरिक जान गंवा रहे हैं। इजरायल के सामने दोहरा संकट है। एक और तो निर्दोष नागरिकों को बचाना है तो दूसरी ओर आतंकवादी गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई करना भी है। दुनिया के देश दो खेमों में बट चुके हैं। एक तरफ हॉस्पिटल क्षेत्र में सैन्य कार्रवाई के लिए इजरायल को दोषी ठहराया जा रहा है तो दूसरी तरफ हमास की आतंकवादी गतिविधियों को दोषी ठहराया जा रहा है। दरअसल 7 अक्टूबर को हमास ने जिस तरह से इजरायल पर मात्र 20 मिनट में पांच हजार से ज्यादा राकेट दाग कर इजरायल सहित सारी दुनिया को सकते में ला दिया था। जिस तरह से हमास का हमला हुआ उससे इजरायल ही नहीं अपितु सारी दुनिया सकते में आ गई। इसका कारण भी है। इजरायल की सुरक्षा व्यवस्था, सूचना तंत्र, प्रतिरक्षा,

और सैन्य व्यवस्था की सारी दुनिया लोहा मानती रही है। हमास द्वारा अचानक एक साथ पांच हजार राकेट दागना और उसके बाद लगातार एक दूसरे में युद्ध जारी रहना इजरायल के सामने बड़ी चुनौती के रूप में उभरे हालात है। इजरायल सीधे-सीधे इसे अपनी तौहीन समझ रहा है तो उसकी प्रतिष्ठा पर दुनिया के देशों के सामने आंच आई है। जानकारों की मानें तो हमास के इस हमले में ईरान का हाथ है। ईरान नहीं चाहता कि इजरायल और सउदी अरब के बीच आपसी सुलह हो जबकि अमेरिका दोनों देशों के बीच सुलह या यों कहें कि सहमति करवाना चाहता है। एक तरह से ईरान अमेरिकी प्रयासों को विफल करने में जुटा है। दरअसल हमास फिलिस्तीनी राजनीतिक व सैन्य संगठन है। यह भी कहा जा सकता है कि यह फिलिस्तीन का चरमपंथी सैन्य संगठन है। 1987 के बाद यह संगठन अस्तित्व में आया है और यह अपने आप में एक शक्तिशाली चरमपंथी संगठन के रूप में विकसित हो चुका है। गाजा पट्टी जानकारों की मानें तो इस क्षेत्र में हमास ने सुरंगों का जाल बिछा रखा है। कौन-सा मेन होल या दरवाजा किस सुरंग का रास्ता है यह पता करना आसान नहीं है। वहीं सुरंगों का यह जाल पूरे क्षेत्र में फैला हुआ है। अनजाने में यहां प्रवेश करना घातक इस मायने में है कि कब कहां विस्फोट हो जाए अंदाज भी नहीं लगाया जा सकता। जानकारों की मानें तो गाजापट्टी क्षेत्र में चारों तरफ सुरंगों का नेटवर्क फैला हुआ है और यहां से चरमपंथी गतिविधियों के साथ ही रणनीति तैयार करने से लेकर उसे अंजाम देने का नेटवर्क संचालित हो रहा है। माना जा रहा था कि इजरायल के आगे हमास अधिक दिनों तक संघर्ष नहीं कर पायेगा पर इसके उलट लगभग 40 दिन से अधिक होने के बाद भी जंग कम होने का नाम ही नहीं ले रही है। हमास की ताकत को भी कमतर आंकने की गलती इस मायने में नहीं की जा सकती कि 40 दिनों से संघर्ष करते हुए अभी पीछे हटने को तैयार नहीं है तो दूसरी और इजरायल ने भी अब हमास को पूरी तरह तहस नहस करने का मन बना लिया है। एक के बाद एक ताबड़तोड़ कार्यवाही हो रही है। 40 दिनों में दोनों तरफ से 13 हजार से अधिक लोगों के मरने के समाचार है। इनमें निर्दोष और बच्चों तक के मरने के समाचार है। हास्पिटल का युद्ध क्षेत्र में तब्दील होना अपने आप में गंभीर है। इसे किसी भी हालात में सही नहीं ठहराया जा सकता। 1949 के जनेवा कन्वेंशन के अनुसार शिक्षा संस्थान यानी की स्कूल, हॉस्पिटल और धार्मिक स्थानों को युद्ध के लिहाज से सुरक्षित क्षेत्र घोषित किया गया हैं। दुनिया के देष इसी का हवाला देते हुए इजरायल की आलोचना कर रहे हैं तो इजरायल का कहना है कि हमास हास्पिटल को सुरक्षा ढाल बनाकर आतंकवादी गतिविधियों को संचालित कर रहा है। इजरायल का यह भी दावा है कि इजरायल द्वारा 12 घंटे का नोटिस देकर इस क्षेत्र को आतंकवादी गतिविधि मुक्त करने को कहे जाने के बाद भी कोई असर नहीं पड़ रहा है। इजरायल का यह भी कहना है कि हमास द्वारा आतंकवादी गतिविधियों के संचालन के लिए अस्पताल क्षेत्र का उपयोग इंटरनेशनल लॉ का खुले आम उल्लंघन है। उसका यह भी दावा है कि अस्पताल में आवश्यक उपकरण, दवाएं आदि उपलब्ध कराए जा रहे हैं ताकि अस्पताल की गतिविधियां सुचारू रूप से संचालित हो सके। सवाल यह नहीं है कि कौन गलत है या कौन सही? सवाल सीधा यह है कि किसी भी देश या संगठन को नैतिकता के सामान्य सिद्धांतों और इंटरनेशनल मानकों की अवहेलना की अनुमति दी जा सकती। दुनिया के देशों के सामने एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आपसी संघर्ष अब कुछ घंटों या दिनों में समाप्त होने वाला नहीं रह गया है। शक्तिशाली रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका उदाहरण है तो हमास-इजरायल संघर्ष भी इसी दिशा में बढ़ता हुआ है। एक समय था जब यह माना जाने लगा था कि भविष्य के युद्ध चंद घंटों के होंगे वह मिथक पूरी तरह से टूट गया है। इंटरनेशनल हालात से एक बात और साफ हो गई है कि यूएनओ अपना वर्चस्व व पहचान खोता जा रहा है। यूएनओ की दशा और दिशा दोनों पर ही मंथन की आवश्यकता है। जब अस्पताल जैसे क्षेत्र आतंकवादी गतिविधियों और सैन्य प्रतिक्रिया के केन्द्र बनते जा रहे हैं तो इंटरनेशनल लॉ और सहमति व उसकी बात बेमानी होगा। कौन दोषी है या कौन निर्दोष, इससे इतर दुनिया के देशों, बुद्धिजीवियों, शांतिवादी शक्तियों व गैरसरकारी संगठनों को आगे आकर इस पर गंभीर चिंतन मनन करना होगा।

लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

राजस्थान में लड़खड़ाता तीसरा मोर्चा

राजस्थान विधानसभा चुनाव का प्रचार चरम पर पहुंच गया है। मतदान 25 नवम्बर को है। सभी राजनीतिक दलों के बड़े नेता व स्टार प्रचारक लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। भाजपा की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई प्रदेशों के मुख्यमंत्री व बड़े नेता लगातार चुनावी रैलियां को संबोधित कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल रखी है। जहां कांग्रेस व भाजपा पूरे जोशखरोश के साथ चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, तीसरी ताकत बनकर चुनाव परिणाम बदलने का दावा करने वाले तीसरे मोर्चे के दलों की स्थिति कमजोर लग रही है। विधानसभा चुनाव से पहले तीसरे मोर्चे के नेता बड़े-बड़े दावे कर सत्ता की चाबी अपने हाथ में होने की बात कह रहे थे। मगर मौजूदा चुनावी परिदृश्य को देखकर तो लगता है कि तीसरे मोर्चे के दल अपनी उपस्थिति दर्ज करवा पाने में ही नाकाम लग रहे हैं। तीसरे मोर्चे में शामिल बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, एमआईएमआईएम, वामपंथी दल, हरियाणा की जननायक जनता पार्टी, भारतीय ट्राइबल पार्टी व भारत आदिवासी पार्टी ने चुनाव से पूर्व अधिकांश सीटों पर चुनाव लड़ने के बड़े-बड़े दावे किए थे। मगर चुनावी मैदान में इनमें से कोई भी पार्टी सभी सीटों पर प्रत्याशी नहीं उतर पाई है। पिछले चार चुनावों से प्रदेश में अपनी उपस्थिति दर्ज करवा रही बहुजन समाज पार्टी ने भी 175 प्रत्याशियों को चुनावी मैदान में उतारा है। इस पार्टी के कई प्रत्याशियों ने तो कांग्रेस व भाजपा के प्रत्याशियों के पक्ष में अपने नाम वापस ले लिए या फिर उनको अपना समर्थन दे दिया है। वही तिजारा से पार्टी ने इमरान खान को प्रत्याशी बनाया था। जिसने अंतिम समय में कांग्रेस से टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतर गए। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा पार्टी की जीत के बड़े-बड़े दावे तो कर रहे हैं मगर कैसे जीतेंगे इस बात का उनके पास कोई जवाब नहीं है। बसपा सुप्रीमो मायावती भी चुनावी प्रचार में उतर चुकी है। उन्होंने पूर्वी राजस्थान के अलवर, भरतपुर,झुंझुनू जिलों की कई विधानसभा सीटों पर अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में जनसभाएं भी की है। बसपा के सामने सबसे बड़ा संकट पार्टी कि साख को लेकर है। बसपा से 2008 व 2018 में 6-6 विधायक चुने गए थे। मगर दोनों ही बार सभी विधायकों ने कांग्रेस में शामिल होकर पार्टी को धत्ता बता दिया था। इसलिए लोगों का मानना है कि यदि बसपा के प्रत्याशियों को जीता भी दिया तो वह पार्टी में रहेंगे इस बात की क्या गारंटी है। पिछली बार के विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी को 6 सीट व 4.03 प्रतिशत मत मिले थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी जहां पिछली बार 142 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। वहीं, इस बार सिर्फ 88 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। चुनाव से पहले तो अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान राजस्थान में कई बड़ी जनसभाओं को संबोधित किया था। मगर चुनावी अभियान के दौरान दोनों ही नेता अभी तक राजस्थान नहीं आए हैं। पिछले चुनाव में आम आदमी पार्टी के सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई थी। आप को को सिर्फ 68051 वोट मिले थे। नागौर सांसद व राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल चुनाव से पहले बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। मगर चुनाव में उन्होंने सिर्फ 78 सीटों पर ही प्रत्याशी उतारे है और उत्तर प्रदेश की आजाद समाज पार्टी कांशीराम के साथ गठबंधन किया है। जिसके अध्यक्ष चंद्रशेखर रावण स्वयं उत्तर प्रदेश के गोरखपुर सीट से चुनाव में बुरी तरह हार चुके हैं। उन्हे मात्र 7640 वोट ही मिले थे। हनुमान बेनीवाल ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सहित कई बड़े नेताओं के सामने प्रत्याशी नहीं उतारे हैं। यहां तक कि पिछले साल सरदार शहर उपचुनाव में 46000 वोट लेने के उपरांत भी उन्होंने वहां से अपने प्रत्याशी का नामांकन फॉर्म वापस करवा दिया। पिछले विधानसभा चुनाव में बेनीवाल की पार्टी से 58 प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे थे। जिनमें तीन जीतने में सफल रहे थे वहीं 48 उम्मीदवारों की जमानत जप्त हो गई थी। बेनीवाल की पार्टी को 856038 यानी 2.40 प्रतिशत मत मिले थे। इस बार बेनीवाल सांसद रहते स्वयं खीवसर से अपने भाई नारायण बेनीवाल के स्थान पर चुनाव लड़ रहे हैं। आदिवासी बेल्ट में पिछली बार भारतीय ट्राइबल पार्टी नामक नई पार्टी ने 11 सीटों पर चुनाव लड़कर दो सीट जीती थी। उनके आठ प्रत्याशियों के जमानत जब्त हो गई थी। तब पार्टी ने 255100 यानी 0.72 प्रतिशत मत प्राप्त किए थे। इस बार भारतीय ट्राइबल पार्टी का विभाजन हो गया और इससे टूटकर बनी भारत आदिवासी पार्टी ने 27 व भारतीय ट्राइबल पार्टी ने 17 प्रत्याशी मैदान में उतारे हैं। हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की एमआईएमआईएम पार्टी के सिर्फ दस प्रत्याशी ही खड़े हुए हैं। जबकि चुनाव से पहले ओवैसी 40 से 50 सीटों पर चुनाव लड़ने की बात कर रहे थे। चर्चा है कि ओवैसी को 10 सीटों पर भी मुश्किल से ही प्रत्याशी मिल पाए हैं। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। दांतारामगढ़ सीट पर कांग्रेस के मौजूदा विधायक वीरेंद्र चौधरी के सामने उनकी पत्नी रीटा चौधरी जननायक जनता पार्टी से खड़ी होकर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है। राजस्थान में वामपंथी दलों की स्थिति भी कोई ज्यादा अच्छी नहीं है। पिछली बार दो सीटों पर जीतने वाली माकपा 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

वेलडन टीम इंडिया

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में रविवार को खेले गए वर्ल्ड कप फाइनल का नतीजा देशवासियों को वह खुशी नहीं दे पाया जिसका करोड़ों आंखें इंतजार कर रही थीं। लेकिन यह क्रिकेट का ऐसा पहलू है, जो इस खेल को खेल बनाए रखता है। इसमें जीत-हार से आगे जाता है यह सवाल कि कौन खेला कैसा। और इस कसौटी पर देखें तो फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम निश्चित रूप से अच्छा खेली, जिसका इनाम उसे जीत के रूप में मिला भी। लेकिन बात पूरे वर्ल्ड कप की करें तो टीम इंडिया की बराबरी में शायद ही कोई दूसरी टीम दिखेगी। 11 में से दस मुकाबले उसने न केवल जीते बल्कि अपने उत्कृष्ट खेल से तमाम खेल प्रेमियों को चकित करती रही। अपनी आंखों के सामने अपनी टीम को खेलते, खिलते और चमकते हुए शिखर की ओर बढ़ते देखना हर भारतीय के लिए आंखें जुड़ाने वाला अनुभव साबित हो रहा था। एक

मैच की जीत-हार, भले वह फाइनल ही क्यों न हो, देशवासियों से उस अनुभव का रोमांच नहीं छीन सकती। खासकर इसलिए भी कि उस टीम के खुलने, खिलने और चमकने में इंडिया या भारत के खुलने, खिलने और चमकने की कहानी भी बयां हो रही थी। जो विविधता इस टीम में दिख रही थी, वही भारत की भी विशिष्टता रही है। उस विविधता की चमक में ही देश की चमक छिपी हुई है। कैसे भूल सकते हैं कि शुभमन गिल पंजाब के सुदूर बसे एक ऐसे गांव से आते हैं, जो पाकिस्तान बॉर्डर से महज 8 किलोमीटर दूरी पर स्थित है, रवींद्र जाडेजा के पिता जामनगर में वॉचमैन का काम करते थे और मोहम्मद सिराज हैदराबाद में ऑटोरिक्शा चलाया करते थे। देशवासियों के हर हिस्से और हर तबके के खून और पसीने से मिलकर बनी है यह टीम। फाइनल मैच का नतीजा इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि रोहित शर्मा एक ऐसे कप्तान के रूप में उभरे हैं, जो हमेशा टीम को खुद से आगे रखता है। न ही यह तथ्य बदल सकता है कि विराट कोहली और मोहम्मद शमी ने खुद जीकर सिखाया है कि कैसे अपने खेल को निरंतर मांजते हुए अपना बेस्ट वर्जन पेश किया जाता है। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बीच एक देश के रूप में हमें इस वर्ल्ड कप से मिले कुछ उन सबकों को भी याद रखना होगा जो बताते हैं कि हममें कई बिंदुओं पर सुधार की जरूरत है। खासकर यह कि धर्म, जाति और क्षेत्र का चश्मा अक्सर हमारे क्रिकेट के प्यार को धूमिल कर देता है। चाहे वह अपने मोहम्मद शमी की किसी भूल से उपजी नाराजगी हो या पाकिस्तान जैसे देश की टीम के खिलाड़ियों के खिलाफ कुछ लोगों की ओर से व्यक्त की गई भावना, फूहड़ प्रतिक्रिया क्रिकेट स्पिरिट को कमजोर करती है। उस स्पिरिट को जो खेल को खेल की तरह लेना और उसे सेलिब्रेट करना सिखाती है।

अंधेरे में छलांग

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के रूप में स्व-घोषित अराजक-पूंजीवादी जेवियर माइली की जीत, इस लैटिन अमेरिकी देश के चार दशकों के लोकतंत्र के एकदम से धुर दक्षिणपंथ की ओर मुड़ जाने का प्रतीक है। जब शुरूआती नतीजे आए, तो श्री माइली ने राष्ट्रपति अल्बर्टो फर्नांडीज की निवर्तमान वामपंथी सरकार में अर्थव्यवस्था (इकॉनोमी) मंत्री सर्जियो मस्सा के 44 फीसदी के मुकाबले 56 फीसदी मत हासिल किए थे। चुनाव अभियान के दौरान, श्री माइली ने दशकों से मध्यमार्गी-वाम ह्लपेरोनिस्टह्व आंदोलन का वर्चस्व वाले राजनीतिक प्रतिष्ठान को ह्लसपाटह्व करने, केंद्रीय बैंक को ह्लउड़ाह्व देने और अर्थव्यवस्था का पुनर्निर्माण करने की कसमें खाईं थीं। अर्जेंटीना के नेताओं ने ऐतिहासिक रूप से अर्थव्यवस्था को ठीक करने की कोशिश की है और असफल रहे हैं। लेकिन अर्जेंटीना के अपने मानक के अनुसार भी आज अर्थव्यवस्था बेहद ही खराब हालत में है। सालाना मुद्रास्फीति 140 फीसदी को पार कर गई है, जोकि दुनिया में सबसे अधिक मुद्रास्फीति में से एक है। इस देश की 40 फीसदी से ज्यादा आबादी गरीबी में जी रही है। और इसकी मुद्रा, पेसो, ऐतिहासिक निचले स्तर पर गिर गई है। एक डॉलर अब 1,000 पेसो के बराबर है, जो कि 2020 की शुरूआत में कोविड-19 के आने से पहले 80 पेसो के बराबर था। श्री माइली ने जहां आर्थिक संकट के लिए राजनीतिक प्रतिष्ठान और विशेष रूप से वामपंथियों पर हमला बोला, वहीं श्री मस्सा, जिनकी निगरानी में ताजा संकट सामने आया, एक असरदार जवाबी अभियान चला पाने में नाकाम रहे। श्री माइली की जीत अमेरिकी महादेश में धुर दक्षिणपंथ के लिए एक प्रोत्साहन है। अमेरिका के डोनाल्ड ट्रम्प और ब्राजील के जायर बोल्सनारो के मुरीद, श्री माइली उन्हीं विचारों की वजह से राजनीतिक सुर्खियों में आए हैं जो उनके भविष्य के प्रशासन को लेकर चिंता पैदा करते हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

सागवाड़ा में मेरे परिवारजनों के उत्साह और उमंग से साफ है कि 3 दिसंबर को राजस्थान में भाजपा की बहुमत की सरकार बनने जा रही है।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)

भारतीय समाज और आध्यात्मिक परंपरा में महिलाओं तथा शक्ति की अवधारणा को विशेष स्थान और सम्मान दिया गया है। आज उत्कृष्टता के हर क्षेत्र में, यहां तक कि सेनाओं में भी, हमारी बेटियां अपनी प्रभावशाली पहचान बना रही हैं। मैंने देखा है कि अधिकांश उच्च शिक्षण संस्थानों में पदक तथा उपाधियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की संख्या छात्रों से अधिक होती है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के ट्विटर अकाउंट से)

समस्त प्रदेशवासियों को झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। एक जनप्रतिनिधि के रूप में प्रदेश के हर व्यक्ति की आवाज विधानसभा के पटल पर पहुंचे, इसके लिए हम सदैव प्रयासरत हैं!

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

आयशर ने हेवी-ड्यूटी ट्रकों की नॉन-स्टॉप सीरीज लॉन्च की

इस रेंज में आने वाले चार ट्रक बेस्ट इन क्लास पॉवर, बेहतर अपटाइम और 100% कनेक्टिविटी के वादे के साथ आते हैं

नई दिल्ली ।

वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड की बिजनेस यूनिट आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने आयशर नॉन-स्टॉप सीरीज के लॉन्च की घोषणा की, जो हैवी ड्यूटी वाले ट्रकों की एक नई सीरीज है जिसे देश में तेजी से बदलती लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया गया है। चार नए हेवी-ड्यूटी ट्रकों वाली नॉन-स्टॉप सीरिज पॉवरफुल और फ्यूल एफिशिएंट इंजनों से लैस है और फ्लिट ओनर्स को बेहतर परफॉर्मेंस और बेहतर अपटाइम प्रदान करने के लिए एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेट है। आयशर प्रो 6019ड्ढक्क्ष, टिपर; आयशर प्रो 6048 एक्सपी, हॉलेज ट्रक; आयशर प्रो 6055ड्ढक्क और आयशर प्रो 6055ड्ढक्क 4×2, ट्रैक्टर-ट्रक, आयशर के भारी, मध्यम और हल्के ड्यूटी ट्रकों और बसों की एक्सटेंसिव लाइन-अप के कॉम्प्लीमेंट करता हैं।

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, वीईसीवी के एमडी और सीईओ, श्री विनोद अग्रवाल ने कहा, ÷हमें एचडी ट्रकों की नॉन-स्टॉप रेंज पेश करने में बहुत गर्व है जो इंडस्ट्री में स्टैंण्डर्ड स्थापित करेगा, जो न केवल हमारे कस्टमरों की सफलता के लिए हमारे डेडिकेशन का रिप्रजेंट करेगा बल्कि हमारे देश में लॉजिस्टिक्स की एफिशियंसी और कॉस्ट में सुधार की दिशा में भी। हमारे इंडस्ट्री के लीडिंग अपटाइम सेंटर और माय आयशर ऐप द्वारा सपोर्टेड, यह नई रेंज आयशर कस्टमरों के लिए अधिक प्रोडक्टिविटी और प्रोफीबिलटी प्रदान करेगी।

वीईसीवी के एचडी ट्रक बिजनेस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गगनदीप सिंह गंधोक ने इस माइलस्टोन के महत्व के बारे में बताते हुए कहा , आयशर अपने कस्टमरो को एक मजबूत हेवी-ड्यूटी पोर्टफोलियो प्रदान करता है, जो एक कनेक्टेड सर्विस इकोसिस्टम द्वारा सपोर्टेड है जिसके परिणामस्वरूप प्रोडक्टिविटी और प्रॉफिबिलटी में वृद्धि होती है। वाहनों की नई सीरीज को असाधारण परफॉर्मेंस सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है और एआई और मशीन लर्निंग का लाभ उठाने वाले हमारे हॉलिस्टिक सर्विस सॉल्यूशन के साथ, वे बिजनेस और प्रॉफिबिलटी में नॉन स्टॉप ग्रोथ देने के लिए तैयार हैं।

बेस्ट इन क्लास पॉवर और टॉर्क के साथ नॉन-स्टॉप सीरिज-

आयशर प्रो 6048एक्सपी : 48-टन जीवीडब्ल्यू के साथ, यह वाहन,फ्यूल एफिशिएंट वीडीएक्स 8 इंजन द्वारा संचालित है जो 300 एचपी की हाई पावर प्रदान करता है। 1200 एनएम का हाई इंजन टॉर्क लंबी दूरी के ट्रांसपोर्टेशन में बेहतर परफॉर्मेंस और हाई प्रोडक्टिविटी सुनिश्चित करेगा।

आयशर प्रो 6055एक्सपी और आयशर प्रो 6055/1 (4X2) : ये ट्रैक्टर ट्रेलर एक इकोनॉमिकल वीईडीएक्स8 इंजन द्वारा संचालित होते हैं, जो 300 एचपी की टॉप नॉट पॉवर प्रदान करता है जो 1200 एनएम का मैक्सिमम टॉर्क पैदा करता है। वाहनों को ऑप्टिमम परफॉर्मेंस, बेहतर टर्नअराउंड टाइम और लंबी दूरी की लॉजिस्टिक्स के लिए बेहतर अपटाइम के लिए एक मजबूत और बेहतरीन ड्राइवलाइन के साथ डिजाइन किया गया है।

आयशर प्रो 6019एक्सपीटी : वीईडीएक्स 5, 5.1रु4सिलेंडर इंजन के साथ, 240 एचपी का पावर आउटपुट और 900 एनएम का मजबूत टॉर्क डिलीवरी प्रदान करने वाला, आयशर प्रो 6019 एक्सपी टिपर बेहतर परफॉर्मेंस, रिलायबिलटी, बढ़ी हुई प्रोडक्टिविटी और बेहतर रेवेन्यू जनरेशन प्रदान करेगा। इसका शानदार पॉवर टू वेट रेश्यो इसे बेहतर पुलिंग स्ट्रेंथ और उत्कृष्ट ग्रेडेबिलिटी के साथ सशक्त बनाता है, जिसके परिणामस्वरूप त्वरित टर्नअराउंड और अधिक ट्रिप होती हैं।

आरबीआई गवर्नर ने एनबीएफसी की बैंक ऋणों पर अधिक निर्भरता पर जताई चिंता

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को एनबीएफसी द्वारा अपने ऋण परिचालन के वित्तपोषण के लिए बैंकों से लिए जा रहे ऋण पर गंभीर चिंता व्यक्त की और कहा कि यह सिस्टेम में एक जोखिम के रूप में उभरा है। एफआईबीएसी 2023 सम्मेलन को संबोधित करते हुए, दास ने कहा कि एनबीएफसी को अन्य स्रोतों से धन जुटाने और उच्च इंटरकनेक्टेडनेस के कारण जोखिम को कम करने के लिए बैंकों पर अपनी निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी कहा कि कई ऋणदाता अपने निर्णय लेने के लिए एल्गोरिदम पर बहुत अधिक निर्भर हैं और निवेश निर्णय लेने से पहले डेटा का अधिक सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने की आवश्यकता है। आरबीआई गवर्नर ने इस तथ्य को भी रेखांकित किया कि माइक्रोफाइनेंस के मामले में ऋणदाताओं द्वारा बहुत अधिक ब्याज दरें ली जा रही हैं और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अधिक पारदर्शिता लाने की आवश्यकता है और ब्याज की सूखी दरों से बचने की जरूरत है। साथ ही, दास ने कहा कि सभी व्यावसायिक और वित्तीय संस्थाओं को विकास सुनिश्चित करने के लिए नए अवसरों का लाभ उठाने और क्षमताओं का विस्तार करने, मानव संसाधनों को कौशल देने और नई प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए निवेश की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, देश में संभावनाएं नई ऊंचाई पर हैं और इसे भारत का क्षण बनाने का समय आ गया है।

दोषपूर्ण ऑटोपायलट सिस्टम के बारे में टेस्ला व एलन मस्क को थी जानकारी : अमेरिकी न्यायाधीश

सैन फ्रांसिस्को।

अमेरिका के एक न्यायाधीश ने फैसला सुनाया है कि इस बात के ठोस सबूत हैं कि टेस्ला और उसके सीईओ एलन मस्क को पता था कि उसकी इलेक्ट्रिक कारों में दोषपूर्ण ऑटोपायलट सिस्टम हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने ईवी को उन क्षेत्रों में चलाने की अनुमति दी जो सुरक्षित नहीं हैं।

फ्लोरिडा मुकदमा मियामी में 2019 की दुर्घटना के बाद दायर किया गया था, जब स्टीफन बैनर का मॉडल 3 एक 18-पहिया ट्रक के ट्रेलर के नीचे चला गया था, जो सड़क पर पलट गया था, इससे टेस्ला कार की छत कट गई और बैनर की मौत हो गई। टेकक्रंच की रिपोर्ट के अनुसार, जज स्कॉट के इस निष्कर्ष का कि टेस्ला के शीर्ष प्रबंधन को खामियों के बारे में पता था, इसका मतलब यह भी हो सकता है कि मस्क को गवाही देनी होगी। फैसले के अनुसार, टेस्ला ने उत्पादों को स्वायत्त के रूप में विपणन किया और ऑटोपायलट के बारे में मस्क के सार्वजनिक बयानों का उत्पादों की क्षमताओं के बारे में विश्वास पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। फैसले का मतलब है कि जिस व्यक्ति की टेस्ला के ऑटोपायलट के साथ टक्कर में मौत हो गई, उसका परिवार मुकदमा चला सकता है और जानबूझकर कदाचार और घोर लापरवाही के लिए टेस्ला से दंडात्मक हर्जाना मांग सकता है। अगस्त में, एक महिला ने अमेरिका में टेस्ला पर मुकदमा दायर किया, जब उसके पति की 2020 में मॉडल 3 वाहन से हुई दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 46 वर्षीय ज्युंग वू हैन की 12 मार्च, 2022 को न्यूयॉर्क में मृत्यु हो गई, जब उनकी टेस्ला कार में खराबी आ गई और वह एक पेड़ से टकराकर आग की लपटों में घिर गई।

डीजीसीए ने यात्री-केंद्रित मानदंडों की अनदेखी के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया

नई दिल्ली।

देश के विमानन नियामक डीजीसीए ने यात्री-केंद्रित नियमों का अनुपालन न करने के लिए टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। डीजीसीए ने कहा कि उसने नियमों में निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सभी अनुसूचित विमान सेवा कंपनियों द्वारा यात्रियों को प्रदान की जाने वाली सुविधाओं/मुआवजे से संबंधित दायित्वों के निर्वहन का पता लगाने के लिए के मई और सितंबर में दिल्ली, कोच्चि और बेंगलुरु हवाई अड्डों पर निरीक्षण किया। डीजीसीए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एयरलाइनों के निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि एयर इंडिया प्रासंगिक नागरिक उड्डयन आवश्यकता (सीएआर) के प्रावधानों का अनुपालन नहीं कर रहा था। तदनुसार, 3 नवंबर को एयर इंडिया को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, जिसमें उसकी प्रतिक्रिया मांगी गई थी। एयर इंडिया द्वारा दिए गए जवाब के बाद यह पाया गया कि उसने सीएआर के प्रावधानों का अनुपालन नहीं किया है। अन्य बातों के अलावा, विलंबित उड़ानों से प्रभावित यात्रियों के लिए होटल आवास प्रदान नहीं करना, उनके कुछ ग्राउंड कर्मियों को प्रशिक्षण नहीं देना, सीएआर में निर्धारित शर्तों और अनुपयोगी सीटों पर यात्रा करने के लिए मजबूर करने के बाद अंतर्राष्ट्रीय बिजनेस क्लास के यात्रियों को मुआवजे का भुगतान न करना शामिल है। अधिकारी ने कहा, डीजीसीए ने नियमों का पालन न करने पर एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का वित्तीय जुर्माना लगाया है।

भारत के कैग संयुक्त राष्ट्र के लेखा परीक्षक पैनल के उपाध्यक्ष चुने गये

नई दिल्ली।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) गिरीश चंद्र मुर्मू को वर्ष 2024 के लिए संयुक्त राष्ट्र लेखा परीक्षक पैनल का उपाध्यक्ष चुना गया है। कैग ने कहा, यह मान्यता बाहरी ऑडिट के उच्चतम मानकों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और वैश्विक ऑडिट परिदृश्य को आकार देने में उसकी सक्रिय भागीदारी को रेखांकित करती है। मुर्मू ने 20-21 नवंबर 2023 को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित बाहरी लेखा परीक्षकों के पैनल के 63वें सत्र में भाग लिया था। बाहरी लेखा परीक्षकों का पैनल जिसमें वैश्विक स्तर पर 12 सर्वोच्च लेखा परीक्षा संस्थानों (एसएआई) के प्रमुख शामिल हैं, संयुक्त राष्ट्र सचिवालय, निधियों और कार्यक्रमों और विशेष एजेंसियों के बाहरी लेखा परीक्षा की देखरेख करते हैं। इस स्वतंत्र निकाय में कनाडा, चिली, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, फिलीपींस, रूस, स्विट्जरलैंड और ब्रिटेन के प्रतिनिधि शामिल हैं। यह संयुक्त राष्ट्र संस्थाओं के वित्तीय, प्रदर्शन और अनुपालन का ऑडिट करता है।

ज़ोमैटो, स्विगी को 500 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिसः रिपोर्ट

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो और स्विगी को डिलीवरी शुल्क पर 500 करोड़ रुपये के जीएसटी नोटिस मिले हैं। बुधवार को मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। दोनों ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ग्राहकों से डिलीवरी फीस के नाम पर कुछ पैसे वसूलते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक टैक्स अधिकारियों और फूड डिलीवरी ऐप्स के बीच डिलीवरी फीस को लेकर अक्सर विवाद होता रहता है, जिसमें करीब 1000 करोड़ रुपये का विवाद होता है। ज़ोमैटो ने संपर्क करने पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। स्विगी ने भी कोई टिप्पणी नहीं की। ज़ोमैटो और स्विगी के अनुसार, डिलीवरी चार्ज कुछ और नहीं बल्कि डिलीवरी पार्टनर्स द्वारा वहन की जाने वाली लागत है जो घर-घर खाना पहुंचाने जाते हैं। कंपनियां बस ग्राहकों से वह लागत वसूलती हैं और इसे डिलीवरी पार्टनर्स को दे देती हैं। लेकिन, रिपोर्ट के मुताबिक टैक्स अधिकारी इससे सहमत नहीं हैं। पिछले महीने, स्विगी ने खाने के ऑर्डर के लिए प्लेटफ़ॉर्म शुल्क दो रुपये से बढ़ाकर तीन रुपये कर दिया था। स्विगी के एक प्रवक्ता ने आईएएनएस को बताया, प्लेटफ़ॉर्म शुल्क में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुआ है। अधिकांश सेवा प्रदाता यह शुल्क लगाते हैं, और उद्योगों में यह एक आम बात है। अप्रैल में, कंपनी ने कार्ट मूल्य से स्वतंत्र प्रति ऑर्डर दो रुपये का प्लेटफ़ॉर्म शुल्क लागू किया था। ज़ोमैटो ने अगस्त में अपना प्लेटफ़ॉर्म शुल्क भी शुरुआती दो रुपये से बढ़ाकर तीन रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया। ज़ोमैटो ने ज़ोमैटो गोल्ड यूजरों से प्लेटफ़ॉर्म शुल्क लेना शुरू कर दिया, जिन्हें पहले छूट दी गई थी।

टेस्ला के यूएस साइबरट्रक कारखाने में विस्फोट से कर्मचारी घायल

सैन फ्रांसिस्को । एलन मस्क द्वारा ग्राहकों को पहला साइबरट्रक देने की तैयारी के बीच खबर है कि टेस्ला के टेक्सास गीगाफैक्ट्री में विस्फोट से कर्मचारी घायल हो गए हैं। गौरतलब है कि टेस्ला की विशाल टेक्सास फैक्ट्री में, जहां साइबरट्रक का निर्माण किया जा रहा है, श्रमिकों की चोटें और सुरक्षा चूक आम हैं। टेस्ला द्वारा अमेरिका में ओएसएचए को दी गई सूचना के अनुसार 2022 में प्रत्येक 21 श्रमिकों में से एक को चोट लगी थी। 2021 में, एक इंजीनियर टेस्ला की टेक्सास फैक्ट्री में रोबोट के निर्माण को नियंत्रित करने वाले सॉफ़्टवेयर की प्रोग्रामिंग कर रहा था, तभी कुछ गलत हो गया। रिपोर्ट में दावा करने वाले लोगों का हवाला देते हुए कहा गया है कि रोबोटों में से एक ने इंजीनियर को पटक दिया, अपने पंजे उसके शरीर में घुसा दिए और उसकी पीठ और बांह पर गंभीर घाव कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रत्यक्षदर्शियों में से एक ने कहा, एक अन्य कर्मचारी द्वारा आपातकालीन स्टॉप बटन दबाए जाने के बाद, इंजीनियर रोबोट की पकड़ से बाहर आया। टेस्ला द्वारा ट्रैविस काउंटी, टेक्सास को सौंपी गई एक रिपोर्ट में कथित तौर पर रोबोट से संबंधित घटना है, लेकिन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान से स्पष्ट रूप से मेल नहीं खाती है। अगस्त 2022 में, एक श्रमिक घायल हो गया। एक अन्य के सिर में चोट लगी। नए साल 2023 के आसपास विस्फोट से एक कर्मचारी बेहोश हो गया था। यह विस्फोट कथित तौर पर अनजाने में पिघले एल्युमीनियम प्रेस मशीन में पानी मिल जाने के कारण हुआ। कैलिफ़ोर्निया में टेस्ला की फ़्रेमोंट फ़ैक्टरी का भी श्रमिकों की चोटों का एक समान इतिहास है।

ओपनएआई में लौट आए सैम ऑल्टमैन

सैन फ्रांसिस्को।

ओपनएआई कथा के अंतिम मोड़ पर सैम ऑल्टमैन ने बुधवार को कहा कि वह नए बोर्ड और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला के समर्थन के साथ चैटजीपीटी विकासशील कंपनी में लौट रहे हैं। एक्स पर एक पोस्ट में, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें ओपनएआई पसंद है और पिछले कुछ दिनों में उन्होंने जो कुछ भी किया है वह इस टीम और इसके मिशन को एक साथ रखने की सेवा में है। उन्होंने पोस्ट किया, जब मैंने रविवार शाम को माइक्रोसॉफ्ट में शामिल होने का फैसला किया, तो यह स्पष्ट था कि यह मेरे और टीम के लिए सबसे अच्छा रास्ता था। उन्होंने कहा, नए बोर्ड और नडेला के समर्थन के साथ, मैं ओपनएआई में लौटने और माइक्रोसॉफ्ट के साथ हमारी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने की उम्मीद कर रहा हूं। ओपनएआई ने कहा कि वह ब्रेट टेलर (अध्यक्ष), लैरी समर्स और एडम डीएंजेलो के नए प्रारंभिक बोर्ड के साथ सीईओ के रूप में ओपनएआई में लौटने के लिए ऑल्टमैन के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गया है। नडेला ने कहा कि वे ओपनएआई बोर्ड में बदलाव से प्रोत्साहित हैं। नडेला ने एक्स पर पोस्ट किया,÷हमारा मानना है कि यह अधिक स्थिर, सुविज्ञ और प्रभावी शासन की राह पर पहला आवश्यक कदम है। सैम, ग्रेग और मैंने बात की है और सहमति व्यक्त की है कि उन्हें ओएआई नेतृत्व टीम के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है कि ओएआई अपने मिशन को जारी रखे और आगे बढ़े। उन्होंने कहा, हम अपनी मजबूत साझेदारी को आगे बढ़ाने और एआई की इस अगली पीढ़ी का मूल्य अपने ग्राहकों और भागीदारों तक पहुंचाने के लिए तत्पर हैं। नडेला ने घोषणा की थी कि ऑल्टमैन और ओपनएआई के सह-संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन अपनी उन्नत एआई अनुसंधान टीम को चलाने के लिए कंपनी में शामिल होंगे।

शेयर बाजार में रही रौनक, बीएसई सेंसेक्स 92.47 अंक चढ़कर बंद

मुंबई ।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बुधवार को शेयर बाजार लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में हरे निशान पर बंद हुआ। इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी और आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार को समर्थन मिला। हालांकि, वैश्विक बाजारों में मिलेजुले रुख के बीच विदेशी निवेशकों की बिकवाली ने बाजार की बढ़त को सीमित कर दिया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बुधवार को 65,839.62 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 66,063.43 के शीर्ष लेवल तक गया। अंत में यह 92.47 अंक चढ़कर 66,023.24 पर बंद हुआ। इस तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 28.45 अंक की बढ़त के साथ 19,811.85 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी-50 की 29 कंपनियों के शेयर हरे जबकि 20 के शेयर लाल निशान में बंद हुए जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एनटीपीसी के शेयर में सबसे ज्यादा 1.50 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। साथ ही पावर ग्रिड, टाइटन, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एशियन पेंट्स, टाटा मोटर्स, टेक महिंद्रा, नेस्ले और आईटीसी के शेयर हरे रंग पर बंद हुए। वहीं इंडसइंड बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, महिंद्रा एंड महिंद्रा, जेएसडब्ल्यू स्टील, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर गिरकर बंद हुए। बता दें कि इंडेक्स में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईटीसी और इंफोसिस के शेयर में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। साथ ही अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों में नरमी से आईटी और फार्मा शेयरों में खरीदारी से भी घरेलू शेयर बाजार में तेजी आई।

स्टॉक एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। उन्होंने मंगलवार को 455.59 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। वहीं, मंगलवार को बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 275.62 अंक या 0.42 प्रतिशत चढ़कर 65,930.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 89.40 अंक या 0.45 प्रतिशत बढ़कर 19,783.40 पर बंद हुआ था।

पतंजलि ने गलत दावा किया तो हर प्रोडक्ट पर 1 करोड़ का जुर्माना : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि यदि हर्बल उत्पादों का कारोबार करने वाली कंपनी पतंजलि गलत दावा करती है तो हर प्रोडक्ट पर एक करोड़ रुपयों का जुर्माना लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने पतंजे लि आयुर्वेद को कई रोगों के संबंध में अपनी दवाओं के बारे में विज्ञापनों में 'झूठे' और 'भ्रामक' दावे करने के प्रति मंगलवार को आगाह किया। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई करते हुए मौखिक टिप्पणी में कहा, 'पतंजलि आयुर्वेद के ऐसे सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा। शीर्ष अदालत ने टीकाकरण अभियान और आधुनिक दवाओं के खिलाफ योग गुरु रामदेव पर अभियान का आरोप लगाने वाली आईएमए की याचिका पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और आयुष मंत्रालय तथा पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को नोटिस जारी किया था। पीठ ने पतंजलि आयुर्वेद से कहा कि वह चिकित्सा की आधुनिक पद्धतियों के खिलाफ भ्रामक दावे और विज्ञापन प्रकाशित न करें। यदि यह गलत दावा किया जाता है कि किसी विशेष बीमारी को ठीक किया जा सकता है तो पीठ प्रत्येक उत्पाद पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाने पर भी विचार कर सकती है। शीर्ष अदालत ने केंद्र की ओर से पेश वकील से भ्रामक चिकित्सा विज्ञापनों के मुद्दे का समाधान तलाशने को भी कहा, जहां कुछ बीमारियों का सटीक इलाज करने वाली दवाओं के बारे में दावे किए जा रहे हैं। पीठ अब आईएमए की याचिका पर अगले साल 5 फरवरी को सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए एलोपैथी और एलोपैथिक चिकित्सकों की आलोचना करने के लिए रामदेव की कड़ी आलोचना की थी और कहा था कि उन्हें डॉक्टरों और उपचार की अन्य प्रणालियों को बदनाम करने से रोका जाना चाहिए। पीठ ने कहा था, 'गुरु स्वामी रामदेव बाबा को क्या हुआ है? हम उनका सम्मान करते हैं क्योंकि उन्होंने योग को लोकप्रिय बनाया। लेकिन, उन्हें दूसरी पद्धति की आलोचना नहीं करनी चाहिए'।

ईडी ने फेमा उल्लंघन मामले में बायजू रवींद्रन को कारण बताओ नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के निर्णायक प्राधिकरण ने एडटेक फर्म थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड और बायजू रवींद्रन को 9362.35 करोड़ रुपये की कथित हेराफेरी के मामले में विदेशी मुद्रा विनिमय प्रबंधन अधिनियम (फेमा) 1999 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया है। ईडी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि उसने कंपनी को प्राप्त विदेशी निवेश और उसके व्यावसायिक आचरण के संबंध में विभिन्न शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की थी। यह भी कहा गया कि कंपनी ने भारत के बाहर महत्वपूर्ण विदेशी धन भेजा और विदेशों में निवेश किया जो कथित तौर पर फेमा, 1999 के प्रावधानों का उल्लंघन था और इससे भारत सरकार को राजस्व का नुकसान हुआ। जानकारी के आधार पर ईडी ने इस साल 27 और 28 अप्रैल को थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के परिसर और बायजू रवींद्रन के आवास पर तलाशी ली और कंपनी द्वारा प्राप्त सभी निवेशों के साथ-साथ विदेशी निवेशों से संबंधित दस्तावेजों को जब्त कर लिया। ईडी ने कहा कि जांच के दौरान बायजू रवींद्रन और थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के मुख्य वित्तीय अधिकारी के बयान दर्ज किए गए। ईडी ने कहा, जांच के निष्कर्ष पर यह पाया गया कि थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड और बायजू रवींद्रन ने भारत के बाहर किए गए अग्रिम प्रेषण के खिलाफ आयात के दस्तावेज जमा करने में विफल होकर भारत के बाहर किए गए निर्यात की आय का एहसास करने में विफल होकर फेमा के प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

मांडू

प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग

मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित मांडू एक खूबसूरत, प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण आकर्षक पर्यटन स्थल है। यह शहर प्रेम, आनन्द और उल्लास का प्रतीक है। विंध्य की पहाड़ियों में 2000 फीट की ऊंचाई पर स्थित मांडू 10वीं शताब्दी में मालवा के परमार राजाओं की राजधानी रहा। लगभग 13वीं शताब्दी तक उस पर मालवा के सुल्तान का शासन रहा। यह शहर रानी रूपमती और बादशाह बाज बहादुर के अमर प्रेम का साक्षी है। मांडू की भूमि सदैव रानी रूपमती और राजा बाज बहादुर के प्रेम गीतों को गुनगुनाती-सी प्रतीत हो ती है। अकबर ने मालवा के अंतिम शासक बाज बहादुर को हराकर इसे अपनी मुगल सल्तनत में मिला लिया था। यहां के खंडहर और इमारतें हमें इतिहास के उस झरोखे का दर्शन कराते हैं जिसमें मांडू के शासन की विशाल समृद्ध विरासत और शान- ओ-शौकत की दास्तान दिखती है। मांडू की प्राकृतिक खूबसूरती के कारण इसे प्रकृति प्रेमियों का स्वर्ग कहा जाता है। शहर के ऐतिहासिक महत्व एवं प्रेम से जुड़ी अनेक गाथाओं के कारण इसे खुशियों का शहर भी कहा जाता है। यहां अनेक ऐतिहासिक महलों, इमारतों, मस्जिदों तथा भव्य स्मारकों का दीदार किया जा सकता है। मालवा के स्वर्ग यानी मांडू अथवा मांडवगढ़ की जानते हैं कुछ विशेषताएं

जहाज महल: यह 120 मीटर लम्बा दो मंजिला जहाज के आकार का एक खूबसूरत महल है। पानी के बीच में स्थित यह महल तैरता हुआ-सा प्रतीत होता है। इसका निर्माण गयासुद्दीन खिलजी द्वारा किया गया था। चांदनी रात में इस महल की छटा देखते ही बनती है।

हिंडोला महल: यह जहाज महल के उत्तर में स्थित है। गयासुद्दीन खिलजी ने इसका नाम 'हिंडोला महल' रखा था, क्योंकि यह झूलता हुआ प्रतीत होता है। इस महल में एक विशाल सभागार है। महल के आगे के हिस्से की सजावट व संगमरमर के पत्थरों पर की गई सूक्ष्म जालीदार नक्काशी अपने आप में अनूठी है। इसकी कला अपने में एक मिसाल है।

बाज बहादुर पैलेस : यह 16वीं शताब्दी में निर्मित एक आकर्षक महल है। इस महल के बड़े-बड़े हालनुमा कमरे, अनेक छज्जे तथा चबूतरे इसकी खूबसूरती को कई गुना बढ़ा देते हैं। महल के बीचोबीच एक खूबसूरत कुंड है। महल की छत से आसपास के दृश्य की मनमोहकता दिलोदिमाग को ताजगी का अहसास करा देती है। पर्यटक यहां से प्रकृति से रूबरू हो जाते हैं।

रूपमती मंडप : यह मंडप रानी रूपमती के लिए राजा बाज बहादुर द्वारा बनवाया गया था। इस स्थान पर आकर रूपमती प्रतिदिन नर्मदा नदी के दर्शन किया करती थी। इस स्थान का प्राकृतिक सौन्दर्य अपने आप में अनूठा है। यहां से प्रकृति का दिलकश नजारा लेने में आनंद की अनुभूति होती है।

रेवा कुंड : इस जलाशय का निर्माण राजा बाज बहादुर द्वारा कराया गया था जो रानी रूपमती के महल में पानी समुचित व्यवस्था के लिए था।

होशंगाह का मकबरा : यह भारत की अनूठे किस्म के संगमरमर की इमारत है जो अफगान स्थापत्य कला का सुंदर नमूना है। इमारत के चारों कोनों पर विशाल स्तम्भ स्थित है।

कब जाएं

मांडू जाने का सबसे अच्छा मौसम जुलाई से मार्च तक का है। वैसे बारिश के मौसम में यहां का सौन्दर्य देखते ही बनता है। इस समय पर्यटक प्रकृति से पूरी तरह से रूबरू होकर आनंदविभोर जाते हैं।

कैसे जाएं

हवाई, रेल और सड़क मार्ग की अच्छी सुविधा है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा इंदौर है जो लगभग 100 किलोमीटर दूर है। यह देश के बड़े हवाई अड्डों से जुड़ा है। मांडू का निकटतम रेलवे स्टेशन 100 किलोमीटर तथा रतलाम 124 किलोमीटर दूर है। सड़क मार्ग द्वारा इंदौर, उज्जैन, भेपाल, ग्वालियर, खजुराहो आदि स्थानों से मांडू पहुंच सकते हैं।

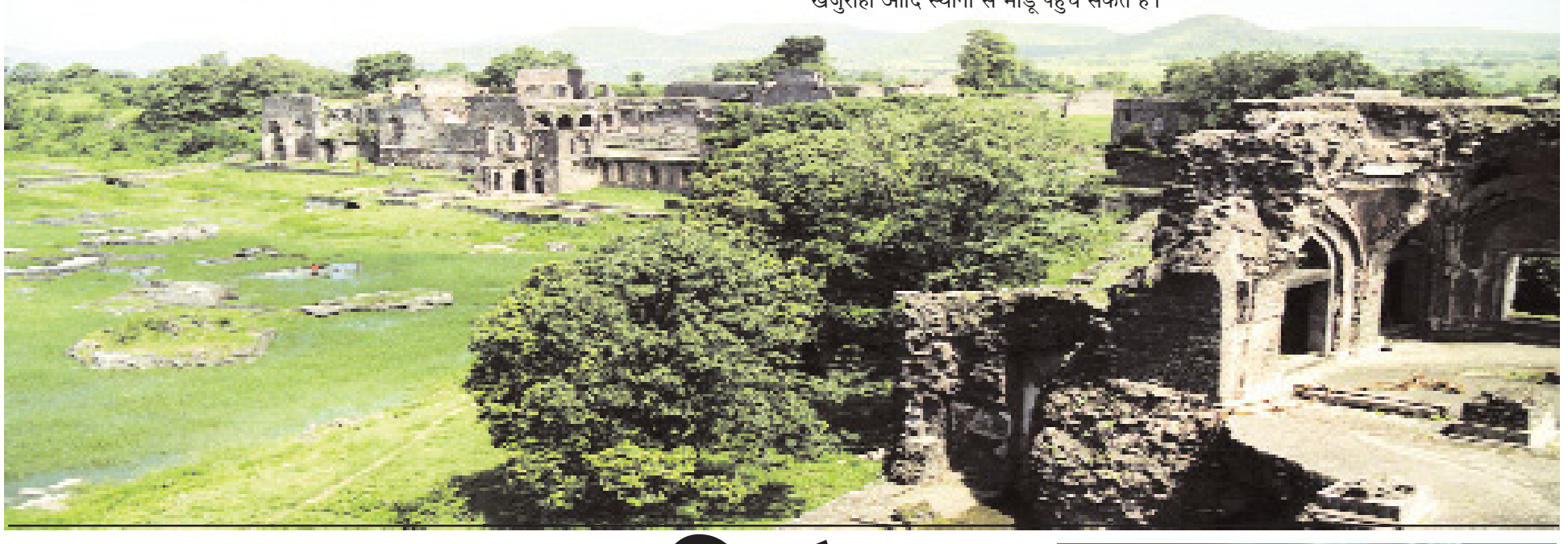

थाईलैंड

एक तरह का राम राज्य है

थाईलैंड में एक तरह से राम राज्य है वहां के राजा को भगवान श्रीराम का वंशज माना जाता है लेकिन भगवान राम के नाम को लेकर वहां कोई धार्मिक विद्वेष अथवा असहिष्णुता नहीं है। भारतीय संस्कृतिक धार्मिक विरासत से जुड़े थाईलैंड में राजा को भगवान का प्रहरी माना जाता है तथा बौद्ध मतावलंबी आबादी वाले इस देश में न केवल बौद्ध मठों बल्कि हिन्दू मंदिरों तथा गिरिजाघरों में भी भगवान की प्रतिमाओं तथा चित्रों के दोनों तरफ सैनिक वेशभूषा में काशी नरेश की भगवान के प्रहरी के रूप में चित्र तथा मूर्तियां लगी रहती हैं।

थाईलैंड आने वाले सैनानियों को यह बात अवश्य ही आश्चर्यचकित करती है कि वहां स्त्रियों तथा पुरुषों के लिए अभिवादन करने के शब्द अलग-अलग हैं। नरेश ऊदयादेव को नौवें राम की पदवी दी गई है। थाईलैंड में संवैधानिक लोकतंत्र की स्थापना 1932 में हुई। भगवान राम के वंशजों की यह स्थिति है कि उन्हें निजी अथवा सार्वजनिक तौर पर कभी भी विवाद या आलोचना के घेरे में नहीं लाया जा सकता है वे पूजनीय हैं।

थाई शाही परिवार के सदस्यों के सम्मुख थाई जनता उनके सम्मानार्थ सीधे खड़ी नहीं हो सकती है बल्कि उन्हें झुक कर खड़े होना पड़ता है। 75 वर्षीय काशी नरेश आधुनिक थाईलैंड के निर्माता माने जाते हैं। वैज्ञानिक चित्रकार तथा अंग्रेजी संगीत के मर्मज्ञ थाई नरेश थाईलैंड की राजनैतिक व्यवस्था में स्थायित्व के प्रतीक हैं। राजकुमार महाकाशी रांगलोंजकोर्स उनके उत्तराधिकारी हैं। उनकी तीन पुत्रियों में से एक हिन्दू धर्म की मर्मज्ञ मानी जाती हैं।

लगभग 6 करोड़ 20 लाख की आबादी वाले थाईलैंड की 94 प्रतिशत आबादी बौद्ध मतावलंबी है, चार प्रतिशत आबादी मुसलमानों, ईसाइयों, हिन्दुओं तथा अन्य मतावलंबियों की है। थाईलैंड के बौद्ध मठों में विशेषतौर पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में रक्षक के रूप में मूर्तियां देखकर सैलानी कौतूहल से भर उठते हैं।

चिआंग माशी में भगवान बुद्ध की प्रतिमा के दोनों तरफ ऐसी ही थाई नरेश की सैन्य वस्त्रों में सुसज्जित प्रहरी के रूप में खड़ी प्रतिमाएं हैं। इस मठ की एक विशेषता भारत से लाए गए पांच बौद्ध वृक्षों में से एक विशाल बोधि वृक्ष है यह बोधि वृक्ष भारत से लाकर खासतौर पर थाईलैंड के तीन प्रांतों में रोपा गया है।

इस मठ में बड़ी तादाद में भारतीय श्रद्धालु खासतौर पर इस बोधि वृक्ष को देखने आते हैं। थाई संस्कृति की एक अन्य विशेषता स्त्रियों तथा पुरुषों के अभिवादन का अलग-अलग तरीका है। थाई महिला अगर आपका स्वागत करती है तो वह हाथ जोड़ कर स्वाकी रक्षा कहेगी लेकिन पुरुष स्वाकी कास कहेंगे।

प्राकृतिक वरदान जैसा है छत्तीसगढ़ का जसपुर

छत्तीसगढ़ के पूर्वी छोर पर स्थित प्राकृतिक रूप से सुसज्जित जशपुर जिला प्राकृतिक वरदान के रूप में प्राप्त जलप्रपातों व हरीतिमा के साथ ही अपने सुहावने मौसम के लिए विख्यात है। समुद्र सतह से लगभग 2700 फीट ऊपर स्थित जशपुर जिले में दर्जनों जल प्रपात हैं। जो पर्यटकों का मन बरबस ही अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

कई पर्यटक ऐसे होते हैं जो प्रकृति की खूबसूरती के साथ ही प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता के बारे में ज्यादा जानकारी पाने की इच्छा रखते हैं और उन्हें क्रिया करते हुए देखना चाहते हैं। ऐसे पर्यटकों के लिए यह स्थल एकदम बढ़िया है।

यहां प्रकृति के उपहार के रूप में साल के बड़े-बड़े वृक्षों से आच्छादित वनों के बीच में स्थित ये जलप्रपात शांत वातावरण में अपने गतिमान जल की मधुर ध्वनि के साथ पर्यटकों को घंटों निहारने को विवश कर देते हैं। आदिवासी बाहुल्य इस जिले में रानी दाह, राजपुरी, सुलेसा, बेने, दनगरी, गुल्लू, दमेरा, महनई, कोतेबिरा आदि मुख्य जलप्रपात हैं।

जिले में कैलाश गुफा, ईब नदी, खुडियारानी, पंडरापाठ, बादरखोल अभ्यार.य, अलोरी पटिया सिरी नदी, महागिरजाघर, अवधूत भगवान राम की सिद्ध पीठ आदि अनेक

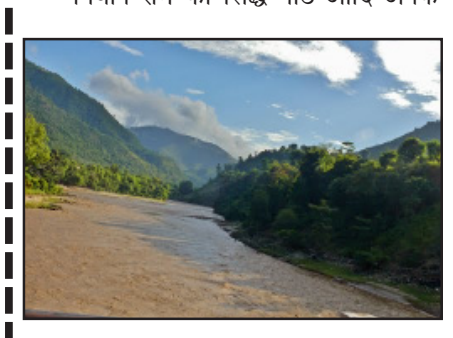

स्थल देखने लायक हैं। पर्यटक बड़े आराम से उपरोक्त स्थलों को सुगमता से देख सकते हैं। यहां का सूर्योदय व सूर्यास्त भी देखने लायक है।

वैसे तो छत्तीसगढ़ पूरा राज्य ही दर्शनीय स्थल है लेकिन जशपुर जिले का राज्य के पर्यटन मानचित्र में अलग ही स्थान है तभी तो यहां सिर्फ पर्यटकों को ही नहीं शोधार्थियों को भी देखा जा सकता है।

यदि आप यहां आना चाहते हैं तो रांची, राउरकेला, झारसुगड़ा, रायगढ़, बिलासपुर तक रेल यात्रा कर बस या किराये के टैक्सी द्वारा यहां आ सकते हैं। यहां पर पर्यटन के दौरान ठहरने की भी उचित व्यवस्था है। आप चाहें तो लोकनिर्माण भवन, वन विभाग, जल संसाधन विभाग के विश्राम गृहों में ठहर सकते हैं या फिर चाहें तो सुविधा लॉज, महामाया लॉज, श्याम लॉज तथा धर्मशालाओं में भी ठहर सकते हैं। यहां लगभग वर्ष भर ही मौसम ठीक रहता है लेकिन गर्मियों के दिनों में यहां आने से बचा जाए तो ठीक रहेगा। जशपुर छोटा किन्तु लुभावना पर्यटन स्थल है। यह जगह भले ही छोटी हो लेकिन यहां पर्यटकों को सभी सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं।

एनआईए ने पंजाब और हरियाणा के 14 स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की

नई दिल्ली । राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पंजाब और हरियाणा के 14 स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की हैं। यह कार्रवाई सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर हमले के संबंध में की गई। इसमें खालिर?तान समर्थक आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू और उस जैसे अपराधियों, सहयोगियों की पहचान करने के लिए यह कार्रवाई की गई है, जिन पर आपराधिक अतिक्रमण, बर्बरता, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, परामर्शदाताओं को नुकसान पहुंचाने का प्रयास, आगजनी और इमारत में आग लगाने का प्रयास जैसे गंभीर आरोप हैं। एनआईए उन सभी अपराधियों और उनके सहयोगियों की पहचान करने और उन पर मुकदमा चलाने के लिए जांच कर रही है। 19 मार्च, 2023 और 2 जुलाई, 2023 के हमलों के पीछे की पूरी साजिश को उजागर करने के लिए एनआईए टीमों द्वारा पंजाब और हरियाणा में 14 स्थानों पर छापे मारे गए। एनआईए की एक टीम ने अगस्त 2023 में सैन फ्रांसिस्को, यूएसए का दौरा किया था ताकि आगजनी और बर्बरता के हिंसक कृत्यों के माध्यम से वाणिज्य दूतावास पर हमलों की घटनाओं की जांच की जा सके, जिससे वाणिज्य दूतावास के कर्मचारियों और समुदाय के बीच डर पैदा हो गया था। अपनी जांच के हिस्से के रूप में, एनआईए ने इन हिंसक घटनाओं में शामिल अमेरिका-आधारित संस्थाओं और व्यक्तियों की पहचान करने और उनके बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए भीड़ से जानकारी जुटाई है। एजेंसी ने पहले ही कुछ इसतरह के व्यक्तियों की पहचान कर ली है जो बार-बार हुए हमलों के पीछे की साजिश का हिस्सा थे। इनमें हमलावर और उनके कई सहयोगी शामिल हैं, जो भारतीय और विदेशी दोनों नागरिक हैं। एनआईए ने जिन स्थानों पर छापेमारी की, वे पंजाब के मोगा, जालंधर, लुधियाना, गुरदासपुर, मोहाली और पटियाला और हरियाणा के कुरूक्षेत्र और यमुनानगर जिलों में फैले हुए थे। कार्रवाई के परिणामस्वरूप अन्य आपत्तिजनक दस्तावेजों के साथ-साथ आरोपी व्यक्तियों से संबंधित जानकारी वाले डिजिटल डेटा को जब्त किया।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार से लाल हुए बाबा रामदेव, पतंजलि को बदनाम करने की साजिश हो रही

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाकर गलत प्रचार नहीं करने की हिदायत देने की खबर आने के बाद इसपर योग गुरु बाबा रामदेव का बयान सामने आया है। रामदेव ने साजिश रचने का आरोप लगाकर कहा कि कुछ डॉक्टरों ने एक समूह बनाया है जो लगातार योग, और आयुर्वेद के खिलाफ प्रचार करता है। अगर हम झूठे हैं, तब हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाए। अगर पंतजली ने कोई गलती की है, तब हम मृत्युदंड के लिए भी तैयार हैं। रामदेव का कहना है सोमवार से अलग-अलग मीडिया साइट्स पर एक खबर वायरल हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर आप गलत प्रचार करते हैं, तब आप पर जुर्माना लगाया जाएगा। बाबा ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट का सम्मान करते हैं, लेकिन हम कोई गलत प्रचार नहीं कर रहे हैं। कुछ डॉक्टरों ने एक समूह बनाया है जो लगातार योग, आयुर्वेद आदि के खिलाफ प्रचार करता है। बाबा रामदेव ने कहा, अगर हम झूठे हैं, तब हम पर 1000 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाएं, और हम मृत्युदंड के लिए भी तैयार हूं लेकिन अगर हम झूठे नहीं हैं, तब उन लोगों को दंडित करें जो वास्तव में झूठा प्रचार कर रहे हैं। पिछले 5 वर्षों से रामदेव और पतंजलि को निशाना बनाकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि के खिलाफ मौखिक टिप्पणी में कहा, पतंजलि आयुर्वेद के इसतरह के सभी झूठे और भ्रामक विज्ञापनों को तुरंत रोकना होगा। अदालत इसतरह के किसी भी उल्लंघन को बहुत गंभीरता से लेगी।

मनीष सिसोदिया पेशी पर पहुंचे कोर्ट, बिना पेजीनेशन के दस्तावेज पर हुई दिक्कत

नई दिल्ली । दिल्ली शराब नीति से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया आज राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। हालांकि कोर्ट ने चार्जशीट से जुड़े दस्तावेजों की जांच अगली सुनवाई से पहले पूरी करने का निर्देश दिया है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को करेगी। कोर्ट में सुनवाई के दौरान मनीष सिसोदिया समेत अन्य आरोपियों के वकील ने सीबीआई द्वारा दिए गए दस्तावेज़ों पर सवाल उठाया है। आरोपियों के वकील ने कहा कि सीबीआई द्वारा दिए गए दस्तावेज़ पर सही तरीके से पेज क्रमांक नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हर तारीख पर मिसिंग दस्तावेजों को लेकर कोई न कोई आवेदन दाखिल कर दिया था। सीबीआई ने कहा कि आरोपियों के वकील की तरफ से ट्रायल में देरी की जा रही है। वहीं आरोपियों के वकील ने कहा कि हमको बिना पेजिनेशन के दस्तावेज दिया है। हजारों पेज के दस्तावेज हैं। बिना पेजिनेशन के दस्तावेज से हमको उनकी जांच करने में दिक्कत होती है। आरोपियों के वकील ने कहा कि दस्तावेजों की पेजिनेटेड कॉपी दी जानी चाहिए। कोर्ट में बुधवार को मामले की सुनवाई के दौरान ईडी यानी प्रवर्तन निदेशालय ने कहा था कि पहले किसी भी आरोपी की तरफ से दस्तावेजों की हार्ड कॉपी की मांग नहीं की गई। आरोपियों के वकील ने कहा कि ईडी की वजह से ट्रायल में देरी हो रही है। हम ट्रायल में देरी नहीं कर रहे हैं। हमारी अर्जियों पर ईडी तीन महीने से जवाब दाखिल नहीं कर रही है। सुनवाई के दौरान कोर्ट को बताया गया कि अमनदीप ढल की स्वास्थ्य के आधार पर दाखिल अंतरिम जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है, मगर अमनदीप ढल की नियमत जमानत की अर्जी अभी हाईकोर्ट में लंबित है। वहीं, ईडी ने कहा कि सभी जरूरी दस्तावेज पहले ही सभी आरोपियों को मेल पर दी जा चुकी है। सभी ऑरिजनल दस्तावेज स्कैन करके भी दिया गया था।

हिमाचल में शुरु हुआ तीखी सर्दी का दौर, पारा पहुंचा माइनस -2.7 डिग्री पर

शिमला । हिमाचल में अब तीखी सर्दी का दौर शुरु हो गया है। यहां एक बार फिर से बारिश और बर्फबारी के आसार बन रहे हैं। हालांकि, बीते 12 दिन से प्रदेश में मौसम ड्राई चल रहा है। लेकिन प्रदेश में बीते एक सप्ताह में 5 डिग्री तक अधिकतम पारा गिरा है। साथ ही न्यूनतम पारे में गिरावट दर्ज की गई है और लाहौल स्पीति का पारा माइनस में लुढ़क गया है। शिमला के मौसम विज्ञान केंद्र ने दो दिन प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश बर्फबारी का अनुमान लगाया है। इस दौरान पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने का अंदेशा जताया गया है। हालांकि, इसके ?लिए अलग से कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र का कहना है कि प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में 26 व 27 नवंबर को बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है। मैदानी व निचले भागों में मौसम साफ बना रहेगा। आईएमडी के अनुसार हिमाचल में 23 नवंबर से एक ताजा कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने जा रहा है। हालांकि, प्रदेश के सभी भागों में 28 नवंबर तक मौसम साफ रहेगा। वहीं, लेह मनाली हाईवे, काजा मनाली एनएच और शिंकुला दारचा मार्ग अगले छह माह के लिए बंद हो गए हैं। फिलहाल, लाहौल के दारचा तक गाड़ियां आ जा सकती हैं। शिमला में अधिकतम तापमान 19.4 डिग्री, मंडी के सुंदरनगर 25.4, भुंतर 25.3, कल्पा 16.5, धर्मशाला 24.0, ऊना 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, लाहौल स्पीति के केलांग में न्यूनतम पारा माइनस 2.6 डिग्री दर्ज किया गया है।

जहरीली शराब से हुई मौत पर मांझी ने नीतीश कुमार को घेरा

पटना। बिहार में कथित तौर पर जहरीली शराब से हुई मौत पर जीतन राम मांझी ने सीएम नितीश कुमार को कटघरे में खड़ा किया है। हाल के दिनों में सीतामढ़ी और गोपालगंज जिले में शराब पीने से हुई लोगों की मौत को लेकर इन दिनों खूब सियासत चल रही है। भाजपा इसे लेकर पहले ही मोर्चा खोल चुकी है। बुधवार को बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है। मांझी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नीतीश कुमार पर जोरदार निशाना साधते हुए लिखा कि ज़हरीली शराब के नाम पर दलितों को थोड़ी-थोड़ी मौत क्यों बांट रहें हैं नीतीश जी एक ही बार जनरल डॉयर की तरह लाइन में खड़ा करके सबको गोली मार दीजिए, आपके नफ़रत का अंत हो जाएगा। जीतन राम मांझी ने आगे लिखा कि ज़हरीली शराब से हो रही मौत को नहीं रोक सकते तो शराबबंदी कानून का क्या मतलब है। कम से कम गुजरात से तो सबक लीजिए। इससे पहले उन्होंने मंगलवार को भी शराब से हुई मौत पर सरकार पर निशाना साधा था। गौरतलब है कि हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के प्रमुख जीतन राम मांझी शुरू से ही शराबबंदी कानून को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। बता दें कि बिहार में पूर्णरूप से शराबबंदी है, जिसमें शराब के सेवन, व्यापार पर रोक है।

42 मीटर तक सफल ड्रिलिंग, जल्द पूरा होगा रेस्क्यू ऑपरेशन

- टनल के बाहर 41 एंबुलेंस खड़ी की जा रही

नयी दिल्ली / उत्तरकाशी(एजेंसी)। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को कहा उत्तराखंड के उत्तरकाशी में आंशिक रूप से ध्वस्त सुरंग से 41 श्रमिकों को निकालने के लिए 11 दिनों से कड़ी मेहनत कर रहे बचावकर्मी अगले 24 घंटों में 'कुछ बड़ी खबर' की उम्मीद करते हैं। अतिरिक्त सचिव तकनीकी, सड़क और परिवहन, महमूद अहमद ने कहा कि 'कुछ बड़ी खबर' की उम्मीद थी क्योंकि अतिरिक्त 880-मिलीमीटर पाइप को मलबे में कई मीटर तक धकेल दिया गया था। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों ने मलबे में तीन पाइप डाले हैं। हालाँकि, उन्होंने कहा कि जब तक अधिकारी सुरंग के अंदर 45-50 मीटर तक नहीं पहुँच जाते, तब तक वह उनके बचाव के लिए सटीक समय सीमा नहीं बता पाएंगे। उन्होंने कहा, 'जब तक हम सुरंग के अंदर 45-50 मीटर तक पहुंचेंगे, हम आपको सटीक समय नहीं बता पाएंगे।' उन्होंने आगे कहा 'अगर कोई रुकावट नहीं आई तो आज रात या कल सुबह कोई बड़ी खबर मिल सकती है। मलबे के साथ एक लोहे की रॉड भी आई है। खुशी की बात यह है कि पाइपलाइन बिछाने के बीच में इस लोहे के कारण कोई दिक्कत नहीं हुई।'

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में सिलक्यारा सुरंग में फंसे श्रमिकों को निकालने के लिए क्षैतिज पाइप 42 मीटर तक डाला गया जिससे फंसे हुए 41 लोगों के जल्द बाहर निकलने की उम्मीद जगी है। सरकार ने एक बयान में कहा कि अब तक क्षैतिज 'ड्रिल' करके 42 मीटर तक या 67 प्रतिशत हिस्से तक पाइप डाला गया है। इसमें कहा गया है कि एक अन्य पाइप के जरिये रोटी, सब्जी, खिचड़ी, दलिया, संतरे और केले जैसेखाद्य पदार्थों की पर्याप्त आपूर्ति की जा रही है। इसके अलावा दवाओं और टी-शर्ट, अंतर्वस्त्र तथा टूथपेस्ट, साबुन जैसी अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी सुनिश्चित की जा रही है।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ)/ राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) द्वारा 'वायर' संपर्क के जरिये एक संशोधित संचार प्रणाली विकसित की गई। बयान में कहा गया है, ''एनएचआईडीसीएल ने ऑगर बोरिंग मशीन का इस्तेमाल करके श्रमिकों को बचाने के लिए सिलक्यारा से क्षैतिज बोरिंग फिर से शुरू कर दी है।''

सिलक्यारा से ढहे हिस्से के मलबे के बीच बोरिंग के काम को शुक्रवार दोपहर को रोक दिया गया था जब अमेरिकी निर्मित ऑगर मशीन को लगभग 22 मीटर के बाद बाधा का सामना करना पड़ा था। क्षैतिज 'ड्रिल' करने का अभियान मंगलवार को फिर शुरू किया गया था। उत्तरकाशी जिले में चारधाम यात्रा मार्ग पर निर्माणाधीन सिलक्यारा सुरंग का एक हिस्सा 12 नवंबर को ढह गया था जिससे मलबे के दूसरी ओर श्रमिक फंस गए थे, जिन्हें निकालने के लिए युद्धस्तर पर बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

भुगतान नहीं होने पर जलबोर्ड संकट में : आतिशी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने एलजी को पत्र लिखते हुए कहा है कि पैसों की कमी से जलबोर्ड में संसाधनों का संकट उत्पन्न हो गया है। भुगतान नहीं होने पर ठेकेदारों ने भी काम करने से इंकार कर दिया है। इस कारण नियमित मरम्मत कार्य प्रभावित हुआ और अन्य कार्य भी बंद पड़े हैं। मंत्री आतिशी का कहना है कि इससे दिल्ली में सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट और महामारी जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि सीवर की सफाई नहीं होगी तो गंदा पानी सड़कों पर ही नहीं, बल्कि घरों तक पहुंचेगा। यह आपातकाल जैसी स्थिति पैदा करने जैसी बात है। मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि वित्त सचिव अवहेलना कर रहे। दरअसल बीते 15 नवंबर को उन्होंने जलबोर्ड की दूसरी किस्त जारी करने के लिए वित्त सचिव और जलबोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी की बैठक बुलाई थी। बैठक को लेकर 14 नवंबर को सूचित किया गया, लेकिन वित्त सचिव ने बैठक में शामिल होने से इंकार कर दिया था। मंत्री आतिशी ने साफ लिखा है कि निर्देशों का पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल और वित्त विभाग दोनों के प्रभारी मंत्री होने के नाते 16 नवंबर को फिर वित्त सचिव आशीष चंद्र वर्मा को दिल्ली में जल संकट का हवाला देते हुए 17 नवंबर तक जल बोर्ड की दूसरी किस्त जारी करने के निर्देश दिए गये थे, लेकिन उसका पालन भी नहीं किया गया है। मंत्री आतिशी का कहना है कि उन्होंने ऐसा करके अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 का उल्लंघन किया है। उन्होंने एलजी को पत्र लिखकर यथास्थिति से अवगत कराया है और उम्मीद जाहिर की है कि उनका सहयोग मिलेगा और समस्या का समाधान हो सकेगा।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में शुरु जी 20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन

-रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष सहित विकास के मुद्दे पर होगी वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच एक बार फिर जी 20 समूह के सदस्य देशों का वर्चुअल शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। हालांकि, बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग शामिल नहीं होंगे। उनकी जगह प्रधानमंत्री ली कियांग बैठक में शामिल होंगे। इस समिट में रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष पर भी बातचीत संभव है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को होने वाले इस आयोजन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, कनाडाई पीएम जस्टिस ट्रूडो भी भागीदारी करेंगे। हालांकि, इस बार भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस समिट से दूरी बना ली है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एक अन्य प्रोग्राम में शामिल होने की वजह से उपस्थिति नहीं हो सकेंगे।

गौरतलब है कि 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में जी-20 समिट आयोजित किया गया था जिसमें ग्रुप के सभी राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया था। लेकिन, चीन के राष्ट्रपति जी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत नहीं आ सके थे। उन्होंने अपने प्रतिनिधियों को समिट में शामिल होने भेजा था। इस दौरान स्वीकृत नई दिल्ली घोषणा पत्र के दौरान वर्चुअल समिट आयोजित करने का प्रस्ताव रखा था।

बुधवार को भारत द्वारा बुलाई गई जी20 की वर्चुअल समिट में दुनिया की सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्थाएं और अफ्रीकी संघ एक साथ आएंगे। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन करीब दो साल में पहली बार जी20 में उपस्थित होंगे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति का प्रतिनिधित्व ट्रेजरी सचिव जेनेट येलेन करेंगी।

रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास संघर्ष के प्रभाव पर भी चर्चा की जाएगी। भारत के शेरपा अमिताभ कांत ने कहा, जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन की हमारी सफल मेजबानी के बाद से दुनिया ने कई घटनाओं को देखा है और कई नई चुनौतियां सामने आई हैं जिसमें विकास के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करेंगे। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने कहा, नेताओं द्वारा चर्चा किए जाने वाले मुद्दों को पहले से तय करना उचित नहीं होगा, क्योंकि भारतीय अधिकारियों ने सितंबर में शिखर सम्मेलन के बाद से कई मुद्दों पर हुई प्रगति को सूचीबद्ध किया है। अमिताभ कांत ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर दो महीने के भीतर जी20 के नेताओं की मेजबानी करेंगे। यह समिट बेहद खास और मायने रखती है। किसी अन्य राष्ट्रपति ने सभी नेताओं की फिजिकल और फिर वर्चुअल बैठक नहीं की है। इन सबके अलावा पीएम ने वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ के दो सत्रों की मेजबानी की है। भारत ने 150 से ज्यादा वैश्विक नेताओं के साथ एक साल में चार ऐसी बैठकें आयोजित की हैं जो वैश्विक स्तर पर प्रधानमंत्री की संयोजक शक्ति और नेतृत्व को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करती हैं।

इससे पहले सितंबर में भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच जी20 शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र पर आम सहमति हासिल की थी। यह एक ऐसा मुद्दा था, जिसने विकसित और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच गतिरोध पैदा करने की धमकी दी थी। भारत अब शिखर सम्मेलन में नेताओं द्वारा सहमत मुद्दों के कार्यान्वयन पर काम कर रहा है। नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान में कहा, भारत की अध्यक्षता में सितंबर में आयोजित समिट में तय किए गए प्रमुख नतीजों और कार्रवाई बिंदुओं पर जी20 वर्चुअल शिखर सम्मेलन बात होगी। दो महीने पहले लिए गए विभिन्न निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन पर भी जोर दिए जाने की उम्मीद है।

'कांग्रेस के पास सिर्फ मुस्लिम वोट..', ओवैसी का राहुल गांधी पर वार, बोले- हम नहीं गए तो अमेठी हार गए, जाते तो क्या होता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सबसे पुरानी पार्टी के एकमात्र मतदाता मुस्लिम समुदाय हैं। राहुल गांधी पर वार करते हुए ओवैसी ने कहा कि हम नहीं गए तो वे (राहुल गांधी) अमेठी हार गए, जाते तो क्या होता? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी वायनाड में इसलिए जीते क्योंकि वहां पर उन्हें 35 प्रतिशत मुस्लिम वोट मिला। हम नहीं गए और स्मृति ईरानी ने उन्हें हरा दिया...वे अपने परदादा, दादी और पिता की सीट नहीं बचा पाए।

ओवैसी ने आगे कहा कि कांग्रेस के पास आज अगर कोई वोटर बचा है तो मुस्लिम आबादी बची है इसलिए जब AIMIM पार्टी अल्पसंख्यकों के अधिकारों की बात करती है तो कांग्रेस पार्टी हमसे परेशान होती है। 1967 में बनाया गया लोकसभा क्षेत्र अमेठी दशकों से कांग्रेस का गढ़ रहा है। 2004 में इस सीट से जीतकर राहुल गांधी के राजनीति में प्रवेश करने से पहले संजय गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी सहित गांधी परिवार के सदस्यों ने इसका प्रतिनिधित्व किया था। वह 2009 में फिर से निर्वाचित हुए लेकिन जीत का

अंतर 2009 में 3,70,198 वोटों से घटकर 2014 में 1,07,903 वोट हो गया। भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने अपने पहले चुनाव में तीन लाख से अधिक वोट हासिल किए।

हालांकि, 2019 के चुनाव में राहुल गांधी ईरानी से हार गए। वह केरल के वायनाड से चुने गए। ओवैसी ने कहा कि गांधी केरल के वायनाड से मुस्लिम वोटों की वजह से जीते। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड जीता क्योंकि मुस्लिम लीग से उन्हें 35त्न मुस्लिम वोट मिले। यह भारतीय राजनीति की सच्चाई है...अगर कांग्रेस के लिए कोई मतदाता बचा है, तो वह मुस्लिम वोट है और यही कारण है कि कांग्रेस एआईएमआईएम की अल्पसंख्यक सशक्तिकरण और नेतृत्व की चिंता से परेशान है। कांग्रेस तेलंगाना में ओवेसी की एआईएमआईएम पर के चंद्रशेखर राव की बीआरएस और भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करने का आरोप लगा रही है।

महिला को भरी पंचायत में जूते पर थूककर चटवाया, 20 जूते भी मारे

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गढ़वा में एक महिला को भरी पंचायत में 20 जूते मारे गए। इतना ही नहीं, उसे जूते पर थूक कर चाटने को मजबूर भी किया गया। और तो और कान पकड़कर सौ दफा उठक-बैठक कराया गया, तथा उस पर 56 हजार रुपए का आर्थिक दंड भी लगाया। इतना सबकुछ करने के बाद भी पंचायत का दिल नहीं भरा तो उसके सामाजिक बहिष्कार का फैसला भी सुनाया गया। हालांकि यह घटना तीन महीने पुरानी है, लेकिन इसकी शिकायत अब दर्ज कराई गई है। महिला का कहना है कि इस घटना के अगले ही दिन ही उसने मेराल थाने में आवेदन दिया था, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं की गई। अब उसने ऑनलाइन कंप्लेन दर्ज कराई है। यह घटना गढ़वा जिले के मेराल थाना अंतर्गत तिसरटेटुका गांव की है। हालांकि पीड़िता मुस्लिम समाज की है। पंचायत भी मुस्लिम समाज के लोगों ने बिठाई थी। महिला का कहना है कि उसे चरित्रहीन और डायन करार देकर यह जुल्म किया गया।

महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि बीते 15 अगस्त की रात लगभग 12 बजे पंचायत बिठाई गई। गांव के जब्बार अंसारी, मुजाहिद अंसारी, इलियास अंसारी, साकिर अंसारी, मोकिर अंसारी, असगर अली, इमामुद्दीन अंसारी और इरशाद अंसारी उसके घर पहुंचे और उसे एवं उसके पति को पंचायत में ले गए। यहां सार्वजनिक तौर पर महिला पर गांव के एक युवक से नाजायज संबंध के आरोप लगाए गए। उस पर डायन होने का भी आरोप मढ़ा गया। महिला और उसके पति ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन पंचायत में महिला को दंडित किया गया। ऑनलाइन शिकायत के आधार पर पुलिस महिला की शिकायत की जांच कर रही है। हालांकि अभी तक किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

'जेबकतरा' और 'पनौती' को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची भाजपा, कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के 'जेबकतरे' और 'पनौती' (अपशकुन) वाले तंज के खिलाफ चुनाव आयोग का रुख किया। राहुल गांधी ने मंगलवार को राजस्थान के एक चुनावी रैली में कहा, 'पनौती...पनौती...पनौती...हमारे लड़के विश्व कप जीतने की राह पर थे लेकिन पनौती ने उन्हें हरा दिया...इस देश के लोग जानते हैं।' आज राजस्थान के भरतपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा जेब कतरा कभी अकेला नहीं आता, तीन लोग होते हैं। एक सामने से आता है, एक पीछे से आता है और एक दूर से देखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का काम आपके ध्यान को इधर-उधर करने का है। वे सामने से टी.वी. में आते हैं और हिंदू-मुस्लिम, नोटबंदी, जीएसटी कहते हैं। पीछे से अडानी आता है और आपका पैसा उठाकर ले जाता है। दूसरी तरफ से अमित शाह देखते हैं कि किसी को पता न लग जाए, दबाकर लाठी मारूंगा।

पोल पैनल को लिखे एक पत्र में, बीजेपी ने लिखा, 'प्रधानमंत्री की तुलना 'जेबकतरा'

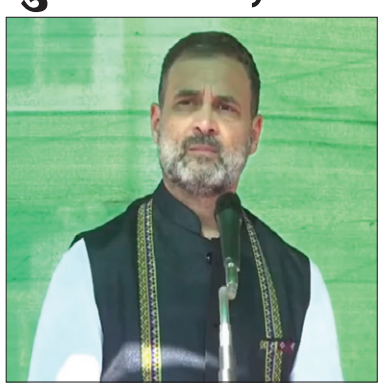

(जेबकतरे) और 'पन्नौती' से करना एक वरिष्ठ नेता के लिए सबसे अशोभनीय है और यह राजनीतिक चर्चा के गिरते स्तर का एक लक्षण है।' भाजपा ने यह भी कहा कि किसी भी व्यक्ति को ऐसे उदाहरण के लिए जाइबकात्र कहना न केवल क्रूर दुर्व्यवहार और व्यक्तिगत हमला है, बल्कि उस व्यक्ति का चरित्र हनन भी है, जिसके खिलाफ ऐसी टिप्पणी उसकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने और जनता को गुमराह करने के स्पष्ट इरादे से की गई है। वहीं, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा और प्रधानमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के लिए कांग्रेस नेता से माफी की मांग की।

पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें इसके महासचिव राधा मोहन दास अग्रवाल और एक अन्य पदाधिकारी ओम पाठक शामिल थे, ने भी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ चुनाव आयोग से कार्रवाई की मांग की, उन्होंने उन पर झूठा दावा करने का आरोप लगाया कि जब वह मुख्यमंत्री थे तब मोदी की जाति को गुजरात की ओबीसी सूची में शामिल किया गया था। पाठक ने कहा, घांची जाति पारंपरिक रूप से तेल निकालने का काम करने वाला समुदाय है, जिसे 1999 में ओबीसी सूची में शामिल किया गया था, जबकि मोदी 2001 में मुख्यमंत्री बने थे। भाजपा ने कहा कि हम चुनाव आयोग से अनुरोध करते हैं कि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के खिलाफ लगातार धोखाधड़ी, आधारहीन और अपमानजनक आचरण के लिए उचित कानूनी कार्रवाई करके और उनके खिलाफ निषेधाज्ञा पारित करके तत्काल हस्तक्षेप करें।

इस साल नवंबर में एयर पलूशन ने तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए

-केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट से लेकर एनजीटी तक ने सरकारों को फटकार लगाई है। अक्टूबर ही नहीं बल्कि नवंबर महीने में भी अब तक हवा में प्रदूषण ने लोगों का सांस लेना तक दूभर किया हुआ है। इतना ही नहीं केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भी मानता है कि इस साल नवंबर में एयर पलूशन ने तमाम रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बोर्ड के मुताबिक बीते 6 सालों में दूसरी बार इतना ज्यादा एयर पलूशन रहा है। इसके पहले 2021 में इतना पलूशन था। इस महीने 8 दिन हवा में पलूशन का स्तर खतरनाक रहा है। इसके अलावा 9 दिन बेहद खराब श्रेणी वाली हवा रही।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के डेटा के मुताबिक 1 नवंबर से 20 नवंबर के दौरान 2018 से 2023 तक में सबसे ज्यादा पलूशन वर्ष 2021 में था। इस साल एयर पलूशन का औसत 383 था। वहीं इस साल औसत एक्यूआई 372 रहा। इसी अवधि में 2020 में 329, 2019 में 353 और नवंबर में 342 रहा। डेटा के अनुसार 2 नवंबर को शाम 4 बजे एयर क्वॉलिटी इंडेक्स 392 था और शाम 5 बजे तक यह औसत 402 तक पहुंच गया। 3 से 6 नवंबर के दौरान एक्यूआई बेहद खतरनाक श्रेणी में पहुंच गया। हालांकि 7 नवंबर को थोड़ा सुधर गया और 395 तक आ गया।

लेकिन 8 और 9 नवंबर को फिर से 400 के पार हो गया। इसके बाद 10 नवंबर को दिल्ली-एनसीआर, हरियाणा और पश्चिम यूपी सहित बड़े इलाके में हुई बारिश से राहत मिली थी। हालांकि 12 नवंबर के बाद से फिर प्रदूषण बढ़ना शुरू हो गया और 13 नवंबर को दिवाली के अगले दिन यह फिर 350 के पार चला गया। फिर 14 नवंबर को यह 397 और अगले दिन यानी 15 को 398 हो गया। फिर 16 और 17 नवंबर को भी प्रदूषण का लेवल बढ़ा रहा। जानकार मानते हैं कि नवंबर के शुरुआती दिनों में हवा की गति कम होने से प्रदूषण बढ़ जाता है। इसके अलावा पराली जलने से यह संकट और गहराता है। बीते साल के मुकाबले इस बार पलूशन अधिक रहने की वजह यह भी थी कि 2022 में अक्टूबर महीने में अच्छी खासी बारिश हुई थी। इस बार ऐसा

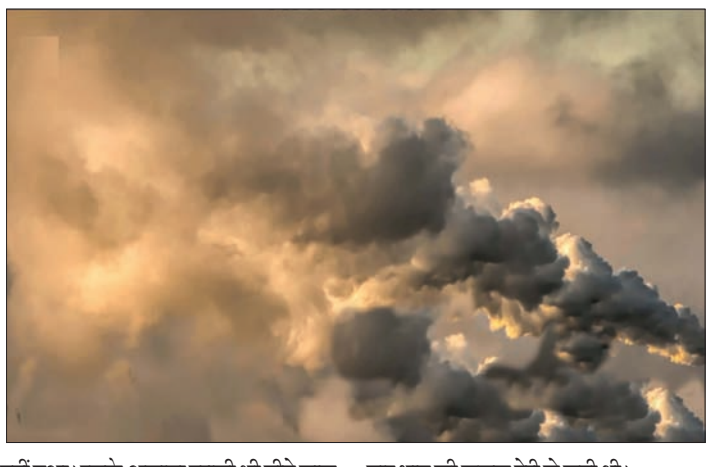

नहीं हुआ। इसके अलावा पराली भी बीते साल अक्टूबर के अंत तक ही जली थी। लेकिन इस बार धान की फसल देरी से लगी थी।

इजरायल से हमास की मांग युद्ध विराम के दौरान ड्रोन का इस्तेमाल ना करे

तेल अवीव । इजराइली बंधकों की रिहाई की शर्त के अनुसार हमास ने इजरायल से गाजा में चार दिवसीय मानवीय युद्ध विराम के दौरान ड्रोन का उपयोग नहीं करने की मांग की है। कतर मध्यस्थों के अनुसार, यह इजरायल के मोस्?ट वांटेड की सूची में सबसे ऊपर मौजूद हमास के सैन्य कमांडर याह्या सिनवार द्वारा रखी गई प्रमुख मांगों में से एक है। हमास और इजरायल बुधवार सुबह मानवीय युद्ध विराम पर सहमत हुए। कतर और अमेरिका की मध्यस्थता वार्ता के बाद इसपर सहमति बनी। सूत्रों के मुताबिक, इजरायल भी जेल में बंद गिरफ्तार फिलिस्तीनियों को रिहा करेगा। हालाँकि इजरायल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि वह किसी भी हत्या के आरोपी को रिहा नहीं करेगा और रिहा होने वाले कैदियों में ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं।

टिकटॉक पर आपत्तिजनक सामग्री पहुंचा सकती है नुकसान

-ऑनलाइन नुकसानों से कैसे निपटें अभिभावक

मेलबर्न । किशोरों द्वारा उपयोग किए जाने वाले शीर्ष सोशल मीडिया ऐप के रूप में, टिकटॉक पर आपत्तिजनक सामग्री की मौजूदगी युवा उपयोगकर्ताओं को नुकसान पहुंचा सकती है। जबकि टिकटॉक और नियामक मॉडरेशन की जरूरतों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, यह अंततः माता-पिता और उपयोगकर्ताओं पर निर्भर है कि वे इन ऑनलाइन नुकसानों से कैसे निपटें। टिकटॉक अपने सामुदायिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करने वाली सामग्री की पहचान करने और उसे हटाने के लिए स्वचालित और मानवीय प्रयास दोनों पर निर्भर करता है। इसमें नग्नता, अश्लील साहित्य, आपत्तिजनक यौन सामग्री, गैर-सहमति वाली यौन गतिविधियां, गैर-सहमति वाली अंतरंग तस्वीरें साझा करना और यौन आग्रह शामिल हैं। टिकटॉक के सामुदायिक दिशानिर्देश कहते हैंज्हम युवा लोगों द्वारा यौन गतिविधियों के लिए आकर्षक प्रदर्शन या संकेत, या किसी के द्वारा आपत्तिजनक यौन कथाओं के उपयोग की अनुमति नहीं देते हैं। हालांकि, टिकटॉक की स्वचालित मॉडरेशन प्रणाली हमेशा सटीक नहीं होती है। इसका मतलब यह है कि एलजीबीटीक्यू+ सामग्री और स्वस्थ यौन शिक्षा सामग्री जैसी लाभकारी सामग्री को गलत तरीके से हटाया जा सकता है, जबकि आपत्तिजनक, हानिकारक सामग्री दरारों से निकल जाती है। सामग्री मॉडरेशन ''एल्गोस्पीक'' जैसी उपयोगकर्ता रणनीति द्वारा और अधिक जटिल है, जिसका उपयोग अनुचित सामग्री का पता लगाने के लिए लगाए गए एल्गोरिथम फिल्टर को ट्रिगर करने से बचने के लिए किया जाता है। इस मामले में, अल्गोस्पीक में आमतौर पर आपत्तिजनक सामग्री से जुड़े शब्दों और वाक्यांशों को बदलने के लिए इंटरनेट स्लैंग, कोड, व्यंजना या इमोजी का उपयोग शामिल हो सकता है। कई उपयोगकर्ता अल्गोस्पीक का भी सहारा लेते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टिकटॉक का एल्गोरिथम मॉडरेशन हाशिए पर रहने वाले समुदायों के लिए पक्षपाती और अनुचित है। उपयोगकर्ताओं ने दोहरे मानक की सूचना दी है, जिसमें टिकटॉक ने एलजीबीटीक्यू+ समुदाय से संबंधित शैक्षिक सामग्री को दबा दिया है, जबकि हानिकारक सामग्री को सबके लिए उपलब्ध रहने दिया है। मालूम हो कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री लंबे समय से चर्चा का विषय रही है और युवाओं का इससे संपर्क एक निरंतर चिंता का विषय बना हुआ है। टिकटॉक के जबरदस्त उछाल के साथ यह मुद्दा फिर से केंद्र में आ गया है।

जियांग्सू प्रांत में फैक्ट्री में आग लगने से सात की मौत

नानजिंग । पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में एक फैक्ट्री में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। वूशी शहर में टियांटियनरन टेक्सटाइल एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड में करीब साढ़े छह बजे आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य समाप्त होने के बाद सात लोग मृत पाए गए। यह कंपनी 20 वर्षों से अधिक समय से काम कर रही है, और घरेलू बाजार और विदेशी दोनों बाजारों में उत्पाद बेचने वाली एक बड़ी यार्न निर्माता है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

अमेरिका को चिंता, रुस को बैलिस्टिक मिसाइल दे सकता ईरान

-यूक्रेन के खिलाफ हो सकती हैं इस्तेमाल

वाशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक कार्यालय व्हाइट हाउस ने इस बात की चिंता जाहिर कि ईरान यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस को मदद के लिए बैलिस्टिक मिसाइल दे सकता है, जो यूक्रेन के लोगों के लिए खतरनाक हो सकता है। अमेरिका के एक राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि ईरान पहले से रूस को ड्रोन, लक्षित हवाई बम और गोला बारूद मुहैया करा रहा है और संभवत- वह ''रूस का समर्थन करने की दिशा में आगे बढ़ने को तैयार है। किर्बी ने सितंबर में हुई बैठक का जिक्र किया जिसमें ईरान ने रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु की मेजबानी की थी और कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रणाली का प्रदर्शन किया था। किर्बी ने कहा, इसलिए हम बात को लेकर चिंतित हैं कि ईरान संभवत- रूस को बैलिस्टिक मिसाइल उपलब्ध कराने पर विचार कर रहा है जिसका इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ हो सकता है। उन्होंने कहा, ''इस समर्थन के बदले रूस ईरान को मिसाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और हवाई रक्षा सहित अभूतपूर्व रक्षा सहयोग की पेशकश कर सकता है। किर्बी की यह चेतावनी उस वक्त आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन की रक्षा जरूरतों के मद में आपात अमेरिकी कोष से 61 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि देने का अनुरोध किया था, अमेरिकी कांग्रेस ने इस अभी मंजूरी नहीं दी है।

सैम ऑल्टमैन की वापसी के लिए ओपनएआई बोर्ड की पुनर्पहल : रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। थ्राइव कैपिटल, खोसला वेंचर्स, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट और सिकोइया कैपिटल जैसे प्रमुख निवेशक भी ओपनएआई में ऑल्टमैन की वापसी के लिए इस सप्ताह ऑल्टमैन के साथ बातचीत का संकेत दिया है। कंपनी के निदेशक मंडल ने उनकी वापसी के लिए इस सप्ताह ऑल्टमैन के साथ बातचीत को लेकर व ?योरा के सीईओ एडम डीएंजेलो, ओपनएआई बोर्ड के वर्तमान सदस्य और ऑल्टमैन व संभवतः बोर्ड के अन्य सदस्यों के बीच भी चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार, बोर्ड और ऑल्टमैन कई संभावित परिदृश्यों पर चर्चा कर रहे हैं। सेल्सफोर्स के पूर्व सह-सीईओ ब्रेट टेलर भी नए बोर्ड में निदेशक के रूप में काम कर सकते हैं। कहा जाता है कि ऑल्टमैन ने अपनी वापसी की शर्त के रूप में ओपनएआई में महत्वपूर्ण प्रबंधकीय और शासन परिवर्तन की मांग की है। वैश्विक मामलों के ओपनएआई उपाध्यक्ष, अन्ना मकांजू ने कर्मचारियों को एक ज्ञापन भेजा, इसमें संकेत दिया गया कि ओपनएआई का प्रबंधन बोर्ड, ऑल्टमैन और अंतरिम सीईओ एम्मेट शीयर के साथ गहन चर्चा में है। इस बीच, माइक्रोसॉफ्ट ने मंगलवार को कहा कि वह उन कर्मचारियों को ओपनएआई का मुआवजा देगा, जो सत्या नडेला द्वारा संचालित तकनीकी दिग्गज ऑल्टमैन की नई उन्नत एआई अनुसंधान प्रयोगशाला में शामिल होना चाहते हैं। नडेला ने सोमवार को घोषणा की कि ऑल्टमैन और ओपनएआई के सह-संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन अपनी उन्नत एआई अनुसंधान टीम को चलाने के लिए कंपनी में शामिल होंगे।

इंडोनेशिया में 6 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

जकार्ता । इंडोनेशिया के पूर्वी हिस्से में समुद्र के भीतर भूकंप के तेज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केन्द्र इंडोनेशिया के उत्तरी प्रांत मालुकु में टोबेलो से 94 किलोमीटर पश्चिम में 116 किलोमीटर (72 मील) की गहराई पर था जिसकी तीव्रता रियेक्टर पैमाने में छह दर्ज की गई। भूकंप से जानमाल के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इंडोनेशिया के मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी ने बताया कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है लेकिन उसने भूकंप के बाद और झटके आने की चेतावनी दी है। गौरतलब है कि इंडोनेशिया की आबादी 27 करोड़ से अधिक है। इसके प्रशांत बेसिन के चारों ओर भूकंप के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्र में होने के कारण यहां अक्सर भूकंप और ज्वालामुखी में विस्फोट होता है। पिछले वर्ष पश्चिमी जावा के सियानजुर शहर में 5.6 तीव्रता का भूकंप आया था जिसमें कम से कम 331 लोगों की मौत हो गई थी और लगभग 600 लोग घायल हो गए थे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यूं सुक येओल मंगलवार को लंदन, ब्रिटेन के बकिंघम पैलेस में राजकीय भोज में ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय को सुन रहे हैं।

शख्स को लॉटरी में रोज मिलेंगे 83 हजार रुपये

-पूरी जिंदगी भर मिलेंगे रोजाना इतने रुपए

लंदन । एक शख्स के हाथ बड़ा जैकपॉट लगा है। इस शख्स को रोजाना 83 हजार रुपये मिलेंगे। वह भी जिंदगी भर। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अमेरिका के रहने वाले इस शख्स ने न्यूयॉर्क लॉटरी कैश4लाइफ का टिकट खरीदा था। जब लॉटरी का ड्रा हुआ तो इसके हाथ मेगा जैकपॉट लगा। अमेजिंग प्राइजमनी के तहत उसे प्रतिदिन 1000 डॉलर मिलना था। लेकिन इसी बीच उसने एक बड़ा फैसला लिया। लॉटरी कंपनी ने उसे ऑफर दिया कि वह चाहे तो सारा पैसा एक साथ ले सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस शख?स ने अपनी कंपनी पिंकी एस्मंड लिमिटेड लायबिलिटी के नाम से टिकट खरीदा था, इसलिए कंपनी को 4,285,683 डॉलर का एकमुश्त भुगतान कर दिया गया। भारतीय रुपयों में इसकी वैल?यू 5 ।72 करोड़ रुपये होगी। लॉटरी कंपनी के मुताबिक, शख?स ने टिकट ब्रुकलिन में 2021 चर्च एवेन्यू पर चर्च ब्लू स्काई डेली में खरीदा था इस साल की शुरुआत में, लॉन्ग आइलैंड की एक महिला ने भी ऐसा ही पुरस्कार जीता था। जेनिन प्लमर नाम की इस महिला ने 26 मई, 2022 को टिकट खरीदा, लेकिन उसे कभी नहीं देखा। वह भूल गई कि कोई टिकट भी उसने लिया है। इसी बीच विजेता का ऐलान हो गया। कंपनी तलाशती रही, लेकिन वह नहीं मिली। लगभग एक साल बाद उसने न्यूज देखा कि जिस महीने में उसने टिकट खरीदा, उसी महीने में एक शख्स विजेता बना है, लेकिन अब तक उसने दावा नहीं किया। तब महिला को याद आया कि उसने भी तो टिकट लिया था। इसके बाद जब उसने टिकट देखा तो हैरान रह गई। वह अमीर बन चुकी थी। बता दें कि लॉटरी कई लोगों की किस्मत बदल देती है। आपने ऐसी तमाम खबरें सुनी होंगी कि जिस शख्स के पास रहने के लिए घर तक नहीं था, वह एक झटके में अमीर हो गया। गाड़ी-बंगला खरीदने भर की दौलत आ गई। ऐसा सिर्फ कहानियों में नहीं, सच में ऐसा होता भी है।

मुसलमानों पर टूटा जुल्मों का पहाड़! सालों से चीन कर रहा उइगर मुस्लिम समुदाय पर अत्याचार, अब तोड़ी जा रही है मस्जिदें

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में मुस्लिम समुदाय के साथ जो कुछ भी किया जाता है वो हैवानियात को दर्शाता है। चीनी सरकार के अत्यातारों का गवाह शिनजियांग शहर है जहां उइगर मुस्लिम का जीना दुशवार कर दिया गया है। न उनको खुलकर जीवन जीने की आजादी है ना अपने खुदा को सार्वजनिक रुप से याद करने की। उइगर मुस्लिम का चीन में काफी बुरा हाल है। इसके बावजूद बगल में बैठा पाकिस्तान जो अपने आप को मुस्लिम समुदाय का मसीहा मानता है वो चीन की एक लब्ज नें भी अलोचना नहीं करता। चीन खुलेआम मुस्लिम समुदाय पर अत्याचार करता आ रहा है। अब ताजा रिपोर्ट में कुछ खबरें आयी है जो चीनी सरकार के उइगर मुसलमानों पर हो रहे जुल्मों की कहानी को विश्व स्तर पर उजागर करती हैं।

मस्जिदों को बंद करने के प्रयास में जुटी चीनी सरकार

चीनी सरकार शिनजियांग के बाहर की मस्जिदों को बंद करने का प्रयास कर रही है, जहां मुस्लिम अल्पसंख्यकों के साथ व्यवहार को लेकर वर्षों से आलोचना हो रही है। यह विस्तार निंग्ज़िया क्षेत्र और गांसु प्रांत तक पहुंच गया है, जहां मुस्लिम आबादी ज्यादा है। टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार, ह्यूमन राइट्स वॉच की रिपोर्ट का हवाला देते हुए, जो उपग्रह इमेजरी, सार्वजनिक रिकॉर्ड और प्रत्यक्ष साक्ष्य का उपयोग करती है, ये समापन एक आधिकारिक योजना का एक घटक है जिसे 'समेकन' के रूप में जाना जाता है।

चीन में मस्जिदों की बदली जा रही है वास्तुकला

स्थानीय अधिकारियों ने मस्जिदों को बंद करना शुरू कर दिया है और 'चीनी' शैली को बेहतर ढंग से फिट करने के लिए उनके वास्तुशिल्प डिजाइन को बदलना शुरू कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह धार्मिक प्रथाओं पर अधिक नियंत्रण रखने और उसके अधिकार के लिए संभावित खतरों को कम करने की कम्युनिस्ट पार्टी की व्यापक पहल का हिस्सा है।

चीनीकरण फैलाकर शी जिनपिंग करेंगे अपना सपना पूरा

2016 के बाद से,राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने धर्मों के 'चीनीकरण' की वकालत की है, जिससे विशेष रूप से शिनजियांग में तीव्र कार्रवाई हुई है। यह क्षेत्र 11 मिलियन से अधिक उइगर और अन्य मुस्लिम अल्पसंख्यकों का घर है। पिछले वर्ष की संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि झिंजियांग में चीन की कार्रवाइयां, जिसमें कम से कम 1 मिलियन उइगर, हुइज़, कज़ाख और किर्गिज़ को रखने वाले न्यायेतर नजरबंदी शिविरों की स्थापना शामिल है, 'मानवता के खिलाफ अपराध' हो सकती है। ह्यूमन राइट्स वॉच के निष्कर्षों से पता चलता है कि धार्मिक अभिव्यक्ति पर व्यापक प्रतिबंध के हिस्से के रूप में शिनजियांग के बाहर के क्षेत्रों में मस्जिदों को बंद करना, विध्वंस करना या धर्मनिरपेक्ष उद्देश्यों के लिए धर्मांतरण हो रहा है।

चीन में मस्जिद एकीकरण

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि चीनी विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट और मुस्लिम अल्पसंख्यकों के प्रति अपनी नीतियों के बारे में पूछताछ का तुरंत जवाब नहीं दिया है। 'मस्जिद एकीकरण' के विचार का पहला संदर्भ अप्रैल 2018 के आंतरिक पार्टी दस्तावेज़ में पाया गया था जिसे 'झिंजियांग पेपर्स' के हिस्से के रूप में अमेरिकी मीडिया के सामने प्रकट किया गया था। इस दस्तावेज़ ने मस्जिदों की कुल संख्या को कम करने के प्रयास में नई मस्जिदों के निर्माण पर रोक लगा दी और राज्य अधिकारियों से मौजूदा इस्लामी धार्मिक सुविधाओं के रखरखाव और विकास की निगरानी करने का आग्रह किया।

द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के डेविड स्ट्रूप और प्लायमाउथ विश्वविद्यालय के व्याख्याता हन्ना थीकर दोनों ने बताया कि स्नान सुविधाओं को हटाने से व्यावहारिक रूप से ये संरचनाएं पूजा के लिए अनुपयुक्त हो जाती हैं, भले ही वे ऐसी नहीं दिखतीं। . अनुमान है कि 2020 के बाद से, निंग्ज़िया में 1,300 से अधिक मस्जिदें - पंजीकृत सभी मस्जिदों में से लगभग एक तिहाई - बंद हो गई हैं। वे मस्जिदें जो अपनी अनौपचारिक स्थिति के कारण बंद कर दी गई हैं या नष्ट कर दी गई हैं, इस संख्या में शामिल नहीं हैं।

4 दिन बंद रहेगी इजरायल-हमास जंग, बंधकों की होगी अदला-बदली

-हमास छोड़ेगा 50 बंधक, बदले में नेतन्याहू छोड़ेंगे 150 कैदी

तेल अवीव (एजेंसी)। बंधकों की अदला-बदली की शर्त पर इजरायल और हमास के बीच चार दिनों के लिए युद्ध विराम हो गया है। बता दें कि इजरायल की सरकार ने हमास द्वारा बंधक बनाए गए 50 महिलाओं और बच्चों की रिहाई के बदले 150 फिलिस्तीनी महिला और नाबालिग कैदियों की जेल से रिहाई के साथ 4 दिनों के संघर्ष विराम को मंजूरी दी है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा कि इजरायल सरकार ने गाजा में बंधकों के रूप में रखी गई 50 महिलाओं और बच्चों को मुक्त करने के लिए फिलिस्तीनी हमास आतंकवादियों के साथ एक समझौते का समर्थन किया। इसके बदले में इजरायल सुरक्षा संबंधी अपराधों के लिए अपनी जेलों में बंद लगभग 150 फिलिस्तीनी महिलाओं और नाबालिगों को रिहा कर देगा। इस दौरान उन लोगों को रिहा किया जाएगा, जिन पर सीधे तौर पर किसी भी घातक आतंकी हमलों में शामिल होने का आरोप नहीं होगा। इस समझौते की व्यापक रूपरेखा के तहत उन 96 घंटों के दौरान लड़ाई को रोकने के बदले में पहले चार दिनों के भीतर 50 बंधकों को रिहा किया जाएगा।

बता दें कि हमास ने लगभग 40 बच्चों और 13 माताओं को बंधक बना लिया गया है। मंजूर किए गए सौदे में 30 बच्चों, आठ माताओं और 12 अन्य महिलाओं की रिहाई शामिल है। उन दिनों 50 बंधकों को एक साथ नहीं बल्कि छोटे-छोटे समूहों में रिहा किया जाएगा। अगर लड़ाई को अगले चार दिनों तक रोक दिया जाता है तो गाजा में रखे गए बाकी 30 बंधकों की रिहाई की भी संभावना है। रिहाई के लिए निर्धारित सभी लोग जीवित हैं और उनके पास इजरायल की नागरिकता है। कतर के अधिकारी इजरायल और हमास के बीच समझौते में मध्यस्थता कर रहे हैं। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने समझौते तक पहुंचने में मदद की ताकि इसमें अधिक बंधक और कुछ रियायतें शामिल हों। दरअसल इजरायल की पिछले डेढ़ महीने से गाजा पर जारी हमले के बाद यह पहला युद्ध विराम होगा। इस युद्ध विराम के कारण गाजा में मानवीय सहायता भी पहुंच सकेगी। हालांकि यह साफ नहीं है कि यह युद्ध विराम कब प्रभावी होगा। उम्मीद है कि बंधकों को गुरुवार से मुक्त किया जा सकता है। इजरायली सरकार ने कहा कि वह रिहा किए गए हर 10 बंधकों के लिए शांति को एक अतिरिक्त दिन के लिए बढ़ा देगी।

कम हुआ भारत और कनाडा के बीच का तनाव! कनाडाई लोगों के लिए E-Visa सेवाएं फिर से शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने 2 महीने बाद कनाडाई लोगों के लिए ई-वीज़ा सेवाएं फिर से शुरू कर दी है।सूत्रों ने कहा कि भारत ने दो महीने के अंतराल के बाद कनाडाई लोगों के लिए ई-वीजा सेवाएं फिर से शुरू करने का फैसला किया है, जो राजनयिक तनाव में संभावित कमी का संकेत है। यह पिछले महीने भारत सरकार द्वारा एक महीने के प्रतिबंध के बाद कनाडाई नागरिकों के लिए कुछ श्रेणियों की वीज़ा सेवाओं को नवीनीकृत करने के फैसले के बाद आया है। ओटावा ने इस फैसले का 'कनाडाई लोगों के लिए अच्छी खबर' के रूप में स्वागत किया था। इस साल की शुरुआत में कनाडा की धरती पर खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के कनाडा के आरोपों के कारण आई तीव्र गिरावट के बाद ई-वीजा सेवाओं को बहाल करने का कदम दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राजनयिक विवाद जून में शुरू हुआ जब ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में एक गुरुद्वारे के बाहर अज्ञात हमलावरों ने निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने बाद में खुफिया रिपोर्टों के आधार पर संसद में भारत सरकार के एजेंटों और निज्जर की हत्या के बीच 'विश्वसनीय' संबंध होने का आरोप लगाया। इन दावों को अमेरिकी खुफिया सहायता द्वारा समर्थित किया गया था, लेकिन अभी तक सार्वजनिक साक्ष्य के साथ इसकी पुष्टि नहीं की गई है। भारत ने आरोपों को 'बेतुका' और राजनीति से प्रेरित बताते हुए किसी भी संलिप्तता से इनकार किया है।

ब्रिक्स में शामिल होने, भारत को मनाने रुस के पास पहुंचा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। ब्रिक्स को अमेरिका विरोधी देशों का मंच बनाने में जुटे चीन ने नापाक चाल चली है। चीन के इशारे पर पाकिस्तान ब्रिक्स की सदस्यता हासिल करने जुटा हुआ है। पाकिस्तान चाहता है कि भारत का दोस्त रूस इसमें मदद करे। मॉस्को में पाकिस्तानी राजदूत मुहम्मद खालिद जमाली ने खुलासा किया है कि इस्लामाबाद ने ब्रिक्स की सदस्यता के लिए आवेदन जमा कर दिया है। रूस अगले साल ब्रिक्स की अध्यक्षता संभालने जा रहा है। ब्रिक्स का सदस्य बनने के लिए पाकिस्तान को भारत को मनाना होगा और इसकारण इस्लामाबाद रूस की मदद चाहता है।

रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी राजदूत ने इंटरव्यू में यह खुलासा किया है। पाकिस्तान की सदस्यता का मुद्दा अगले साल रूस के सामने आएगा। ब्रिक्स का गठन साल 2010 में हुआ था और ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका इसके संस्थापक सदस्य देश थे। पिछले साल ब्रिक्स के आखिरी शिखर सम्मेलन में अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका ने 6 नए देशों को अपने गठबंधन में शामिल होने का न्यौता दिया था। इन देशों में मिस्र, अर्जेंटीना, इथोपिया, सऊदी अरब और यूएई शामिल हैं। ये देश 1 जनवरी 2024 से ब्रिक्स के सदस्य देश बन जाएंगे। पाकिस?तान चाहता है कि रूस उस ब्रिक्स का सदस्य बनाए। इसके लिए रूस को भारत को मनाना होगा। अगर बात बतानी नहीं हैं, तब पाकिस्तान को भारत से बातचीत करनी होगी, तभी पाकिस्तान इस ग्रुप में प्रवेश कर पाएगा। चीन चाहता है कि पाकिस्तान को भी ग्रुप में शामिल किया जाए ताकि उसका दबदबा और मजबूत हो जाए। ब्रिक्स ये 5 सदस्य देश दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं और विश्व की 41 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह दुनिया की कुल जीडीपी का 24 प्रतिशत है।

रूस में ब्रिक्स की अगली बैठक होने वाली है और देश के उप विदेश मंत्री ने कहा है कि ब्रिक्स की योजना है कि कुछ देशों को पार्टनर स्टेट का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के दोस्तों का विस्तार वह लैटिन अमेरिका तक देखना चाहते हैं। इसके पहले चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा था कि हमें ब्रिक्स में और ज्यादा देशों को शामिल करना चाहिए ताकि वैश्विक व्यवस्था को ज्यादा न्यायोचित बना सके। चीन की मंशा है कि ब्रिक्स में पाकिस्तान को किसी तरह से शामिल किया जाए लेकिन भारत इसके खिलाफ पूरी ताकत से अड़ा हुआ है।

इसकारण चीन और पाकिस्तान दोनों रूस के द्वारा भारत पर दबाव डालकर ब्रिक्स का विस्तार कराना चाहते हैं। भारत का कहना है कि ब्रिक्स का और ज्यादा अगर विस्तार होता है, तब इससे वह कमजोर होगा और अपने मुख्य लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकेगा। इसके अलावा आम सहमति भी बनाना आसान नहीं होगा। इसके पहले बेलारूस ने भी ब्रिक्स में घुसने की कोशिश की थी लेकिन भारत ने उसका कड़ा विरोध किया था।

अमेरिका ने खालिस्तानी आतंकी पन्नू की हत्या की साजिश को किया नाकाम, भारत को दी चेतावनी

लंदन (एजेंसी)। संयुक्त राज्य अमेरिका में एक सिख अलगाववादी को मारने की साजिश को विफल कर दिया है। इसको लेकर अमेरिका की ओर से भारत सरकार को चेतावनी भी दी गई है। फाइनेंशियल टाइम्स (एफटी) ने मामले से परिचित लोगों का हवाला देते हुए बुधवार को रिपोर्ट दी। रिपोर्ट पर भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। यह घटनाक्रम कनाडा के यह कहने के दो महीने बाद आया है कि जून में वैंकूवर उपनगर में एक सिख अलगाववादी नेता की हत्या में भारतीय एजेंटों के शामिल होने के 'विश्वसनीय' आरोप थे। भारत ने कनाडा के आरोपों को खारिज कर दिया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, साजिश का निशाना अमेरिकी और कनाडाई नागरिक गुरपतवंत सिंह पन्नू था, जो सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के नेता हैं, जो अमेरिका स्थित एक समूह है, जो सिखों के लिए अलग मातृभूमि की मांग करने वाले आंदोलन का हिस्सा है जिसे 'खालिस्तान' कहा जाता है। मामले से परिचित लोगों के अनुसार, उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या नई दिल्ली में विरोध के कारण साजिशकर्ताओं ने अपनी योजना छोड़ दी, या क्या एफबीआई ने हस्तक्षेप किया और पहले से ही चल रही एक योजना को विफल कर दिया।

जून में वैंकूवर में मारे गए कनाडाई सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद अमेरिका के कुछ सहयोगियों को साजिश के बारे में सूचित किया गया था। सितंबर में, कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने कहा था कि निज्जर की हत्या से नई दिल्ली को जोड़ने वाले ÷विश्वसनीय आरोप÷ थे। घटनाक्रम से अवगत एक व्यक्ति ने कहा कि जून में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के वाशिंगटन दौरे के बाद अमेरिकी विरोध जारी किया गया था। राजनयिक चेतावनी के अलावा, अमेरिकी संघीय अभियोजकों द्वारा न्यूयॉर्क जिला अदालत में साजिश के कम से कम एक कथित अपराधी के खिलाफ एक सीलबंद अभियोग दायर किया गया था, मामले से परिचित लोगों ने उल्लेख किया है।

खेलो इंडिया पैरा गेम्स 10 से 17 दिसंबर तक होंगे

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण 10-17 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 1350 से अधिक प्रतिभागी 7 तरह के खेलों में भाग लेंगे। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने बुधवार को कहा, बहुत खुशी और संतुष्टि के साथ मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण 10 से 17 दिसंबर तक नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 7 विषयों में भाग लेने वाले 1350 से अधिक प्रतिभागियों के साथ यह हमारे देश में पैरा-स्पोर्ट्स को बेहतर बनाने और प्रतिभाशाली विशेष रूप से विकलांग एथलीटों की पहचान करने और उनकी सहायता करने की हमारी खोज में एक गेम-चेंजर साबित होने जा रहा है। उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स का पहला संस्करण सफल होगा और मैं आगामी खेलों के लिए पैरा-एथलीटों को शुभकामनाएं देता हूं। 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य के साथ भारतीय पैरा-एथलीटों ने 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक आयोजित हांग्जो एशियाई खेलों में सक्षम एथलीटों द्वारा जीते गए 107 के रिकॉर्ड से चार पदक अधिक जीते। पदक तालिका में भारत चीन (521 पदक : 214 स्वर्ण, 167 रजत, 140 कांस्य), ईरान (44 स्वर्ण, 46 रजत, 41 कांस्य), जापान (42, 49, 59) और कोरिया (30, 33, 40)) से नीचे पांचवें स्थान पर रहा, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है।

अल्टीमेट खो खो सीजन 2 के खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में युवा प्रतिभाओं का दबदबा

भुवनेश्वर,

अल्टीमेट खो खो (यूकेके) सीजन 2 के लिए मंच तैयार होने के साथ ही, देश की युवा प्रतिभाओं ने खिलाड़ियों के ड्राफ्ट में अपना दबदबा बना लिया है, जिसमें छह फ्रेंचाइजियों ने 145 खिलाड़ियों का चयन किया है, जिसमें 16 से 18 साल की आयु सीमा के भीतर प्रभावशाली 33 खिलाड़ी शामिल हैं। सीज़न 2 प्लेयर्स ड्राफ्ट के लिए 18 राज्यों से कुल 290 खिलाड़ियों को पंजीकृत किया गया था क्योंकि फ्रेंचाइजी ने 18 रिटेन किए गए खिलाड़ियों सहित 145 खिलाड़ियों को ड्राफ्ट करने के लिए 3.9 करोड़ रुपये खर्च किए थे। विजय हजारे, अधित्या गणपुले और लक्ष्मण गावस उन स्टार खिलाड़ियों में से थे, जिन्हें क्रमशः राजस्थान वॉरियर्स (कैपरी ग्लोबल के स्वामित्व वाले), तेलुगु योद्धास और चेन्नई क्विक गन्स (केएलओ स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाले) द्वारा सबसे पहले चुना गया था। जबकि रिटेन किए गए खिलाड़ियों को प्रत्येक को 6 लाख रुपये की पेशकश की गई थी, फ्रेंचाइजी ने अपने शेष खिलाड़ियों को चार श्रेणियों- ए (5 लाख रुपये), बी (3 लाख रुपये), सी (1.5 लाख रुपये) और डी (1 लाख रुपये) से चुना। गुजरात जायंट्स और राजस्थान वॉरियर्स ने अपनी टीम पूरी करने के लिए क्रमशः 25 और 22 खिलाड़ियों का चयन किया। दिलचस्प बात यह है कि यह महाराष्ट्र के महेश शिंदे थे, जो लगातार दूसरे सीज़न के लिए ड्राफ्ट की पहली पसंद बने। 28 वर्षीय डिफेंडर को मुंबई खिलाड़ी द्वारा तैयार किया गया था, जिसने लीग के उद्घाटन संस्करण में अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद गजानन शेंगल और श्रीजेश एस को भी बरकरार रखा था। टीमों ने होनहार युवाओं को मौका देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए दिलचस्प विकल्प चुने, क्योंकि मुंबई खिलाड़ियों ने ओडिशा के 16 वर्षीय सुनील पात्रा की सेवाएं सुनिश्चित कीं, जबकि पुदुचेरी के 17 वर्षीय एम मुगिलन और महाराष्ट्र के गणेश बोरकर को चेन्नई क्विक गन्स और राजस्थान योद्धा ने चुना। गत चैंपियन ओडिशा जगरनॉट्स ने एक मजबूत टीम का चयन करते हुए युवा और अनुभव का सही संतुलन भी सुनिश्चित किया। भारतीय खो खो महासंघ (केकेएफआई) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, ÷अल्टीमेट खो खो में मनोरंजन का स्तर और इस खेल की दक्षता में सुधार हुआ है। दूसरा सीज़न इसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएगा और फिर तो आकाश ही सीमा है। खो-खो को अब इसकी गति और मनोरंजन मूल्य के कारण विश्व स्तर पर अपनाया गया है और आज कुल 38 देश खो-खो खेलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

टॉवेल हाथ में लेकर अमेलिया केर ने थ्रो पकड़ा तो लग गया जुर्माना

सिडनी ।

महिला बिश बैश लीग के दौरान टॉवेल हाथ में लेकर अमेलिया केर ने थ्रो पकड़ा तो उन पर जुर्माना लग गया। दरअसल क्रिकेट फैंस को यह अजब घटना उस समय देखने को मिली जब न्यूजीलैंड की क्रिकेटर अमेलिया केर ने हाथ में टॉवेल लिए ही थ्रो पकड़ लिया था। अंपायरों ने इसे गलत माना और उनकी टीम को पांच रन की पेनल्टी लगा दी। मिली जानकारी के अनुसार उक्त घटना ब्रिस्बेन हीट बनाम सिडनी सिक्सर्स में मैच के दौरान हुई। ब्रिस्बेन हीट पहले खेलते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 176 रन बना चुकी थी। जवाब में जब सिक्सर्स ने 9 ओवर में 2 विकेट खोकर 70 से ज्यादा रन बना लिए थे तो यह घटना घट गई। दरअसल, अमेलिया ने 10वें ओवर की पहली गेंद एश्ले गार्डनर को फेंकी जिसे बैटर ने मिड ऑन की ओर धकेलकर एक रन ले लिया। मिड ऑन की ओर से जब फील्डर ने गेंद वापस फेंकी तो तब तक गेंद को औस से बचाने के लिए अमेलिया ने अपनी पायजामे में टंगा टॉवेल निकाल लिया था। उन्होंने हाथ में टॉवेल लिए ही थ्रो पकड़ ली और उसे साफ करने लगी। यह सब अंपायर ने देखकर उन्हें तुरंत ही रोक दिया। और पांच रन की पेनल्टी लगा दी।

हारिस राउफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से अपना नाम वापस लिया

कराची ।

पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद मुख्य चयनकर्ता वहाब रियाज ने खिलाड़ियों को राष्ट्रीय कर्तव्यों को प्राथमिकता देने के लिए चेतावनी जारी की है। रियाज ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए 18 सदस्यीय टीम की घोषणा कर कहा कि राउफ को पाकिस्तान के लिए खेलने की जरूरत है। रियाज ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने (राउफ) हमें बताया था कि वह टेस्ट श्रृंखला के लिए उपलब्ध हैं, लेकिन कल रात उसने अपने कार्यभार और फिटनेस पर चिंता जताकर खुद अनुपलब्ध करार दिया। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान टीम के नवनियुक्त निदेशक मोहम्मद हफीज के साथ राउफ से विस्तृत बातचीत की। रियाज ने कहा कि मैंने और हफीज ने उनसे (राउफ) विस्तार से बात की और उन्हें बताया कि कप्तान और कोच दोनों चाहते है कि वह ऑस्ट्रेलिया में खेले, क्योंकि वह एक प्रभावशाली गेंदबाज है। उन्होंने कहा कि हमने उन्हें आश्वासन दिया कि वह ऑस्ट्रेलिया में एक दिन में 10-12 ओवर से ज्यादा गेंदबाजी नहीं करेंगे। बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि हमने टीम के फिजियो और ट्रेनर से भी बात की और उन्होंने कहा कि राउफ को कोई फिटनेस समस्या नहीं है और ऑस्ट्रेलिया में उनके साथ कोई समस्या नहीं होगी। केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में हमें लगा कि उन्हें अपने कदम पीछे नहीं हटाने चाहिए थे। पहला टेस्ट मैच 14-18 दिसंबर के बीच पर्थ में खेला जाएगा, दूसरा टेस्ट मैच 26-30 दिसंबर के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड और तीसरा और आखरी टेस्ट मैच 3-7 जनवरी के बीच सिडनी में खेला जाएगा।

अर्जेंटीना की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में ब्राजील के खिलाफ ऐतिहासिक जीत

रियो डी जेनेरो (ब्राजील)।

फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अपने घरेलू मैदान पर कभी नहीं हारने का ब्राजील का गौरव उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी अर्जेंटीना ने खत्म कर दिया, क्योंकि लियोनल स्कालोनी की टीम ने प्रसिद्ध माराकाना स्टेडियम में फीफा 2026 विश्व कप दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में ब्राजील को 1-0 से हरा दिया। । निकोलस ओटामेंडी के ज़बरदस्त हेडर ने इस मुकाबले में अंतर साबित किया जिसमें जोएलिंटन को बाहर भेज दिया गया। इसने अर्जेंटीना को शीर्ष स्थान पर बनाए रखा और ब्राजील को उसके पिछले चार मुकाबलों में केवल एक अंक के साथ छठे स्थान पर गिरा दिया। ब्राज़ील ने गेंद पर कब्जा करने के इरादे से मैच शुरू किया, लेकिन घरेलू टीम ने उल्लंघन और उच्च दबाव से खेल को स्थायी रूप से बाधित कर दिया। खतरनाक स्थितियाँ सामने नहीं आईं और पहले आधे घंटे के दौरान हमले तेज़ी से फीके पड़ गए। रफिन्हा की फ्री किक ने 38वें मिनट में एमिलियानो मार्टिनेज को पहली बार उड़ान भरने के लिए भेजा, हालांकि उनका शॉट क्रॉसबार के ऊपर से चला गया। ड्राइवर के रूप में डी पॉल और लो सेल्सो के साथ, अर्जेंटीना ने ब्राजील के रक्षात्मक ब्लॉक को तोड़ने की कोशिश की, लेकिन एलिसन को चिंतित करने के लिए पर्याप्त गहराई हासिल नहीं की। पहले हाफ के अंत में, मार्टिनेली क्षेत्र के किनारे से एक शॉट के साथ गतिरोध को तोड़ने में सक्षम था, लेकिन क्रिस्टियन रोमेरो ने लाइन पर अर्जेंटीना के गोल को बचा लिया। इसलिए, दोनों टीमें बिना किसी गोल के हाफटाइम में गईं। दूसरे हाफ में मैच की शुरुआत ब्राजीलियाई टीम के लिए अच्छी रही. पहले कुछ मिनटों के दौरान वे आगे बढ़े और मार्टिनेली के पैरों पर स्पष्ट कार्रवाई की जिसे डिबू मार्टिनेज नियंत्रित करने में कामयाब रहे। लेकिन बड़ा झटका खेल के 63वें मिनट में बायीं ओर से एक कोने से लगने वाला थाः लो सेल्सो ने क्रॉस को अंजाम दिया और ओटामेंडी ने ऊपर से पूरी तरह से जीत हासिल की और एक सटीक हेडर के साथ स्थिति 1-0 कर दी। परिणाम अपने पक्ष में होने के कारण, अर्जेंटीना प्रतिद्वंद्वी के खेल को बेअसर करने में कामयाब रहा और उसे कोई बड़ा उलटफेर नहीं करना पड़ा।दक्षिण अमेरिकी विश्व कप क्वालीफायर के पूरे इतिहास में ब्राज़ील एकमात्र ऐसी टीम थी जो मंगलवार के मैच तक अपने घर में कभी नहीं हारी थी, जिसमें अर्जेंटीना ने उन्हें 1-0 से हराकर मेजबान के रूप में बिना हार के 65 मैचों के अपराजित रिकॉर्ड को छीन लिया। पूरे क्वालीफायर के दौरान, ब्राज़ीलियाई लोगों ने 65 घरेलू मैच खेले, जिनमें से उन्होंने 52 जीते और केवल 13 बराबरी पर रहे, इसके अलावा मंगलवार की हार हुई।

विश्व कप क्वालीफायर में चीन पर जीत के बाद दक्षिण कोरिया की नजर एशिया कप पर

शेनझेन । दक्षिण कोरिया ने मंगलवार को यहां 2026 फीफा विश्व कप एशियाई जोन क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के दूसरे चरण के ग्रुप सी में चीन को 3-0 से हराकर अगले साल का एशिया कप जीतने का लक्ष्य रखा है। दक्षिण कोरिया के डिफेंडर किम मिन-जे ने मैच के बाद कहा, यह महत्वपूर्ण है कि हम कड़ी मेहनत करना जारी रखें और उम्मीद है कि हम एशिया कप ट्रॉफी घर वापस ला सकते हैं।शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया के मुख्य कोच जर्गेन क्लिंसमैन ने भी एशिया कप जीतने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।क्लिंसमैन ने कहा, ÷हमारे पास बहुत सारी प्रतिभाएं हैं, हमारे पास बहुत सारे गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। विश्व कप के लिए क्वालीफाई करना एक मैराथन है, हमारा लक्ष्य यह मैच जीतना है और फिर हम एशिया कप जीतने की कोशिश करेंगे। जनवरी 2024 में कतर में शुरू होने वाले एशिया कप के लिए दक्षिण कोरिया हमेशा से प्रबल दावेदारों में से एक है। टीम ने लगातार छह मैचों में एक भी गोल नहीं खाया है। किम ने कहा, हमें वह परिणाम मिला जो हम चाहते थे और हमने कोई गोल नहीं खाया, यह हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। दक्षिण कोरिया के कप्तान सोन ह्युंग-मिन ने पूरे 90 मिनट तक खेला, और शेनझेन में अपनी टीम की जीत के लिए एक और गोल किया। 31 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि एशिया कप में कोई भी मैच आसान नहीं होगा।

क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर की श्रुति रघुनाथन के साथ हुई सगाई

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के क्रिकेटर वेंकटेश अय्यर की श्रुति रघुनाथन के साथ सगाई हो गई है। अब वह जीवन की 'नई पारी' खेलने के लिए तैयार हैं। वेंकटेश की श्रुति रघुनाथन के साथ हुई सगाई का फोटो मध्य प्रदेश के इस क्रिकेटर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इस फोटो में ग्रीन कलर का कुर्ता पहने वेंकटेश और पर्पल कलर की साड़ी पहने श्रुति, एक-दूसरे के साथ हैं। पोस्ट में उन्होंने लिखा, 'जिंदगी के अगले चेप्टर की ओर। कई क्रिकेटरों ने इस मौके पर वेंकटेश को बधाई दी है जिसमें अर्शदीप सिंह, अवेश खान, मनदीप सिंह, श्रेयस अय्यर, नमन ओझा और युजवेंद्र चहल प्रमुख रूप से शामिल हैं। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में जन्मे 28 वर्षीय वेंकटेश ने भारत की ओर से दो वनडे और 9 टी20 मैच खेले हैं।बाएं हाथ से आक्रामक बैटिंग के साथ मध्यम तेज गेंदबाजी भी करने वाले वेंकटेश को शॉर्टर फॉर्मेट के बेहतरीन प्लेयरों में शुमार किया जाता है। दो वनडे इंटरनेशनल में 24 रन उन्होंने बनाए हैं। 9 टी20 आई की सात पारियों में दो बार नाबाद रहते हुए 33.25 के औसतसे 133 रन और 15.00 के औसत से पांच विकेट उनके नाम पर दर्ज हैं। टी20 आई में नाबाद 35 रन और 23 रन देकर दो विकेट, वेंकटेश को बैटिंग और बॉलिंग का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इंडियन प्रीमियर लीग में कोलकाता नाइटराइडर्स की टीम से वेंकटेश खेलते रहे हैं। आईपीएल के 36 मैचों में अब तक उन्होंने 28.12 के औसत और 130.25 के स्ट्राइक रेट से 956 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक हैं, तीन विकेट भी उन्होंने हासिल किए हैं। मध्य प्रदेश की ओर से 12 प्रथम श्रेणी मैचों में उन्होंने 32.50 के औसत से 585 रन बनाए हैं जिसमें छह अर्धशतक हैं।

159 रन बनाकर सूर्यकुमार यादव तोड़ेंगे 2000 रन बनाने वालों का रिकार्ड

-बाबर आजम और विराट कोहली का महारिकॉर्ड तोड़कर हो जाएंगे दोनों के आगे

नई दिल्ली ।

भारतीय होनहार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव यदि टी-20 में 159 रन बना लेते हैं तो उनके नाम एक नया रिकार्ड हो जाएगा। वह 2000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों का रिकार्ड तोड़कर आगे बढ़ जाएंगे। जानकारी के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 23 नवंबर से विशाखापत्तनम में शुरू होने वाली आगामी टी20 सीरीज में बाबर आजम और हमवतन विराट कोहली के कई रिकॉर्ड तोड़ने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्हें टी-20 इंटरनेशनल में 2000 रन बनाने वाले सबसे तेज बल्लेबाज होने के बाबर के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए अपनी अगली पारी में 159 रनों की आवश्यकता है। जानकार बता रहे हैं कि यदि सूर्यकुमार अपनी अगली दो पारियों में 159 रन बनाता है, तो वह 52 पारियों में बाबर और मो. रिजवान के संयुक्त सबसे तेज बल्लेबाज की बराबरी कर लेंगे। अगर सूर्यकुमार अपने अगले पांच मैचों में 159 रन बना लेता है, तो वह टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय होने के कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। उन्होंने 50 टी-20 इंटरनेशनल पारियों में 46 की औसत और 172.7 की शानदार स्ट्राइक रेट से 1841 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने इस दौरान तीन शतक भी बनाए हैं। आखिरी शतक इस जनवरी में राजकोट में श्रीलंका के खिलाफ है। रोहित शर्मा के पहले ही सबसे छोटे प्रारूप से बाहर होने और हार्दिक पंड्या के टखने की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया टी20 इंटरनेशनल के लिए स्काई को कप्तान नियुक्त किया गया है। सूर्यकुमार को वनडे विश्व कप में अपने प्रदर्शन के लिए काफी आलोचना मिली है, वह सात पारियों में 17.66 की निराशाजनक औसत से केवल 106 रन ही बना सके। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे महत्वपूर्ण फाइनल में वह धीमी पिच पर 28 गेंदों पर सिर्फ 18 रन बना सके और भारत को सम्मानजनक स्कोर तक ले जाने में असफल रहे। अहमदाबाद में विश्व कप फाइनल में भारत की उसी टीम से हार के ठीक चार दिन बाद ऑस्ट्रेलिया टी-20 इंटरनेशनल शुरू हुआ है।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड को शामिल किया

शेन डाउरिच और केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी

सेंट जोन्स ।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने होने वाली एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट श्रृंखला के लिए ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो नए चेहरे अपनी 15 सदस्यीय टीम में शामिल किए हैं। विकेटकीपर शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले की टीम में वापसी हुई है। डाउरिच ने अपना एकमात्र वनडे मैच 2019 में खेला था जबकि ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे मैच खेले थे। शाई होप की अगुवाई वाली टीम इंग्लैंड के खिलाफ तीन और छह दिसंबर को एंटीगा और नौ दिसंबर को बारबाडोस में वनडे मैच खेलेगी। इसके बाद दोनों टीम के बीच पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी। विंडीज टीम ने आखिरी बार इंग्लैंड से साल 2007 में वनडे सीरीज जीती थी। विंडीज के लिए तब प्लेयर ऑफ द सीरीज शिवनारायण चंद्रपाल रहे थे जिन्होंने तीन वनडे मैचों में 202 रन बनाए थे। इसके बाद लगातार विंडीज को इंग्लैंड के हाथों हार झेलनी पड़ी है। 2018 में जरूर विंडीज ने 5 मैचों की सीरीज ड्रा करवा ली थी लेकिन वह इंग्लैंड को हराने में कामयाब नहीं हुई थी। आखिरी बार दोनों क्रिकेट विश्व कप 2019 में भिड़े थे जहां इंग्लैंड को ही जीत मिली थी। उसके बाद से दोनों ने कभी वनडे नहीं खेला है।

वनडे श्रृंखला के लिए वेस्टइंडीज की टीम: शाई होप (कप्तान), एलिक अथानाज़े, यानिक कारिया, कीसी कार्टी, रोस्टन चेज़, शेन डाउरिच, मैथ्यू फोर्डे, शिम्रोन हेटमायर, अल्ज़ारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, केजोर्न ओटले, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, ओशाने थॉमस।

बुखार से पीड़ित होने के बावजूद रुतुजा ने स्मृति को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

बेंगलुरु, एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपना पहला पेशेवर टूर्नामेंट खेल रही भारत की रुतुजा भोसले को अपनी युवा प्रतिद्वंद्वी स्मृति भसीन को हराकर आईटीएफ महिला विश्व टेनिस टूर के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने से पहले अपने स्वास्थ्य के साथ संघर्ष करना पड़ा। पहले दौर के मैच में तीसरी वरीय रुतुजा ने स्मृति को 6-4, 7-5 से हराया। अन्य वरीयता प्राप्त खिलाड़ी भी अंतिम 16 चरण में पहुंच गए, जिसमें शीर्ष वरीयता प्राप्त उज्बेकिस्तान की निगिना अब्दुरईमोवा ने एकातेरिना याशिना पर 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की, जबकि दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड की लानलाना तारारुडी ने मेजबान देश की शर्मादा बालू को 6-0, 6-1 से हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त झिबेक कुलम्बायेवा को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से जीत हासिल करने से पहले तनीषा कश्यप के थोड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। आठवीं वरीयता प्राप्त थाईलैंड की पुन्निन कोवापिटुकटेड ने सौम्या विग को 6-0, 6-1 से हरा दिया। दिन के एक उल्लेखनीय परिणाम में, प्रांजला यादलापल्ली ने 20 महीने के बाद एक्शन में वापसी करते हुए वंशिता पठानिया को सीधे सेटों में 6-1, 6-0 से हराया और दिखाया कि उन्होंने लय नहीं खोई है। रुतुजा, जो हल्के बुखार के साथ उठीं, कोर्ट पर जाने में कामयाब रहीं और अच्छी फॉर्म में दिखीं और शुरुआती गेम में ब्रेक के साथ शुरुआत की और अपनी सर्विस बरकरार रखते हुए 2-0 से बढ़त भी बना ली। 27 वर्षीया, रुक-रुक कर कमजोरी के दौरों के बावजूद, जिसमें प्रतिभा की चमक झलकती थी, अपनी सर्विस बरकरार रखने में कामयाब रही और उनकी प्रतिद्वंद्वी ने भी ऐसा ही किया लेकिन दुबली-पतली रुतुजा ने पहला सेट 6-4 से जीत लिया। दूसरे सेट की शुरुआत भी इसी तरह हुई और रुतुजा ने शुरुआती गेम में ब्रेक के साथ 3-1 की बढ़त बना ली। 20 वर्षीय स्मृति ने कुछ अच्छे क्रॉस कोर्ट शॉट्स के साथ पांचवां गेम अपने नाम किया और अगले दो गेम भी जीतकर मैच में पहली बार बढ़त बना ली।

डीएफसी ने करीबी मुकाबले में लाजोंग के खिलाफ झेली हार

चंडीगढ़। आईलीग सीजन 2023-24 में दिल्ली एफसी (डीएफसी) ने शिलोंग लाजोंग का सामना किया, लेकिन टीम करीबी मुकाबले में 2-1 से चूक गई। घर से बाहर खेले मैच में डीएफसी की क्षमता की परीक्षा हुई, क्योंकि उन्हें शिलोंग से कड़ी टक्कर मिली। शुरुआत से ही दिल्ली एफसी ने अच्छा प्रदर्शन किया और गोल के मौके तलाशे। मेजबान शिलोंग लाजोंग की टीम भी जवाब में बॉल पर कंट्रोल बनाती रही। 23वें मिनट में उन्हें पहली सफलता मिली और उन्होंने बढ़त बना ली। डीएफसी ने निडर होकर गेम खेलना जारी रखा और वे स्कोर बराबर करने का प्रयास करते रहे। पहले हाफ के अंत तक स्कोर 1-0 ही रहा। दूसरे हाफ में डीएफसी ने अपनी गेम को बदला और अटैक किया। 60वें मिनट में उन्हें पहली कामयाबी मिली और गौरव रावत ने गोल करते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर किया। डीएफसी ने अपने फैंस को खुश होने का मौका दे दिया। गेम अभी जारी था और दोनों टीमों ने अच्छा गेम खेला। शिलोंग लाजोंग ने 20 मिनट बाद डीएफसी को चौकाया। फैंस को निराशा हुई और 82वें मिनट में मेजबान टीम ने डीएफसी के को 2-1 से पीछे कर दिया। डीएफसी ने इसके बाद लगातार आक्रमण किया, लेकिन वे गोल नहीं कर सके। टीम ने बहादुरी के साथ लड़ाई लड़ी और सिर ऊंचा करके मैदान छोड़ा। अंत में नतीजा वह नहीं हो सकता जो डीएफसी चाहती थी, लेकिन उन्हें टीम के प्रदर्शन पर गर्व हो सकता है क्योंकि घर से दूर खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है खासकर शिलोंग के शानदार माहौल में। डीएफसी के खिलाड़ियों ने दृढ़ संकल्प दिखाया और आगामी मैचों में मजबूत होकर वापसी करने के लिए इस अनुभव को अपनाएंगे। डीएफसी अपने अगले गेम से पहले वापसी करने और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने के लिए प्रतिबद्ध है। वे अपनी रणनीतियों को बेहतर बनाने और अपनी ताकत का फायदा उठाने के लिए दृढ़ हैं, और जीत की राह में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

ताहिर राज भसीन को सताता है कंफर्टेबल होने का डर

बॉलीवुड एक्टर ताहिर राज भसीन ने खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपने बचपन के दिनों को याद किया। साथ ही कुछ किस्से भी सुनाए। बताया कि उन्हें सहज होने से डर लगता है। वह इंडस्ट्री में यादगार होने के लिए आए हैं। उन्होंने बचपन से ही कई फिल्में देखी हैं। बचपन में सिंगल थिएटर में सुनीं सीटियां आज भी ताहिर राज भसीन के दिमाग में गूंजती हैं। इसी ने उनके अभिनेता के आकार में ढलने के सपने को साकार किया। आज भी उनके मन में यही रहता है कि उन पलों को कैसे अपनी ऐक्टिंग के दम पर रीक्रिएट किया जाए। नब्बे के दशक की फिल्मों के बीच गुजरा उनका बचपन बड़े होते-होते इंटरनेशनल सिनेमा तक पहुंचा। इस मिश्रण ने उनके अभिनेता बनने के सफर को और मांझ दिया।

अच्छा एक्टर बनने के लिए हर तरह का सिनेमा देखना जरूरी

मैं जिन शहरों इलाहाबाद (प्रयागराज), जामनगर, ग्वालियर में बड़ा हुआ, वहां सिंगल स्क्रीन थिएटर थे। वहां बॉलिवुड सिनेमा बहुत देखा जाता था। मैं जब कॉलेज में आया, तब जो दोस्त बने, वो इंटरनेशनल सिनेमा देखते थे। मेरे हिसाब से आज का एक्टर कोई एक चीज देखे तो वह सही नहीं है। अगर आप एक तरह का सिनेमा देखकर आएंगे तो हिंदी सिनेमा में काम करना मुश्किल होगा। अगर मैं सिर्फ 90 के दशक का मसाला सिनेमा देखता या सिर्फ अंग्रेजी फिल्में देखकर ऐक्टिंग करने आता तो मुझे प्रॉब्लम होती। इस वजह से आपको हर तरह का सिनेमा देखना होगा। मुझे लगता है कि इसका असर मेरी फिल्मों की चॉइस और काम में दिखता है। मैं ज्यादा मसाला नहीं हूं और ज्यादा सीरियस भी नहीं हूं। मैं बीच का हूं। यही मुझे सुल्तान ऑफ दिल्ली की खूबसूरती लगी कि उसका अंदाज एंटरटेनिंग है पर ऐक्टिंग गंभीर। आप यह भी कह सकते हैं कि एक उम्र तक तो बैटमैन अच्छा लगता है, लेकिन जब समझ आती है, तब समझ में आता कि जोकर भी बहुत बुद्धिमान है।

रिस्क लेने का रोमांच ही मुझे मुंबई खींचकर लाया था

घर में सब सेटल हैं। पापा एयरफोर्स में थे और भाई पायलट है। मुझे कभी इस बात का डर नहीं लगा कि अगर कुछ कर नहीं पाया तो क्या होगा। सच कहूं तो मुझे डर ये था कि अगर मैंने रोज सुबह 9 से शाम 5 बजे तक की नौकरी की तो शायद मैं बोरियत से मर ना जाऊं। इससे अलग करने के लिए मेरे अंदर एक रोमांच था। मैं मुंबई आने से पहले बहुत उत्साहित था कि मैं वहां क्या रोमांचक कर पाऊंगा। मेहनत की यही खासियत है कि जितना प्रतिशत आप अपना दोगे, उतना ही मिलेगा। शुरुआत में स्ट्रगल था, लेकिन तब भी मजा आ रहा था क्योंकि वो मेरे मन का था। आज भी मैं कंफर्टेबल ना होने की कोशिश करता हूं, जबकि अब तो काम है और थोड़ा सेटल भी हो गया हूं। फिर भी कंफर्टेबल होने का डर सताता है। मुझे पता है कि रिस्क नहीं लिया तो जिंदगी का सारा रोमांच खत्म हो जाएगा। यही रोमांच मुझे मुंबई खींचकर लाया था। अगर कोई कलाकार चाहे वो म्यूजिशयन हो, एक्टर हो या स्पोर्ट्स पर्सन, मैं उनसे कहूंगा कि अपने दिल की सुनो क्योंकि मेहनत कभी जाया नहीं जाती है।

मैं यादगार होने के लिए आया हूं

मैंने कम फिल्में की हैं। इसको मैं अपना बेस्ट निकालना कहूंगा। अगर आपको क्वालिटी वाला काम करना है, जो दर्शकों के दिमाग में ठहर जाए तो उसमें समय लगना लाजिमी है। सुल्तान ऑफ दिल्ली को शूट करने में हमें डेढ़ साल लग गए थे। मुझे अपने किरदार अर्जुन भाटिया में ही घुसने में चार महीने लगे। मैंने माचो बनने के लिए 8 से 10 किलो वजन बढ़ाया, बहुत फिजिकल ट्रेनिंग ली। फिर कपड़ों के हिसाब से उसका हाव-भाव कैसा रहेगा, उस पर मेहनत की। इसी तरह नेटफ्लिक्स की ये काली-काली आंखें को शूट करने में भी डेढ़-दो साल लग गए थे। मेरा हमेशा से यह मानना है कि चर्चित होने और यादगार होने में जमीन-आसमान का फर्क है। मैं यादगार होने के लिए आया हूं। मैं 2010 में मुंबई गया और 2014 में पहली फिल्म मर्दानी आई।

मर्दानी के किरदार को एंटी हीरो के रूप में देखा गया

हां, मैंने पहली ही फिल्म में नकारात्मक भूमिका निभाई थी। मेरा मानना है कि इंसान को किस्मत से ज्यादा और समय से पहले कुछ नहीं मिलता। मुझसे पहले भी बहुत महान कलाकार जैसे शाहरुख खान, इरफान खान हुए हैं, जिन्होंने नेगेटिव किरदारों से ही फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। फिर आगे उन्होंने क्या किया, यह पूरी दुनिया जानती है। पहले किरदार को ही हकीकत मान लेना और आगे के लिए अपनी भूमिका तय कर देना सही नहीं है। मेरा मानना है कि जो भी काम मिले, उसे पूरे मन से करें तो वह आगे जाकर आपको आगे ही बढ़ाएगा। इत्तेफाक से मेरी पहली फिल्म मर्दानी थी। उसे देखकर ही मिलन सर ने मुझे सुल्तान ऑफ दिल्ली सीरीज के लिए फोन किया था कि आजा हीरो का रोल कर। यह मेरे लिए बड़ी बात है। मर्दानी में मेरे नेगेटिव रोल को जिस तरह से दर्शकों ने स्वीकार किया और उसका फीडबैक मिला, वो अलग ही था। उसे उन्होंने एक एंटी हीरो की तरह देखा था। एक हीरो और एक विलेन होता है। इनमें एक बीच का एंटी विलेन होता है, जो चार्मिंग लगता है। ऐसा लगता कि यह तो मेरा दोस्त, भाई और बॉयफ्रेंड हो सकता है, लेकिन उसका दिमाग थोड़ा सटका हुआ होता है। ऐसा नहीं था कि उसके मुंह में पान के निशान हों, ढेर सारी अंगूठियां पहनी हों, काले कपड़े हों। उसका बॉय नेक्स्ट डोर टाइप का लुक था।

मैं अपनी कहानी का नायक था

इमरान हाशमी ने कहा कि फिल्म 'टाइगर-3' में उन्होंने अपने किरदार को खलनायक समझने की बजाय उसे नायक से अलग मानकर निभाया। उन्होंने कहा कि खलनायक के किरदार को करने का सबसे खराब तरीका उसे नकारात्मक सोच के साथ निभाना है। हाशमी ने कहा कि उन्होंने पूर्व आईएसआई एजेंट आतिश रहमान के अपने किरदार को खलनायक समझने के बजाय एक ऐसा व्यक्ति समझा जिसका नजरिया फिल्म के नायक से अलग है। फिल्म में सलमान खान नायक की भूमिका में हैं और इसमें कैटरीना कैफ ने भी अहम किरदार निभाया है। हाशमी ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि आपको निर्देशक के नजरिए के बारे में स्पष्ट होना चाहिए। आप किरदार की बारीकियों को समझें। उस किरदार को अपनी कहानी का नायक समझें और उसे उसी तरह निभाएं। उन्होंने कहा, फिल्म में मेरा किरदार खलनायक का नहीं बल्कि नायक से अलग एक व्यक्ति का है। मैं अपनी कहानी का नायक था, इसलिए मुझे उस किरदार को उसी नजरिए से निभाना था। इमरान हाशमी मर्डर, गैंगस्टर, वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई और चेहरे जैसी फिल्मों में भी नकारात्मक किरदार निभा चुके हैं।

बॉलीवुड में काम नहीं मिलने पर छलका महिमा का दर्द

अभिनेत्री महिमा मकवाना ने टीवी शो सपने सुहाने लड़कपन के से लोकप्रियता हासिल की, जिसमें उन्होंने मुख्य भूमिका निभाई थी। इसके बाद अभिनेत्री ने सलमान खान के साथ आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अंतिम से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि, सलमान खान के साथ काम करने पर भी उनके करियर का ग्राफ नहीं बढ़ा। अब हाल ही में अभिनेत्री ने अपने करियर के बारे में बात की है। हाल ही में दिए इंटरव्यू में महिमा मकवाना ने अपने बॉलीवुड डेब्यू के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि अंतिम में सलमान खान के साथ काम करने के बाद भी उन्हें काम नहीं मिला। अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने इस बारे में कैमरे पर कभी बात नहीं की, लेकिन उनके किरदार पर किसी का ध्यान नहीं गया। लोग उनसे कहते हैं कि उन्होंने फिल्म में बहुत अच्छा काम किया है और उनके अभिनय की प्रशंसा भी करते हैं, लेकिन फिर भी उन्हें काम नहीं मिला। इस बात पर उन्हें आश्चर्य होता है कि तारीफ के बाद भी उन्हें काम क्यों नहीं मिला। महिमा ने इंडस्ट्री में उपयोग हो रहे ब्रांड, मार्केटिंग और स्टार जैसे शब्दों के बारे में बात की, जो उनके लिए पूरी तरह से नई अवधारणाएं थीं। अपने टेलीविजन कार्यकाल के दौरान उनका ध्यान पूरी तरह से सेट पर दिखने और खुद को अभिनय के प्रति समर्पित करने पर केंद्रित था। काम के बाद वे आराम करने के लिए घर लौट आती थीं। नई मांगों के साथ बदलाव आया। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री के बड़े ब्रांड तक पंहुचा उनके लिए कठिन था।

23 नवम्बर को जारी होगा एनिमल का ट्रेलर

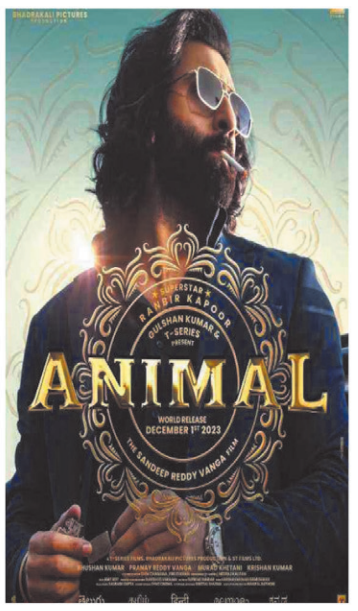

रणबीर कपूर की एनिमल साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म के टीजर को लेकर पहले ही काफी बज बन गया है। रणबीर बिल्कुल अलग लुक में दिखे हैं। उनके अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी हैं। फैन्स ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म की रिलीज में अब ज्यादा दिन नहीं रह गए हैं। डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा ने आखिरकार पोस्ट कर बताया कि फिल्म का ट्रेलर कब आएगा।

कब रिलीज होगा ट्रेलर

संदीप रेड्डी वांगा ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर एक फोटो शेयर खुलासा किया कि ट्रेलर किस दिन रिलीज होगा। उन्होंने रणबीर कपूर के साथ खुद की ब्लैक एंड फोटो शेयर की। फोटो के ऊपर ही लिखा है, 23 नवंबर को ट्रेलर। इसके साथ ही फैन्स काफी एक्साइटेड हो गए।

फैन्स ने क्या कहा

कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा, वर्ल्ड कप फाइनल का दुख सिर्फ ये ट्रेलर ही मिटा सकता है। एक अन्य ने कहा, आप पर पूरा भरोसा है। एक यूजर कमेंट करते हैं, इंतजार है अन्ना, 23 के आने का।

कब रिलीज होगी फिल्म

एनिमल का टीजर रणबीर के जन्मदिन पर सितंबर महीने में आया था। फिल्म में अनिल कपूर ने रणबीर के पिता और रश्मिका ने पत्नी का रोल किया है। बॉबी देओल निगेटिव किरदार करते दिखेंगे। यह पहली बार है जब रणबीर और संदीप साथ में काम कर रहे है। संदीप ने इससे पहले शाहिद कपूर के साथ कबीर सिंह बनाई थी। फिल्म को भूषण कुमार और कृष्ण कुमार की टी-सीरीज, मुराद खेतानी की सिने 1 स्टूडियोज और प्रणय रेड्डी वांगा की भद्रकाली पिक्चर मिलकर प्रोड्यूस कर रही है। एनिमल 1 दिसंबर 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

वीर दास ने बेस्ट कॉमेडी का एमी अवॉर्ड जीतकर रचा इतिहास

51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में भारतीय कॉमेडियन-एक्टर वीर दास ने इतिहास रच दिया है। वीर दास को उनके शो वीर दास- लैंडिंग के लिए बेस्ट कॉमेडी का इंटरनेशन एमी अवॉर्ड मिला। वहीं एकता कपूर को इंटरनेशनल एमी डायरेक्टरेट अवॉर्ड मिला, जिसे पाकर वह भावुक हो गई।

वीर दास ने रचा इतिहास, आलोचना के बाद करने वाले थे सुसाइड

वीर दास को जब इससे पहले एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला था, तो कॉमेडियन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि अमेरिका में किए गए शो में उन्होंने जो कविता बोली थी, उस पर जो आलोचना हुई, उसके कारण वह सुसाइड करने के बारे में सोचने लगे थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा था, जिस रात मुझे आतंकवादी कहा गया, उसी रात मैं एमी अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट हो गया।

सम्मान पाकर इमोशनल हो गईं एकता कपूर

पॉपुलर एक्टर और कॉमेडियन वीर दास ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने 51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स में बेस्ट कॉमेडी के लिए अवॉर्ड जीता है। एमी अवॉर्ड्स में शेफाली शाह और जिम सर्भ को भी नॉमिनेशन मिला था, पर वो दोनों अवॉर्ड जीतने से चूक गए। वहीं वीर दास को उनके नेटफ्लिक्स स्पेशल शो वीर दास- लैंडिंग के लिए बेस्ट कॉमेडी का एमी अवॉर्ड मिला है।

जिम सर्भ और शेफाली शाह हारे एमी अवॉर्ड

वहीं जिम सर्भ और शेफाली शाह को इस बार एमी अवॉर्ड नहीं मिला। जिम सर्भ को वेब सीरीज रॉकेट बॉयज में होमी जे भाभा के रोल के लिए बेस्ट एक्टर कैटिगरी में नॉमिनेशन मिला था। पर वह यह अवॉर्ड एक्टर मार्टिन फ्रीमैन के हाथों हार गए। वहीं शेफाली शाह को वेब सीरीज दिल्ली क्राइम सीजन 2 में डीसीपी वर्तिका चौहान के किरदार के लिए बेस्ट एक्ट्रेस कैटिगरी में नॉमिनेशन मिला था। एक्ट्रेस बेहद खुश थीं। पर वह इस बार अवॉर्ड नहीं जीत पाईं। बेस्ट एक्ट्रेस का एमी अवॉर्ड ड्राइव के लिए मेक्सिकन एक्ट्रेस कार्ला सूजा को मिला।

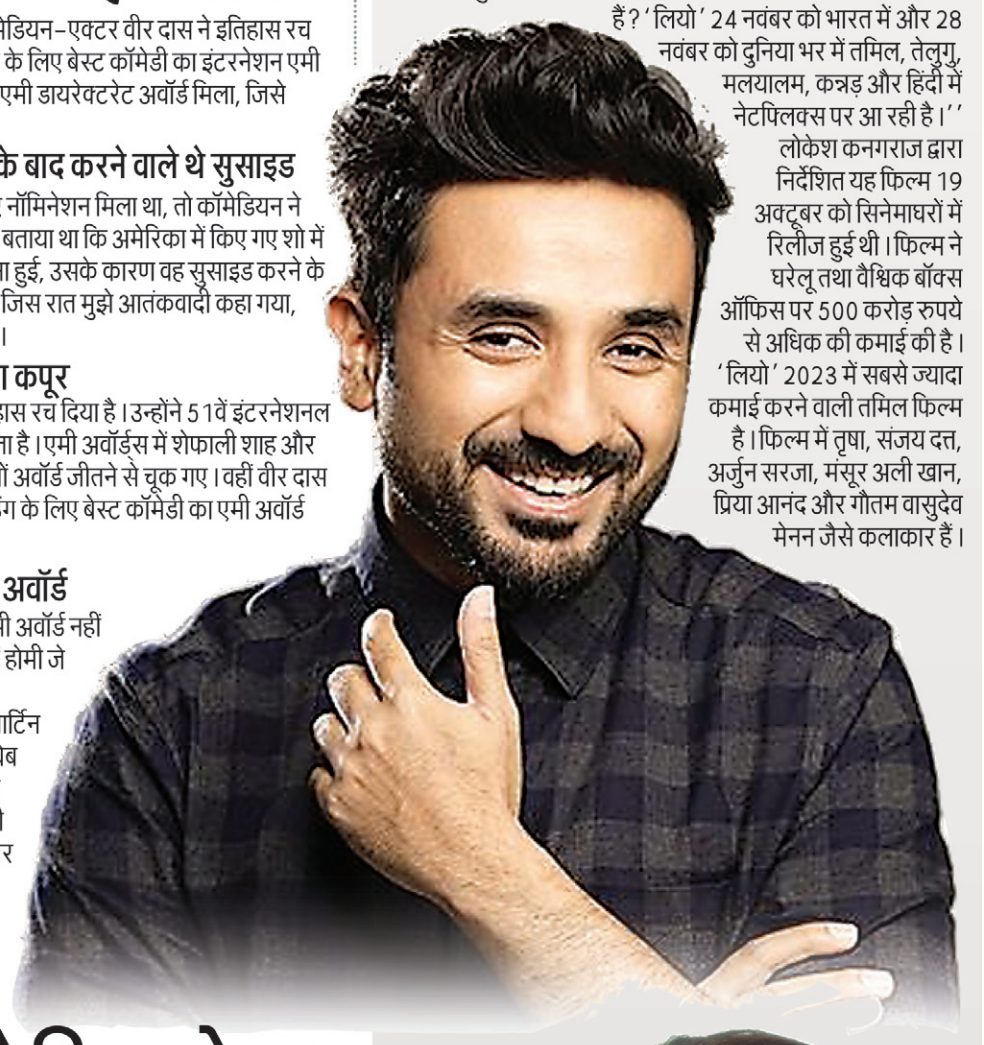

कार्ला सूजा को मिला बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड, दिल्ली क्राइम के लिए चूक गईं शेफाली शाह

51वें इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड्स अभी शुरू हुए हैं और एक्ट्रेस कार्ला सूजा ने मैक्सिकन सीरीज ला कैडा के लिए अवॉर्ड जीत लिया है। उन्हें भारत की शेफाली शाह सहित कई लोगों के साथ नॉमिनेट किया गया था। शेफाली को दिल्ली क्राइम सीज़न 2 के लिए नॉमिनेशन मिली थी। विनर की घोषणा करते हुए, इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2023 के आधिकारिक अकाउंट ने शेयर किया, ला कैडा के लिए बेस्ट एक्ट्रेस, इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड कार्ला सूजा को जाता है। बेस्ट एक्ट्रेस की लिस्ट में नॉमिनेटेड सेलेब्स में डेनिश सीरीज ड्रोमेरेन के लिए कोनी नीलसन और ब्रिटिश शो आई हेट सुजी टू के लिए बिली पाइपर, ला कैडा के लिए कार्ला सूजा थे। जबकि शेफाली अपने शो के दूसरे सीज़न दिल्ली क्राइम 2 के लिए अपना पहला एमी हार गईं। यह भारत के लिए पहला इंटरनेशनल एमी अवॉर्ड था।

दिल्ली क्राइम 2 के बारे में

दिल्ली क्राइम 2 का निर्देशन तनुज चोपड़ा ने किया है। इसमें शेफाली शाह ने लीड एक्ट्रेस डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी का रोल प्ले किया था। उनके साथ राजेश तिलंग और रसिका दुग्गल भी थे। शेफाली ने इस इवेंट में एक सुंदर साड़ी पहनी थी। उन्होंने अपने लुक को मिनिमल रखा और बिंदी के साथ पूरा किया।

शेफाली को हां कहने में बस 5 मिनट लगे

शेफाली ने इवेंट से पहले एएनआई को बताया, मैं बहुत एक्साइटेड हूं, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत बड़ी बात है। जब रिची मेहता ने पहली बार स्क्रिप्ट सुनाई तो मुझे हां कहने में सिर्फ 5 मिनट लगे। उन्होंने मुझे बताया कि निर्भया मामले की जांच कैसे आगे बढ़ी। और, 5 मिनट से भी कम में, मैंने कहा कि मैं यह करना चाहती हूं। यह मेरे दिल से निकला फैसला था। मैंने इस पर ज्यादा सोचा ही नहीं।

सिनेमाघरों में तहलका मचाने के बाद लियो अब नेटफ्लिक्स पर

तमिल सिनेमा के ख्यातनाम अभिनेता थलापति विजय की हालिया प्रदर्शित और ब्लॉक बस्टर रही फिल्म लियो आगामी सप्ताह ओटीटी प्लेटफार्म पर प्रदर्शित होने जा रही है। इस फिल्म वैश्विक स्तर पर 600 करोड़ से ज्यादा का कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। अभिनेता विजय की तमिल एक्शन थ्रिलर फिल्म 'लियो' 24 नवंबर से भारत में तथा 28 नवंबर से वैश्विक स्तर पर 'ओवर द टॉप' (ओटीटी) मंच नेटफ्लिक्स पर प्रसारित की जाएगी। 'नेटफ्लिक्स' की दक्षिण भारत शाखा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, ''आखिरकार इंतजार खत्म हुआ। हमारे पास आपके लिए अच्छी खबर है। क्या आप तैयार हैं? 'लियो' 24 नवंबर को भारत में और 28 नवंबर को दुनिया भर में तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी में नेटफ्लिक्स पर आ रही है।'' लोकेश कनगराज द्वारा निर्देशित यह फिल्म 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म ने घरेलू तथा वैश्विक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है। 'लियो' 2023 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म है। फिल्म में तृषा, संजय दत्त, अर्जुन सरजा, मंसूर अली खान, प्रिया आनंद और गौतम वासुदेव मेनन जैसे कलाकार हैं।